R.N.I. : UPHIN/2012/52437
Website : www.mantrabharat.com
संस्करण : प्रयागराज
वर्ष : 15
अंक : 112
पृष्ठ : 8
मूल्य : 1.00
मंगलवार, 30 दिसम्बर, 2025

जुनून है सच लिखने का

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

प्रयागराज, लखनऊ, ग्वालियर एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं प्रतापगढ़, कौशाम्बी, भदोही, मिर्जापुर, वाराणसी, आजमगढ़ व गोरखपुर से प्रसारित

डाक पंजीयन संख्या : एल-2/9/रजि0/एडी0/119/15-17

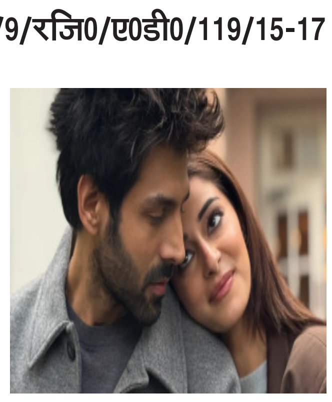

3 पति-पत्नी का झगड़ा से बनता है कोपभवन-प्रपन्नाचार्य | 5 अब जिले की कमान संभालेंगे रमेश यादव ... | 7 'तू मेरी मैं तेरा' की धीमी शुरुआत! मल्टी-स्टारर...

उन्नाव बलात्कार मामला : सुप्रीम कोर्ट ने कुलदीप सेंगर को राहत देने से किया इनकार

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। 2017 उन्नाव बलात्कार मामले के दोषी कुलदीप सेंगर की बेटी ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिल्ली उच्च न्यायालय के उस फैसले पर रोक लगाने के बाद सोशल मीडिया पर एक खुले पत्र में न्याय की मांग की, जिसमें भाजपा से निष्कासित विधायक की आजीवन कारावास की सजा निलंबित कर दी गई थी। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जेके माहेश्वरी और ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की तीन सदस्यीय अवकाश बैठक ने उच्च न्यायालय के आदेश पर रोक लगा दी, जिसमें कहा गया कि सेंगर एक अन्य मामले में जेल में हैं। अदालत ने कहा कि उच्च न्यायालय के आदेश का कार्यान्वयन स्थगित किया जाता है और सेंगर को जेल से रिहा नहीं किया जाता है।

एक पोस्ट में, सेंगर की बेटी ने संकेत दिया कि सुप्रीम कोर्ट का फैसला जनता के आक्रोश पर आधारित था, और सेंगर परिवार को आठ साल तक बेबस बताया। उन्होंने लिखा कि मैं यह पत्र एक ऐसी बेटी के रूप में लिख रही हूँ जो थक चुकी है, डरी हुई है और धीरे-धीरे अपना विश्वास खो रही है, लेकिन फिर भी उम्मीद से जुड़ी हुई है क्योंकि अब कहीं और जाने की जगह नहीं बची है। आठ साल से, मैं और मेरा परिवार चुपचाप, धैर्यपूर्वक इंतज़ार कर रहे हैं। यह मानते हुए कि अगर हम सब कुछ 'सही तरीके से' करेंगे, तो सच्चाई अंततः खुद सामने आ जाएगी। हमने कानून पर भरोसा किया। हमने संविधान पर भरोसा किया। हमें भरोसा था कि इस देश में न्याय शोर-शराबे, हैशटैग या जनता के गुस्से पर निर्भर नहीं करता।

इसके अलावा, उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हें बलात्कार और जान से मारने की धमकियाँ मिलीं, जिससे अंततः उन्हें चुप करा दिया गया, जबकि वह संस्थाओं में विश्वास रखती थीं। उन्होंने कहा कि आज मैं इसलिए लिख रही हूँ क्योंकि मेरा विश्वास टूट रहा है। मेरे शब्द सुने जाने से पहले ही, मेरी पहचान एक लेबल तक सिमट जाती है - 'भाजपा विधायक की बेटी'। मानो इससे मेरी इंसानियत ही मिट जाती है। मानो सिर्फ इसी बात से मैं निष्पक्षता, सम्मान या बोलने के अधिकार से भी वंचित हो जाती हूँ। जिन लोगों ने मुझसे कभी मुलाकात नहीं की, एक भी दस्तावेज़ नहीं पढ़ा, एक भी अदालती रिकॉर्ड नहीं देखा, उन्होंने तय कर लिया है कि मेरे जीवन का कोई मूल्य नहीं है।

उन्होंने आगे कहा कि इन वर्षों में, सोशल मीडिया पर मुझे अनगिनत बार कहा गया है कि मुझे बलात्कार किया जाना चाहिए, मार डाला जाना चाहिए या सिर्फ मेरे अस्तित्व के लिए दंडित किया जाना चाहिए। यह नफरत काल्पनिक नहीं है। यह रोज़ाना होती है। यह निरंतर है। और जब आपको एहसास होता है कि इतने सारे लोग मानते हैं कि आप जीने के लायक भी नहीं हैं, तो यह आपको अंदर से तोड़ देता है।

श्रीलंका हनीमून का झगड़ा बना नवविवाहित जोड़े की मौत की वजह? बेंगलुरु में पत्नी ने लगाई फांसी, पति ने 1000 किलोमीटर दूर जाकर की आत्महत्या

बेंगलुरु **(एजेंसी)**। दो राज्यों में घटनाओं का एक भयानक सिलसिला शुरू हुआ है, जिसकी शुरुआत बेंगलुरु में एक 26 साल की महिला की मौत से हुई, जिसका आरोप है कि उसे उसके पति और ससुराल वालों की प्रताड़ना के कारण ऐसा करना पड़ा। गुरुवार को उसके आत्महत्या करने के बाद उसके पति की भी मौत हो गई और नागपुर में उसकी सास ने भी आत्महत्या की कोशिश की। महिला की मौत के बाद बेंगलुरु में उसके पति के घर के बाहर विरोध प्रदर्शन हुए, जहाँ उसके माता-पिता और रिश्तेदारों ने तुरंत गिरफ्तारी की मांग की। पुलिस सूत्रों ने बताया कि उसे पति के परिवार से अस्वीकृति और दुर्व्यवहार का सामना करना पड़ा था, जिसके कारण उसने यह कदम उठाया। महिला की मौत के बाद फर्स्ट इंफॉर्मेशन रिपोर्ट दर्ज होने के बाद, उसका पति अपनी माँ और भाई के साथ नागपुर भाग गया। इसके बाद, शुक्रवार को उसने नागपुर में आत्महत्या कर ली, जबकि उसकी माँ ने एक रिश्तेदार के घर पर अपनी जान देने की कोशिश की। उसे बचा लिया गया और वह गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती है।

कई रिपोर्ट्स के अनुसार, यह शादी से पहले की दोस्ती को लेकर एक विवाद था जो श्रीलंका में उनके हनीमून के दौरान सामने आया और दो बेंगलुरु परिवारों के लिए एक दोहरी त्रासदी बन गया। बेंगलुरु के रहने वाले पति-पत्नी, गणवी और उनके पति सूरज शिवन्ना ने कुछ दिनों के अंतराल पर आत्महत्या कर ली। गणवी की आत्महत्या और उसके बाद हुए हंगामे के बाद, 35 साल के सूरज अपने परिवार के साथ बेंगलुरु से भाग गए और लगभग 1, 000 किलोमीटर दूर नागपुर के एक होटल के कमरे में अपनी जान दे दी। उन पर दहेज उत्पीड़न के आरोप थे। सूरज की 60 साल की मां, जयंती शिवन्ना ने भी आत्महत्या करने की कोशिश की, लेकिन बच गईं। सूरज शिवन्ना और गणवी की शादी 29 अक्टूबर को बेंगलुरु में हुई थी। नवविवाहित जोड़ा जल्द ही 10 दिन के हनीमून के लिए श्रीलंका चला गया। शादी से पहले की दोस्ती के बारे में खुलासे को लेकर कथित विवाद शुरू होने के बाद यह यात्रा कुछ ही दिनों में खत्म हो गई, जिससे गरमागरम बहस हुई और कथित तौर पर गणवी ने सूरज के साथ शादी जारी रखने में अनिच्छा जताई।

बेंगलुरु के विजयनगर में एक ऑनलाइन डिलीवरी सर्विस के फ्रेंचाइजी मालिक सूरज शिवन्ना ने 29 अक्टूबर को एक अरेंज मैरिज सेरेमनी में एमबीए ग्रेजुएट गणवी से शादी की थी। परिवार के सूत्रों ने टाइम्स ऑफ इंडिया को बताया कि शादी भव्य थी, लेकिन कथित तौर पर गणवी अनिच्छुक थीं और उनकी चाची ने उन पर शादी के लिए दबाव डाला था।

हनीमून के दौरान, शादी से पहले की दोस्ती के बारे में खुलासे हुए, जिससे गरमागरम बहस हुई, एक पारिवारिक सूत्र ने टाइम्स ऑफ इंडिया को बताया, और कहा कि गणवी ने शादी जारी रखने में अनिच्छा जताई। दरार बढ़ गई, और दंपति ने हनीमून छोटा कर दिया, सिर्फ पांच दिनों के बाद बेंगलुरु लौट आए।

सत्ता स्थायी नहीं : कर्नाटक में सिद्धारमैया को शिवकुमार का सीधा संदेश! सियासी सरगर्मी बढ़ी

बेंगलुरु **(एजेंसी)**। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने रविवार को कहा कि कोई भी व्यक्ति या राजनीतिक दल स्थायी रूप से सत्ता में नहीं रहता। यह टिप्पणी मुख्यमंत्री सिद्धारमैया पर एक अप्रत्यक्ष कटाक्ष थी, जो दोनों नेताओं के बीच चल रही नेतृत्व की खींचतान के बीच सामने आई। केपीसीसी कार्यालय स्थित भारत जोड़ो भवन में कांग्रेस स्थापना दिवस कार्यक्रम में बोलते हुए शिवकुमार ने कहा कि इतिहास गवाह है कि अंततः सबसे शक्तिशाली भी पतन की ओर अग्रसर होते हैं। उन्होंने कहा, 'सम्राट भी गुमनामी में खो गए हैं। विश्व को जीतने वाला सिकंदर महान अब नहीं रहा। सद्दाम हुसैन को सुरंग में छिपना पड़ा था। भाजपा समेत अन्य लोगों के साथ भी ऐसा ही होगा।' पिछले सप्ताह शिवकुमार ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के आवास का दौरा किया, जिसके बाद उन्होंने कहा, 'मैं सिर्फ मंच पर बैठकर भाषण नहीं देता था; मैंने पार्टी में हर काम किया है।' इन टिप्पणियों को सिद्धारमैया पर कटाक्ष के रूप में भी देखा गया। 20 नवंबर को सरकार के पांच वर्षीय कार्यकाल का आधा समय पूरा होने के बाद सत्ताधारी कांग्रेस के भीतर आंतरिक बहस तेज हो गई है। नेतृत्व परिवर्तन की अटकलें 2023 में कांग्रेस के सत्ता में आने पर दोनों नेताओं के बीच हुए सत्ता-साझाकरण समझौते से जुड़ी हुई हैं।

सिद्धारमैया ने सार्वजनिक रूप से कहा है कि वे कर्नाटक के मुख्यमंत्री के रूप में अपना पूरा कार्यकाल जारी रखेंगे। ऐसी खबरें हैं कि सिद्धारमैया और शिवकुमार के बीच मुख्यमंत्री का कार्यकाल बराबर-बराबर बांटने का समझौता हो सकता है। हालांकि पार्टी या नेताओं में से किसी ने भी इसकी पुष्टि नहीं की है, लेकिन शिवकुमार ने हाल ही में बिना कोई विवरण दिए एक 'गुप्त समझौते' की ओर इशारा किया है। हालांकि, शिवकुमार ने मतभेद की खबरों का खंडन करते हुए कहा कि कांग्रेस उच्च कमान द्वारा दी गई स्वतंत्रता के तहत वर्तमान प्रशासन एक एकजुट टीम के रूप में कार्य कर रहा है।

जब उनसे सीधे तौर पर पूछा गया कि क्या वे पूरे पांच साल के कार्यकाल के लिए मुख्यमंत्री बनने की आकांक्षा रखते हैं, तो शिवकुमार ने कहा कि वे खुद को मुख्य रूप से एक पार्टी कार्यकर्ता के रूप में देखते हैं, न कि केवल सत्ता और पद की चाह रखने वाले व्यक्ति के रूप में। दोनों नेताओं ने उच्च कमान से संभावित सत्ता परिवर्तन को लेकर जारी भ्रम को समाप्त करने का आग्रह किया था, और शेष कार्यकाल के लिए मुख्यमंत्री कौन होगा, इस अनिश्चितता से हो रहे नुकसान का हवाला दिया था।

प्रचंड ठंड में भी सीएम योगी ने किया जनता दर्शन, फरियादें सुनीं और कहा- घबराइए मत, हर समस्या का समाधान कराएंगे

गोरखपुर **(एजेंसी)**। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रचंड ठंड में भी गोरखपुर में जनता के हित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए जनसेवा का अनुष्ठान जारी रखा। उन्होंने गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन का आयोजन कर लोगों से मुलाकात की। उनकी समस्याएं सुनीं। समस्या लेकर आए लोगों से आत्मीयता से संवाद करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, घबराइए मत... हर समस्या का समाधान कराएंगे और सरकार सबकी भरपूर मदद करेगी। जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने पास में मौजूद अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर पीड़ित व्यक्ति की समस्या पर संवेदनशीलता से ध्यान दें और तत्परता से उसका समयबद्ध व पारदर्शी निस्तारण कराएं। जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 150 लोगों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को उनका समाधान करने का निर्देश दिया। कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे। एक.एक कर सबकी समस्याएं सुनीं। उन्हें आश्वस्त किया कि वह सभी की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित कराएंगे। किसी को भी घबराने की आवश्यकता नहीं है। प्रार्थना पत्रों को उन्होंने अधिकारियों को हस्तगत करते हुए निर्देश दिया कि हर समस्या का निस्तारण त्वरित, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिप्रद होना चाहिए। कुछ लोगों द्वारा जमीन कब्जाने की शिकायत पर मुख्यमंत्री ने कठोर कानूनी कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा यदि कोई दबंग, माफिया किसी की जमीन जबरन कब्जा कर रहा हो तो उसके खिलाफ कठोर से कठोर कार्रवाई की जाए।

राहुल गांधी के 'अपने' ने खोली इंडी की पोल!

पूनावाला बोले- कोई गठबंधन नहीं, यह तो तीन तलाक की ओर

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने सोमवार को इंडी गठबंधन में गहरी कलह का आरोप लगाते हुए इसे एक 'टुकड़े-टुकड़े' गठबंधन बताया, जिसमें कोई मिशन या विजन नहीं है। ये टिप्पणियां राहुल गांधी के करीबी सहयोगी प्रवीण चक्रवर्ती द्वारा एक्स पर तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश के राज्यों के ऋण की तुलना करने वाले आंकड़े साझा करने के बाद आई हैं। एएनआई से बात करते हुए पूनावाला ने कहा कि राहुल गांधी के सहयोगी प्रवीण चक्रवर्ती द्वारा स्टालिन के मॉडल के मुकाबले योगी आदित्यनाथ के मॉडल का समर्थन करना राहुल गांधी के रुख को दर्शाता है। पूनावाला ने जोर देकर कहा कि दिल्ली, बंगाल, हरियाणा, पंजाब, बिहार, महाराष्ट्र, केरल और तमिलनाडु सहित कई राज्यों में इंडी गठबंधन केवल कागजों पर ही मौजूद है।

उन्होंने कहा कि हर दिन, हम इंडी गठबंधन के भीतर एक नया संघर्ष उभरता देख रहे हैं। यह एक 'टुकड़े-टुकड़े' गठबंधन है। न कोई मिशन, न कोई विजन, सिर्फ भ्रम। कल हमने केरल के मुख्यमंत्री को कांग्रेस से बुलडोजर पर लड़ते देखा। आज कांग्रेस ने द्रमुक पर हमला किया है... वे योगी जी के मॉडल का समर्थन कर रहे हैं और स्टालिन के मॉडल को खारिज कर रहे हैं। यह राहुल गांधी के बेहद करीबी सहयोगी प्रवीण चक्रवर्ती ने किया है। इसका मतलब है कि राहुल गांधी ने खुद ऐसा कहा है। इंडी गठबंधन सिर्फ कागजों पर है... दिल्ली, बंगाल, हरियाणा, पंजाब, बिहार, महाराष्ट्र, केरल और अब तमिलनाडु में कहीं भी नहीं।

पूनावाला ने गठबंधन की गतिशीलता को लेकर कांग्रेस के रवैये की आलोचना करते हुए कहा

कि कांग्रेस वास्तविकता को स्वीकार करने में असमर्थ है। वह खुद को हर जगह बड़ा भाई समझती है। लेकिन अब कोई भी राहुल गांधी को गंभीरता से नहीं लेता... कांग्रेस नेता और गठबंधन सहयोगी राहुल गांधी को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। इसलिए यह भी तीन तलाक की ओर बढ़ रहा है। रविवार को प्रवीण चक्रवर्ती ने एक्स पर तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश के बीच राज्य ऋण की तुलना करने वाले ग्राफ़िकल डेटा को साझा करते हुए लिखा, 'तमिलनाडु पर सभी राज्यों में सबसे अधिक बकाया ऋण है।

2010 में, उत्तर प्रदेश पर तमिलनाडु के ऋण से दोगुने से भी अधिक ऋण था। अब, तमिलनाडु पर उत्तर प्रदेश से भी अधिक ऋण है। तमिलनाडु का ब्याज भार (इ) सार्वजनिक एवं मानव संसाधन के बाद तीसरे स्थान पर है। तमिलनाडु का ऋण-जीडीपी अनुपात अभी भी कोविड-पूर्व स्तरों से कहीं अधिक है। तमिलनाडु की ऋण स्थिति चिंताजनक है!'

बांग्लादेश हिंसा पर कुमार विश्वास का फूटा गुस्सा, भारत सरकार तुरंत संज्ञान ले

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। प्रसिद्ध कवि कुमार विश्वास ने सोमवार को केंद्र सरकार से बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हो रही हिंसा का गंभीरता से संज्ञान लेने का आह्वान किया और स्थिति को बेहद दुखद बताया। विश्वास ने कहा कि सरकार इस मुद्दे पर विचार कर रही है और उन्होंने इस मामले पर वैश्विक ध्यान आकर्षित करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि जहां कुछ लोग अज्ञात हमलावरों द्वारा की गई हत्याओं पर कड़ा विरोध जताते हैं और बिना किसी औचित्य के भारत सरकार को इसमें घसीटने की कोशिश करते हैं, वहीं पड़ोसी देश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा होने पर वे चुप हो जाते हैं। विश्वास के अनुसार, यह चुप्पी ऐसे लोगों के स्पष्ट 'दोहरे मापदंड' को उजागर करती है। कुमार विश्वास ने पत्रकारों से कहा कि यह बेहद दुखद घटना है और भारत सरकार को इसका कड़ा संज्ञान लेना चाहिए। सरकार को इस बारे में सोचना भी चाहिए। मैं उन लोगों से निवेदन करना चाहता हूं जो हर घटना पर हद से ज्यादा हंगामा करते हैं - वे वहां अज्ञात हमलावरों द्वारा की गई हत्याओं को लेकर चिंतित तो हैं, लेकिन किसी न किसी तरह भारत सरकार के हस्तक्षेप को इसमें घसीट लेते हैं, जबकि भारत सरकार का इससे क्या लेना-देना है? लेकिन एक निर्दोष अल्पसंख्यक समुदाय को बेरहमी से जिंदा जला दिया गया, और ऐसे समय में जब लोग बयान नहीं देते, चिंता व्यक्त नहीं करते, तो यह उनके दोहरे मापदंड को उजागर करता है। इसलिए मुझे उम्मीद है कि पूरी दुनिया इस पर ध्यान देगी।

विश्वास की ये टिप्पणियां बांग्लादेश में जारी हिंसा में अमृत मंडल और दीपू चंद्र दास की हालिया हत्याओं के जवाब में आई हैं। इससे पहले 25 दिसंबर को डेली स्टार ने खबर दी थी कि राजबारी के पांगशा उप-जिले के कालीमोहोर संघ के होसेनडांगा गांव में अमृत मंडल नामक एक हिंदू युवक की जबरन वसूली के आरोप में भीड़ द्वारा पीट-पीटकर हत्या कर दी गई थी। पुलिस को कल रात सूचना मिलते ही वे मौके पर पहुंचे और सम्राट को गंभीर हालत में बचाया। मंडल की हत्या बांग्लादेश के मयमनसिंह जिले में हिंदू युवक दीपू चंद्र दास की भीड़ द्वारा पीट-पीटकर हत्या और जलाए जाने के कुछ दिनों बाद हुई है।

कपड़ा कारखाने में काम करने वाले दीपू चंद्र दास को कथित ईशनिंदा के आरोप में भीड़ ने पीट-पीटकर मार डाला और 18 दिसंबर को उनके शव को लटकाकर आग लगा दी। द डेली स्टार ने मयमनसिंह के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अब्दुल्ला अल मामून के हवाले से बताया कि कारखाने के एक अधिकारी ने भालुका पुलिस को सूचित किया कि श्रमिकों के एक समूह ने दीपू पर कारखाने के अंदर हमला किया और उन पर फेसबुक पोस्ट में पैगंबर मोहम्मद (सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम) के बारे में अपमानजनक टिप्पणी करने का आरोप लगाया।

रवनीत सिंह बिट्टू के विज़न से चमकेगा पंजाब का रेल मैप

2025 तक नई लाइनें, वंदे भारत और बेहतर कनेक्टिविटी का वादा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। केंद्रीय रेल और खाद्य प्रसंस्करण राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने 2025 में पंजाब के रेल बुनियादी ढांचे को मजबूत करने, कनेक्टिविटी में सुधार करने और राज्य भर में क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कई प्रमुख रेलवे पहलों की देखरेख की है।

उत्तरी पंजाब में यात्री और माल ढुलाई दोनों को बढ़ावा देने वाले एक रणनीतिक भावी गलियारे, गुरदासपुर-मुकेरियन रेल लिंक के लिए अंतिम स्थान सर्वेक्षण को मंजूरी दे दी गई है।

18 किलोमीटर लंबी और लगभग 443 करोड़ रुपये की लागत वाली राजपुरा-मोहाली रेल लाइन को भी मंजूरी मिल गई है। यह परियोजना मोहाली और राजपुरा के बीच संपर्क को काफी बेहतर बनाएगी, दिल्ली की यात्रा को सुगम बनाएगी और मालवा क्षेत्र तथा चंडीगढ़ के बीच सीधा रेल संपर्क प्रदान करेगी।

फिरोजपुर-पट्टी रेल लिंक परियोजना (25.72 किलोमीटर, लगभग 764 करोड़ रुपये की लागत) को भी भारतीय रेलवे से पूर्ण निधि के साथ मंजूरी मिल गई है। भूमि अधिग्रहण में तेजी लाने के लिए, रेलवे ने तरनतारन के उपायुक्त के पास 138 करोड़ रुपये और फिरोजपुर के उपायुक्त के पास 56 करोड़ रुपये जमा किए हैं। पूरा होने पर, यह लाइन मालवा और माझा क्षेत्रों को जोड़ेगी, जिससे फिरोजपुर और अमृतसर के बीच यात्रा की दूरी काफी कम हो जाएगी।

कई वर्षों तक अटकी रहने के बाद, क़ादियान-ब्यास रेल लाइन परियोजना को आखिरकार फिर से शुरू कर दिया गया है, जिससे इस ऐतिहासिक 40 किलोमीटर लंबे मार्ग पर निर्माण कार्य पुनर्जीवित हो गया है। इस परियोजना से क्षेत्रीय उद्योग को बढ़ावा मिलने और कनेक्टिविटी में सुधार होने की उम्मीद है।

त्रिशहरी क्षेत्र में बढ़ते रेल यातायात को सुगम बनाने और प्रमुख मार्गों पर बेहतर संपर्क स्थापित करने के व्यापक आधुनिकीकरण प्रयासों के तहत चंडीगढ़-मोरिंडा-लुधियाना रेलवे ट्रैक के दोहरीकरण के लिए अंतिम स्थान सर्वेक्षण भी शुरू कर दिए गए हैं।

इसके अतिरिक्त, देश भर में चल रहे नेटवर्क सुदृढ़ीकरण के प्रयासों के तहत मुख्य लाइन पर संपर्क को मजबूत करने के लिए अंबाला और पठानकोट के बीच तीसरी रेलवे लाइन के लिए सर्वेक्षण शुरू किया गया है।

फिरोजपुर से दिल्ली को जोड़ने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस के शुभारंभ से मालवा क्षेत्र में रेल संपर्क को बड़ा बढ़ावा मिला है। यह एक्सप्रेस मालवा के प्रमुख शहरों में कई पड़ावों पर रुकेगी और बरनाला में एक नया पड़ाव जोड़ा गया है।

शहीद जोर मेले में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए, भारतीय रेलवे ने 25 से 27 दिसंबर, 2025 तक सरहिंद जंक्शन पर 12 ट्रेनों के लिए अस्थायी ठहराव की घोषणा की है।

ग्रामीण मंत्रालय ने मंत्रियों को दी वीबी-जी राम जी योजना की विस्तृत रिपोर्ट विपक्ष को जवाब देने की तैयारी

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। कांग्रेस द्वारा यूपीए सरकार के एमजीएनआरईजीए की जगह लागू की गई वीबी-जी राम जी योजना के खिलाफ विरोध प्रदर्शन शुरू करने की तैयारी के मद्देनजर, ग्रामीण विकास मंत्रालय ने नई योजना पर एक विस्तृत रिपोर्ट सभी केंद्रीय मंत्रियों को भेजी है, जिसका हवाला देकर वे जनसभाओं में विपक्ष का मुकाबला कर सकते हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक कैबिनेट बैठक में ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंत्रियों को वीबी-जी राम जी योजना की प्रमुख विशेषताओं और यह पिछली ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना से कैसे बेहतर है, इस बारे में जानकारी दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी मंत्रियों से नई योजना के प्रावधानों से पूरी तरह अवगत होने को कहा था। मंत्री नई योजना के तहत गारंटीकृत 125 दिनों के रोजगार में वृद्धि पर प्रकाश डालेंगे, जबकि पहले यह प्रावधान 100 दिनों का था। साथ ही, वे वेतन व्यय पर संकीर्ण जोर देने के बजाय टिकाऊ परिसंपत्तियों के निर्माण पर भी जोर देंगे। वे यह भी बताएंगे कि यह योजना किस प्रकार स्थानीय आजीविका के मजबूत अवसर पैदा करेगी, जिससे संकटग्रस्त पलायन को कम करने में मदद मिलेगी। विपक्ष के आरोपों का खंडन करने के लिए, मंत्रियों को सूचित किया गया है कि मानक वित्तपोषण के तहत, केंद्र सरकार पूर्वनिर्धारित मानदंडों के आधार पर राज्यों को धनराशि आवंटित करती है, जिससे पूर्वानुमान, राजकोषीय अनुशासन और बेहतर बजटीय योजना सुनिश्चित होती है। इसके विपरीत, मांग-आधारित मॉडल अक्सर अनिश्चित आवंटन और राजकोषीय असंतुलन का कारण बनते हैं। शिवराज सिंह चौहान ने कांग्रेस पर ग्रामीण रोजगार, ग्राम पंचायतों की शक्तियों और वीबी-जी-आरएएम जी अधिनियम के तहत श्रमिकों की सुरक्षा के बारे में गलत सूचना फैलाने का आरोप लगाया और उसके आरोपों को निराधार और भ्रामक बताया। जिस दिन कांग्रेस ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (एमजीएनआरईजीए) को निरस्त करने के खिलाफ देशव्यापी अभियान शुरू करने की घोषणा की, उसी दिन चौहान ने कहा कि मुख्य विपक्षी दल का विरोध राजनीतिक है और दावा किया कि सरकार ने मांग आधारित रोजगार को कमजोर नहीं किया है।

माघ मेला 2026 के दृष्टिगत होल्डिंग एरिया एवं यातायात व्यवस्था का निरीक्षण

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। माघ मेला 2026 के सफल, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित आयोजन को लेकर सोमवार को पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी राजेश कुमार एवं जिलाधिकारी कौशाम्बी अमित पाल द्वारा जनपद कौशाम्बी अंतर्गत विभिन्न चिन्हित होल्डिंग एरिया का संयुक्त रूप से निरीक्षण किया गया।

ज्ञात हो कि निरीक्षण के दौरान श्रद्धालुओं/कल्पवासियों की सुविधा, सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए पार्किंग व्यवस्था, प्रवेश-निकास मार्ग, बैरिकेडिंग, यातायात नियंत्रण, भीड़ प्रबंधन, प्रकाश व्यवस्था, पेयजल, शौचालय, साफ-सफाई, अस्थायी विश्राम स्थल एवं आपातकालीन सेवाओं की उपलब्धता का गहन अवलोकन किया गया।

पुलिस अधीक्षक द्वारा संबंधित पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि मेला अवधि के दौरान कानून व्यवस्था सुदृढ़ रखने, यातायात को सुचारू बनाए रखने एवं भीड़ नियंत्रण हेतु पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित की जाए। साथ ही संवेदनशील बिंदुओं पर विशेष सतर्कता, सीसीटीवी कैमरों की प्रभावी निगरानी एवं कंट्रोल रूम के माध्यम से सतत मॉनिटरिंग के निर्देश दिए गए।

पुलिस अधीक्षक द्वारा फरियादियों की समस्याओं के त्वरित निस्तारण हेतु ऑनलाइन संवाद की प्रभावी पहल

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। जनपद में फरियादियों की समस्याओं के त्वरित, प्रभावी एवं पारदर्शी निस्तारण को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी राजेश कुमार द्वारा एक अभिनव एवं सराहनीय पहल की जा रही है। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक कार्यालय कौशाम्बी में तथा जनपद के विभिन्न थानों पर उपस्थित फरियादियों की शिकायतों एवं समस्याओं के संबंध में पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा संबंधित क्षेत्राधिकारी एवं प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्षों से ऑनलाइन माध्यम से संवाद स्थापित किया जा रहा है।

ज्ञात हो कि इस ऑनलाइन संवाद के दौरान फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना जा रहा है तथा प्रत्येक प्रकरण का वस्तुनिष्ठ मूल्यांकन करते हुए संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध, निष्पक्ष एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए जा रहे हैं। पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा यह भी सुनिश्चित किया जा रहा है कि प्रत्येक शिकायत का निस्तारण नियमानुसार हो तथा फरियादी को अनावश्यक रूप से बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।

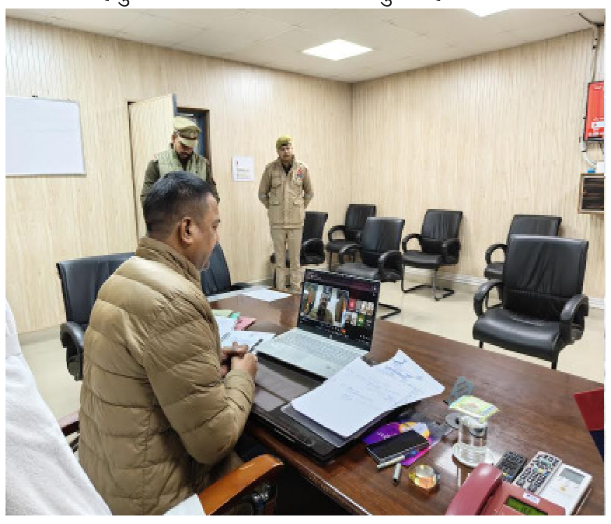

ऑनलाइन माध्यम से की जा रही इस कार्यवाही के फलस्वरूप फरियादियों को त्वरित सुनवाई, पारदर्शिता एवं सुलभ न्याय प्राप्त हो रहा है। साथ ही पुलिस-जनसंपर्क में मजबूती आने के साथ आमजन में पुलिस के प्रति विश्वास भी सुदृढ़ हो रहा है। यह पहल शासन की मंशा के अनुरूप जनसुनवाई को प्रभावी बनाने तथा पीड़ितों को शीघ्र न्याय दिलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध हो रही है।

जनपद कौशाम्बी पुलिस द्वारा भविष्य में भी इसी प्रकार जनहित में तकनीक का उपयोग करते हुए फरियादियों की समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी समाधान कराया जा रहा है।

डीएम व एसपी ने माघ मेला के दृष्टिगत होल्डिंग एरिया बनाए जाने के लिए विभिन्न स्थानों का किया भ्रमण

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल एवं पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार ने माघ मेला-2026 के दृष्टिगत होल्डिंग एरिया बनाए जाने के लिए बाबू सिंह इंटर कॉलेज सयारा, एम.वी.आर. डिग्री कॉलेज कसिया, सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर फ्रूट कोखराज, मेला बाग मैदान, चंद्रशेखर सिंह आयुर्वेद संस्थान कोईलहा एवं मखऊपुर मोड़ के पास खाली मैदान का भ्रमण कर वस्तुस्थिति का जायजा लिया।

ज्ञात हो कि जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों से कहा कि माघ मेला 2026 में भीड़ प्रबंधन के दृष्टिगत वाहनों की होल्डिंग एरिया बनाए जाने के लिए होल्डिंग एरिया में सभी आवश्यक तैयारियां समय से सुनिश्चित कर लिया जाय। श्रद्धालुओं के विश्राम के लिए आवश्यक व्यवस्था, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, अलाव व कम्बल आदि व्यवस्था सुनिश्चित कर लिया जाय। वाहनों के सुगमतापूर्वक आवागमन के दृष्टिगत यातायात की सुदृढ़ व्यवस्था सुनिश्चित की जाय। आवश्यकतानुसार साइनेज एवं बैरिकेडिंग समय से करा लिया जाय। उप जिलाधिकारी सिराथू योगेश कुमार गौड़, उप जिलाधिकारी चायल अरुण कुमार, क्षेत्राधिकारी चायल अभिषेक सिंह सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहें।

यूपी बोर्ड : परीक्षा के लिए 8033 सेंटर फाइनल

बोर्ड सचिव ने देर शाम जारी की सूची 52 लाख परीक्षार्थी होंगे शामिल

परिषद की वेबसाइट पर सार्वजनिक की गई परीक्षा केन्द्रों की सूची

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। उप्र माध्यमिक शिक्षा परिषद प्रयागराज (यूपी बोर्ड) ने वर्ष 2026 की हाईस्कूल व इंटरमीडिएट परीक्षाओं के लिए परीक्षा केंद्रों की फाइनल सूची अंतिम रूप से आज जारी कर दी है। परिषद की परीक्षा केंद्र निर्धारण समिति की बैठक 24 दिसंबर 2025 को आयोजित हुई थी, जिसमें समिति के अनुमोदन के बाद प्रदेश भर में कुल 8033 परीक्षा केंद्र निर्धारित किए गए हैं। प्रदेश के सभी 75 जनपदों में यह परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं।

परिषद के सचिव भगवती सिंह की ओर से यह स्पष्ट किया गया है कि सभी केंद्रों का चयन निर्धारित मानकों और नियमों के अनुरूप किया गया है। परीक्षा की पारदर्शिता और निष्पक्षता बनाए रखने के लिए केंद्रों की भौतिक सत्यापन प्रक्रिया पूरी की गई थी, जिसके बाद अंतिम सूची को स्वीकृति दी गई।

अंतिम रूप से निर्धारित परीक्षा केंद्रों की सूची परिषद की आधिकारिक वेबसाइट upmsp.edu.in पर अपलोड कर दी गई है। इसके साथ ही परिषद के एक्स हैंडल @upboardpryj और फेसबुक अकाउंट madhyamik shiksha parishad पर भी सूची सार्वजनिक की गई है। छात्र, अभिभावक और विद्यालय प्रबंधन इन माध्यमों से अपने-अपने परीक्षा केंद्रों की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

परिषद के सचिव भगवती सिंह ने बताया कि परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीवी निगरानी और अन्य आवश्यक सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जाएगा, ताकि नकलविहीन और शांतिपूर्ण परीक्षा कराई जा सके।

जिलाधिकारी ने ई.वी.एम. व वी.वी.पैट वेयर हाउस का किया त्रैमासिक निरीक्षण

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने सोमवार को राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में ई.वी.एम. एवं वी.वी.पैट वेयर हाउस का त्रैमासिक निरीक्षण किया।

ज्ञात हो कि जिलाधिकारी ने निरीक्षण के दौरान सुरक्षा से संबंधित आवश्यक जानकारी प्राप्त करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने सी.सी.टी.वी. कक्ष का निरीक्षण एवं लॉगबुक का अवलोकन किया। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी शालिनी प्रभाकर सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहें।

गरीबों, मजबूर के साथ जरूरतमंदों को ठंडक से बचने के लिए सांसद ने बांटे कंबल

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के मिठवल विकासखंड के ग्राम पंचायत दुभरा गांव में मुख्य अतिथि सांसद डुमरियागंज जगदम्बिका पाल ने कड़ाके की ठंड के बीच जरूरतमंदों को कम्बल वितरित किए। इस अवसर पर ग्रामीणों की भारी भीड़ उमड़ी और पूरा वातावरण सेवा, संवेदना और उत्साह से भर गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम प्रधान लालेन्द्र चौधरी ने की। उपजिलाधिकारी बांसी निखिल चक्रवर्ती, नायब तहसीलदार चन्द्र प्रकाश श्रीवास्तव, वरिष्ठ समाजसेवी व भाजपा नेता सचिदानंद पाण्डेय दूरसंचार विभाग के सलाहकार नियुक्त होने पर सांसद द्वारा सम्मानित, सहित अनेक गणमान्य नागरिक मंच पर मौजूद रहे।कार्यक्रम में प्रिंस शर्मा, अमरेंद्र पाल, राजेंद्र पांडे, राजेन्द्र त्रिपाठी, रामरक्षा विश्वकर्मा, उमेश पाण्डेय, रामकिंकर मिश्रा, अर्जुन चौधरी, रामकेश यादव, उपेंद्र प्रताप सिंह, मनीष श्रीवास्तव, रामकेश गौड़, रामबेलास गौतम, शिशिर शुक्ला, राजीव (प्रधान प्रतिनिधि), हेमन्त कुमार शुक्ला, दिनेश चौधरी, दिनेश यादव, सतीश, शिवचरन, लेखपाल अमित चौधरी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। सांसद जगदम्बिका पाल का भावनात्मक संबोधन कम्बल वितरण के दौरान सांसद जगदम्बिका पाल ने कहा 'सांसद का असली धर्म केवल संसद में बैठना नहीं, बल्कि गांव-गांव जाकर जनता की पीड़ा को समझना और उसे संसद के पटल पर उठाना है। आप लोगों की हर समस्या को मैं लोकसभा में उठाता हूं और उसके समाधान के लिए लगातार प्रयास करता हूं।

पुलिस द्वारा चौपाल लगाकर सरकार की सुरक्षात्मक योजनाओं के प्रति महिलाओं की किया जागरूक

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक महाजन द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओ की सुरक्षा में चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद के पर्यवेक्षण में क्षेत्राधिकारी बांसी रोहिनी यादव तथा थानाध्यक्ष अनूप कुमार मिश्र थाना खेसरहा के कुशल नेतृत्व में मिशन शक्ति के अन्तर्गत महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम के तहत थाना क्षेत्र के ग्राम बनकटा में जन चौपाल आयोजन किया गया जिसमें महिलाए व बलिकाए आदि लोग उपस्थित हुए जिन्हे महिला सम्बन्धित नये कानून व महिला सम्बन्धित अपराध, साइबर अपराध जागरूकता, नये कानून कार्यक्रम के तहत उपस्थित उपरोक्त महिला सशक्तिकरण सम्बन्धित बातों को बताते हुए मिशन शक्ति फेज 5.0 कार्यक्रम के अंतर्गत निम्न हेल्पलाइन नंबर, महिला से सम्बन्धित कानून व नए कानून के बारे मे जानकारी दी गई तथा वहां उपस्थित महिलाओं व बालिकाओं को उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रदत्त किये गये कल्याणकारी योजनाओं व विधियों के तहत जागरुक किया गया । महिला सम्बन्धी अपराध पर अंकुश लगाने हेतु जारी हेल्प लाइन 1090 वुमेन पावर लाइन, 181 महिला हेल्प लाइन, 1076 मुख्यमंत्री हेल्प लाइन, 112 पुलिस हेल्प लाइन, 1098 चाईल्ड केयर लाइन 108 एम्बुलेंस हेल्प लाइन, 101 अग्निशमन हेल्प लाइन, 14567 एल्डर हेल्पलाइन, व पुरुषों को एकत्रित करके साइबर अपराध के बारे व 1930 साइबर क्राइम हेल्प लाइन के सम्वन्ध में उ0नि0 ओकेश्वर नाथ राय, हे0का0 जालंधर प्रसाद, का0 ज्ञानेश्वर , म0पीआरडी माला देवी की टीम ने किया जागरूक।

सिद्धार्थनगर जिले का बड़े ही धूमधाम से मनाया गया स्थापना दिवस

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले का स्थापना दिवस 29 दिसम्बर 37वें वर्षगाठ के अवसर पर सुबह साड़ी तिराहा पर बुद्ध की प्रतिमा के चरणो पर मुख्य अतिथि सांसद डुमरियागंज जगदम्बिका पाल, जिलाध्यक्ष भाजपा कन्हैया पासवान, मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह द्वारा माल्यार्पण कर एवं पुष्प अर्पित किया गया तथा उनके साथ सहयोगी अधिकारियों द्वारा भी पुष्प अर्पित किया गया। इसी क्रम में सिद्धार्थ चौराहे, बर्डपुर स्थित तिराहे पर भगवान बुद्ध की प्रतिमा के चरणो में पुष्प अर्पित किया गया।

इसके पश्चात अलीगढ़वा स्थित कपिलवस्तु स्तूप पर मुख्य अतिथि सांसद डुमरियागंज जगदम्बिका पाल, विधायक इटवा/नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पाण्डेय, जिलाध्यक्ष भाजपा कन्हैया पासवान, जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन द्वारा द्वीप प्रज्ज्वलित कर एवं भगवान की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर स्तूप का पूजन किया गया तथा स्तूप की परिक्रमा किया गया। जिलाधिकारी द्वारा सांसद डुमरियागंज जगदम्बिका पाल एवं मा0 विधायक इटवा/नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पाण्डेय को पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया गया। मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह द्वारा नगर पालिका सिद्धार्थनगर अध्यक्ष गोविन्द माधव को पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया गया। कपिलवस्तु स्तूप पूजन के पश्चात शिवपति इन्टर कालेज की छात्राओ द्वारा स्वागत गीत तथा कपिलवस्तु गीत प्रस्तुत किया गया।

इसके पश्चात मुख्य अतिथि सांसद डुमरियागंज जगदम्बिका पाल ने भन्तेगणो के चरणो में प्रणाम करते हुए सभी उपस्थित लोगो को जनपद स्थापना दिवस की बधाई दी। सांसद ने उपस्थित लोगो को सम्बोधित करते हुए कहा कि तथागत गौतम बुद्ध के बचपन का नाम सिद्धार्थ था। इसी नाम से इस जनपद का नाम सिद्धार्थनगर पड़ा। आज जनपद स्थापना के 37 वर्ष हो गये है। महात्मा गौतम बुद्ध का बाल्यकाल का जीवन कपिलवस्तु में व्यतीत हुआ था। गौतम बुद्ध ने पूरे विश्व को अंहिसा, करूणा और दया का पाठ पढ़ाया। हम जब भी जनपद का स्थापना दिवस मनाते है इस जनपद का सृजन 29 दिसम्बर 1988 को बस्ती से कटकर बना है।

उस समय मैं बस्ती मे विधायक था। आज जनपद सिद्धार्थनगर की पहचान गौतम बुद्ध की धरती से है। हम उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित करते है। कपिलवस्तु में लाइट एण्ड साउण्ड शो के लिए धनराशि आवंटित हो गई जो जिसका कार्य

चल रहा है।

आने वाले समय में इसका लाभ सभी को मिलेगा। विपाशना केन्द्र का निर्माण कार्य भी चल रहा है। कपिलवस्तु के विकास के लिए 55 एकड़ भूमि उ0प्र0 सरकार द्वारा अधिग्रहीत किया गया है। बुद्ध सर्किट के विकास के लिए 250 करोड़ की धनराशि स्वीकृत हुआ है। गौतम बुद्ध का अस्थि कलस दिल्ली से लाकर कपिलवस्तु म्यूजियम में रखने के लिए प्रयास किया जा रहा है। इसके साथ ही जनरल पे0पे0 द्वारा खुदाई के समय स्तूप के अन्दर से निकले अवशेष को भी लाने का प्रयास चल रहा है। भन्तेगणों के ठहरने हेतु कम्युनिटी सेन्टर बनाया जायेगा। मुझे सांसद के रूप में काम करने का अवसर मिला। हमारी पहचान इस धरती से है। इससे महत्वपूर्ण पर्व नही हो सकता है। सांसद ने उपस्थित सभी लोगो को जनपद स्थापना की पुनः बधाई दी।

विधायक इटवा/नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पाण्डेय ने उपस्थित सभी लोगो को जनपद स्थापना दिवस की बधाई और शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि हमारे लिए गर्व की बात है कि राजकुमार सिद्धार्थ ने दुनिया को नई व्यवस्था में लाने के लिए सन्यास लिया। मै बहुत से बौद्ध देशो में गया। गौतम बुद्ध ने सत्य, अंहिसा और करूणा सन्देश दिया है। बुद्ध धर्म का सन्देश देने वाले हमारी इसी धरती से गये। आज सब लोग जानते है कि बुद्ध यही के थे। करूणा, अंहिसा और शान्ति का सन्देश देकर दुनिया में शान्ति स्थापित करने में सहायक है।

जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने जनपद स्थापना के 37वां वर्षगाठ के अवसर पर उपस्थित सभी जनप्रतिनिधिगणों, अधिकारीगण, मीडिया बन्धु और भन्तेगणो का स्वागत करते हुए जनपद स्थापना दिवस की बधाई दी। जिलाधिकारी ने कहा कि शासन के निर्देशानुसार जनपद में बहुत से विकास के कार्य हुए है। स्तूप की यह रोड 4 लेन किया जायेगा। पर्यटन विभाग से बहुत से कार्य हो रहे है। यहां पर विपाशना केन्द्र एवं लाइट एण्ड साउण्ड शो का कार्य चल रहा है। हमारा यह प्रयास होगा कि शीघ्र ही यह सभी जनता के लिए शुरू हो। आज जनपद का काला नमक चावल पूरे देश में प्रसिद्ध है। सभी क्षेत्रों में विकास के लिए काम हो रहा है। सभी लोगो को पुनः जनपद स्थापना दिवस की बधाई दिया।

इस अवसर पर जिला प्रशासन द्वारा भन्तेगणो को कम्बल वितरण मुख्य अतिथि सांसद डुमरियागंज जगदम्बिका पाल, विधायक इटवा/नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पाण्डेय जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन तथा सहयोगी अधिकारियों द्वारा कम्बल का वितरण कराया गया। पीडी नागेन्द्र मोहन राम त्रिपाठी द्वारा सभी मा0 जनप्रतिनिधियों, अधिकारियो, कर्मचारियों, मीडिया प्रतिनिधियों तथा दूर-दराज से आयी जनता का आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम का संचालन नीतेश पाण्डेय द्वारा किया गया।

इस अवसर पर उपरोक्त के अतिरिक्त सांसद डुमरियागंज प्रतिनिधि एस0पी0अग्रवाल, मुमताज अहमद, अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) गौरव श्रीवास्तव, वरिष्ठ कोषाधिकारी रमेन्द्र कुमार मौर्य, उपजिलाधिकारी नौगढ़ कल्याण सिंह मौर्य, पी.डी0 नागेन्द्र मोहन राम त्रिपाठी, जिला विद्यालय निरीक्षक अरूण कुमार, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शैलेष कुमार, खण्ड विकास अधिकारी बर्डपुर , अधिशासी अधिकारी नगर पालिका पिरषद सिद्धार्थनगर अजय कुमार सिंह, अधिशासी अधिकारी न0प0 कपिलवस्तु नवीन कुमार सिंह तथा अन्य जनप्रतिनिधिगण, समस्त जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

जिला स्तरीय विकास कार्य अनुश्रवण समिति की बैठक संपन्न जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों ने मिलकर जनपद के चौमुखी विकास का खींचा खाका

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही।जिला स्तरीय विकास कार्य अनुश्रवण समिति की बैठक विधायक औराई दीनानाथ भास्कर की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष अनिरुद्ध त्रिपाठी, विधायक ज्ञानपुर विपुल दूबे, एमएलसी प्रतिनिधि संजय सिंह, छेदीलाल यादव, मुख्य विकास अधिकारी बाल गोविंद शुक्ल, अपर जिलाधिकारी कुंवर वीरेंद्र मौर्य सहित अन्य जनप्रतिनिधि व अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान मनरेगा के संशोधित स्वरूप 'विकसित भारत गारंटी रोजगार एवं आजीविका मिशन ग्रामीण विषयक जागरूकता पोस्टर का विमोचन किया गया। जनप्रतिनिधियों को नियमों में किए गए बदलावों की विस्तृत जानकारी दी गई।

बैठक में मनरेगा की भौतिक व वित्तीय प्रगति, प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत स्वयं सहायता समूह गठन, रिवॉल्विंग फंड, सामुदायिक निवेश निधि, बैंक क्रेडिट लिंकेज तथा बाबा साहेब आंबेडकर रोजगार प्रोत्साहन योजना की प्रगति पर गहन विचार-विमर्श किया गया। सदस्यों ने अपने-अपने क्षेत्रों की समस्याएं एवं आवश्यकताएं रखीं।

विधायक औराई दीनानाथ भास्कर ने बताया कि 8 अगस्त 2025 को हुई पहली बैठक में प्राप्त 45 कार्यों में से 25 का निस्तारण कर उन्हें कार्यवृत्ति से निक्षेपित किया जा चुका है। शेष एवं नवीन प्रकरणों को समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से निस्तारित करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए।

विधायक ज्ञानपुर विपुल दूबे ने वित्तीय वर्ष 2023-24-25 में बने शवदाह गृहों की विधानसभावार अद्यतन सूची उपलब्ध कराने, विद्युत विभाग को ट्रांसफार्मर, क्षमता वृद्धि, फीडर सेपरेशन व लंबित कार्यों की सूची देने तथा लोक निर्माण विभाग को विशेष मरम्मत, नवीनीकरण एवं टेंडर की स्थिति से अवगत कराने के निर्देश दिए। नेशनल हाईवे पर अवैध कट बंद होने से पेट्रोल पंप संचालकों व राइस मिलरों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए विधायक औराई ने जिला प्रशासन को संबंधित संगठनों के साथ शीघ्र बैठक कर समाधान निकालने के निर्देश दिए।

बैठक में सड़क मरम्मतीकरण, आवास योजनाओं में पात्रों का चयन, अमृत सरोवरों की साफ-सफाई, जल जीवन मिशन में पाइपलाइन बिछाने के बाद सड़कों की मरम्मत, सामुदायिक शौचालयों की निगरानी, हेड टैंकों की स्थिति, घर-घर जल आपूर्ति एवं सड़कों को गड्ढा-मुक्त बनाने जैसे मुद्दों पर अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

मुख्य विकास अधिकारी बाल गोविंद शुक्ल ने सभी विभागों को प्राप्त शिकायतों का शीघ्र निस्तारण कर आख्या प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। सीडीओ एवं अपर जिलाधिकारी ने आश्वस्त किया कि जनप्रतिनिधियों द्वारा उठाए गए सभी मामलों का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाएगा।

बैठक में विकसित भारत (गारंटी) रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत 125 दिन रोजगार की गारंटी, समय पर मजदूरी भुगतान, देरी पर मुआवजा, बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण, मोबाइल आधारित निगरानी, रियल-टाइम डैशबोर्ड, एआई आधारित विश्लेषण, ग्राम पंचायत योजना एवं विकसित भारत पंचायत योजना से योजनाओं के समन्वय जैसी नई व्यवस्थाओं की जानकारी दी गई।

बैठक में अभोली ब्लॉक प्रमुख प्रियंका बिंद, डीघ त्रिस्तरीय समिति अध्यक्ष मनोज मिश्रा, नगर पंचायत अध्यक्ष घनश्यामदास गुप्ता, जिला पंचायत सदस्य, समस्त ब्लॉक प्रमुख एवं अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

कड़ाके की ठंड से बचने के लिए पुलिस ने द ग्राम प्रहरीगण को वितरित किया कम्बल

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले में कड़ाके की ठंड को देखते हुए पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक महाजन के आदेश पर एवं प्रशान्त कुमार प्रसाद, अपर पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर व विश्वजीत सौरयान (घ्इए), क्षेत्राधिकारी सदर, द्वारा संतोष कुमार तिवारी प्रभारी निरीक्षक थाना कपिलवस्तु के साथ थाना स्थानीय पर ग्राम प्रहरीगणों को कम्बल वितरित किया गया एंव सराहनीय

कार्य करने वाले ग्राम प्रहरीगण राजकुमार पाण्डेय ग्राम प्रहरी सिहोरवा बुजुर्ग व मुनिराम गौड़ ग्राम प्रहरी महुअवा शेख के साथ इलियास ग्राम प्रहरी कलवारी को क्षेत्राधिकारी सदर विश्वजीत सौरयान (घ्इए) द्वारा नगद धनराशि देकर पुरुस्कृत किया गया।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे (प्रखर कुमार श्रीवास्तव) पुत्र का नाम जन्म प्रमाण पत्र में प्रत्यांश श्रीवास्तव दर्ज था, जिसे अब परिवर्तित कर प्रकर्ष कुमार श्रीवास्तव किया जा रहा है।

यह नाम परिवर्तन विधिवत शपथ-पत्र (Affidavit) के माध्यम से किया जा रहा है। भविष्य में मेरे पुत्र को नए नाम प्रकर्ष कुमार श्रीवास्तव से ही जाना जाए।

पूर्व नाम : प्रत्यांश श्रीवास्तव
नया नाम : प्रकर्ष कुमार श्रीवास्तव
पिता का नाम : प्रखर कुमार श्रीवास्तव
माता का नाम : हिमांशी श्रीवास्तव
पता : 66, पुराना फाफामऊ, प्रयागराज

'मिशन शक्ति 5.0' अभियान : महिलाओं एवं बालिकाओं को किया गया जागरूक

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट प्रयागराज व अपर पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट प्रयागराज महोदय के निर्देशन तथा पुलिस उपायुक्त यमुनानगर के कुशल पर्यवेक्षण में उत्तर प्रदेश शासन द्वारा नारी सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन हेतु चलाये जा रहे अभियान 'मिशन शक्ति 5.0' के तहत जोन यमुनानगर के समस्त थानों की मिशन शक्ति / एंटी रोमियो टीम द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्र अंतर्गत बालिकाओं व महिलाओं को महिला सुरक्षा व महिला सशक्तिकरण तथा केंद्र सरकार व राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाएं जैसे- सुकन्या समृद्धि योजना, वृद्धा पेंशन योजना, विधवा पेंशन योजना, उज्ज्वला योजना, सामूहिक विवाह योजना, चिकित्सा संबंधी आयुष्मान योजना व हेल्पलाइन नंबर जैसे- वूमेन पावर हेल्पलाइन नंबर 1090, महिला हेल्पलाइन नंबर 181, चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नंबर 1076, पुलिस हेल्पलाइन नंबर 112, फायर ब्रिगेड हेल्पलाइन नंबर 101 आदि के बारे में जानकारी दी गई इसके साथ ही साइबर फ्रॉड के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 के बारे में जागरूक किया गया।

घूरपुर पुलिस द्वारा हत्या का प्रयास करने का अभियुक्त गिरफ्तार

कब्जे से घटना में प्रयुक्त 01 लकड़ी का बैट बरामद

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। थाना घूरपुर पुलिस टीम द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0 465/2025 धारा 109/352/351(2) बीएनएस के 01 नामित अभियुक्त हिमांशु सिंह पुत्र मुल्कराज सिंह निवासी ग्राम कैनुआ थाना घूरपुर जनपद प्रयागराज को कंजासा मोड़ थाना क्षेत्र घूरपुर से गिरफ्तार किया गया तथा कब्जे से घटना में प्रयुक्त 01 लकड़ी का बैट बरामद किया गया । नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है ।

वादी राजेश प्रताप सिंह पुत्र लखपत सिंह निवासी ग्राम कैनुआ थाना घूरपुर जनपद प्रयागराज द्वारा थाना स्थानीय पर दी गई तहरीर बावत विपक्षीगण द्वारा किक्रेट में चन्दा नही देने को लेकर वादी के भतीजे को भद्दी-भद्दी गाली देते हुए जान से मारने की धमकी देना व आरोपी हिमांशु सिंह पुत्र मुल्कराज सिंह निवासी ग्राम कैनुआ थाना घूरपुर जनपद प्रयागराज द्वारा वादी के भतीजे को जान से मारने की नियत से बैट से सर पर मारकर घायल कर देने के संबंध में थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 465/2025 धारा 109/352/351(2) बीएनएस पंजीकृत किया गया । थाना स्थानीय पुलिस टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए अभियुक्त हिमांशु सिंह उपरोक्त को घटना में प्रयुक्त 01 लकड़ी के बैट के साथ थाना क्षेत्र घूरपुर से गिरफ्तार किया गया ।

गिरफ्तार अभियुक्त हिमांशु सिंह उपरोक्त ने पूछताछ पर बताया कि 27.12.2025 को घर के पास मैदान में क्रिकेट मैच हो रहा था, विपक्षी टीम के खिलाड़ी/वादी के भतीजे द्वारा मुझ पर अभद्र हूटिंग की जा रही थी । खेल के दौरान गेंद काफी खराब हो गयी थी, दूसरी नई गेंद मैं लाया था जिसमे वादी के भतीजे ने पैसा नही दिया था । इसी बात को लेकर विवाद हुआ, जिससे मैंने क्रोधित होकर अपने बैट से उसके सर पर वार कर दिया था, जिससे उसके सर में चोट लग गयी थी ।

श्रीरामार्चा पूजन में शामिल हुए संत-महात्मा, लिया भण्डारे का प्रसाद

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। माघ मेला के महावीर मार्ग पर महामण्डलेश्वर स्वामी रामदास टाटाम्बरी महराज के शिविर में आज श्रीरामार्चा पूजन और विशाल भण्डारा हुआ जिसमें खाक चौक व्यवस्था समिति के संत, महात्मा और बडी संख्या में शिष्य शामिल होकर प्रसाद ग्रहण किया। शिविर के व्यवस्थापक महामण्डलेश्वर स्वामी ध्रुवदास महराज ने बताया कि शिविर में श्रीरामार्चा पूजन आज सुबह सात बजे से शुरू हो गया था जिसमे सभी संत, महात्मा और बडी संख्या मे शिष्य शामिल हुए। उन्होंने बताया कि इस पूजन मे भगवान श्रीराम, माता जानकी सहित उनके पूरे परिवार, दरबार के देवताओं का पुष्प से पूजन, अर्चन होता है इससे सभी को अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है। दोपहर बाद से विशाल भण्डारा शुरू हुआ जो देर रात तक चलता रहा। भण्डारे का प्रसाद ग्रहण करने में महामण्डलेश्वर स्वामी रामतीर्थ दास महराज, महामण्डलेश्वर स्वामी रामसंतोष दास महराज, स्वामी दामोदर दास, स्वामी वैष्णव दास, रामायणीकुटी, जगदगुरु रामसुभग दास बिनैका बाबा, महामण्डलेश्वर स्वामी गोपालदास महराज खाक चौक के सभी संत, महात्मा और बडी संख्या मे शिष्य परिवार सहित शामिल होकर प्रसाद ग्रहण किया।

श्रीराम कथा का समापन पर भंडारा आज

पति-पत्नी का झगड़ा से बनता है कोपभवन - प्रपन्नाचार्य

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। पति-पत्नी में घर झगड़ा होता है तो कोपभवन अपने आप बन जाता है, बनाने की जरूरत नहीं होती है जब महिला अपने बाल खोल कर और बिना मांग भर रहती है घर में अशांति रहती है, किसी बात को लेकर यदि घर में विवाद हो जाय तो पति-पत्नी में बोल चाल बंद नहीं करना चाहिए, यदि बोलचाल बन्द होने पर पड़ोसी मंथरा बन कर बहुत नुक्सान कर सकती है। यह बात सोमवार को आठवें दिन श्रीराम कथा में प्रपन्नाचार्य ने कही।

वे कालिंदी पुरम में नर्मदेश्वर महादेव मंदिर परिसर में चल रही कथा में कैक ई मंथरा प्रसंग को बहुत अच्छे ढंग से रखा। उन्होंने कहा कि कोपभवन में कैकेई ने दशरथ से भरत को राजगद्दी देने का वरदान मांगा और राम को 14 साल का बनबास मांगा, वंश को बचाने के लिए दशरथ ने कैकेई का चरण पकड़ लिए, तब भी वह उनकी बात नहीं मानी। मंगलवार को नवें दिन श्रीराम कथा के समापन पर भंडारा आयोजित किया गया है जो शाम 5 बजे से शुरू होगा । कथा में इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश न्यायमूर्ति विपिन चन्द्र दीक्षित, हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राकेश कुमार पाण्डेय, मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्राचार्य एस पी सिंह, श्रीनाथ द्विवेदी, रितेश सिंह, आत्मदेव मिश्रा, अमरजीत सिंह मुन्ना, बैजंत मिश्रा, सत्येन्द्र तिवारी, अंकित गौड़, संतोष पाण्डेय, संजय चौरसिया, मनोज कुमार गुप्ता, संजय श्रीवास्तव, रागिनी श्रीवास्तव, घनश्याम गुप्ता, नवनीत श्रीवास्तव, पवन श्रीवास्तव, सीपी मिश्र निर्भय श्रीवास्तव, घनश्याम सिंह, सुशील पांडेय, आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

घंटों जाम से हलाकान रहे शहरी

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। माघ मेला की तैयारी के मद्देनजर पुलिस ने सोमवार को रूट डायवर्जन का पूर्वाभ्यास किया। अलोपीबाग चुंगी व बांगड़ धर्मशाला चौराहा समेत अन्य प्रमुख स्थानों पर अचानक बैरिकेड्स लगाने से जाम की स्थिति उत्पन्न हो गई। देखते ही देखते प्रमुख मार्गों पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। जाम में फंसने से नाराज लोगों की ड्यूटी पर तैनात पुलिस कर्मियों से हल्की नोकझोंक भी हुई। लोगों ने कहा कि महाकुम्भ के दौरान भी पुलिस के दावे फेल हो गए थे। मेला के दौरान रोजाना भीषण जाम का सामना करना पड़ता था। अब माघ मेला के पूर्वाभ्यास के दौरान भी समस्या झेलनी पड़ी।

इधर, वाहनों के बढ़ते दबाव व जाम को देखते हुए पूर्वाभ्यास को आनन-फानन में खत्म कर आवागमन बहाल किया गया।

माघ मेला से पहले अचानक संगम क्षेत्र पहुंचे डिप्टी सीएम केशव, अफसरों में मच गया हड़कंप

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। सोमवार देर शाम डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य अचानक माघ मेले की तैयारियों का निरीक्षण करने संगम क्षेत्र पहुंच गए। डिप्टी सीएम के मेला क्षेत्र में पहुंचने से अधिकारियों में हड़कंप मच गया। वह सबसे पहले संगम नोज पर पहुंचे और गंगाजल से आचमन किया। पूजा-अर्चना कर माघ मेले के सकुशल और निर्विघ्न संपन्न होने की कामना की। उन्होंने कहा कि माघ मेला को मिनी कुम्भ के रूप में मनाने के लिए सभी जरूरी कदम उठाने के निर्देश सरकार ने दिए हैं। जो कमियां है उसे निर्धारित समय में पूरा करने और तीन जनवरी से मेला प्रारंभ होने तक कोई काम बकाया न रहने के निर्देश दिए हैं।

डिप्टी सीएम ने कहा कि मुझे पूरा विश्वास है कि हम माघ मेले को मिनी कुम्भ मेले के रूप में मनाएंगे। सभी तीर्थयात्रियों से अपील की कि सिर्फ गंगा मइया में डुबकी लगाकर न जाएं बल्कि एक महीने का कल्पवास करें। कल्पवास नहीं कर सकते तो दो-चार या पांच दिन का अल्पवास करके मेले का आध्यात्मिक और अलौकिक आनंद लें।

जमीन आवंटन को लेकर संतों की नाराजगी पर कहा कि सभी अफसरों को निर्देश दिए है जमीन आवंटन समेत जो भी काम है अभियान चलाकर पूरा करें। कहा कि मेले में चाक चौबंद इंतजाम किए जा रहे हैं और यहां आने वाले साधु-संतों, कल्पवासियों और श्रद्धालुओं को कोई परेशानी नहीं होगी। अविरल और निर्मल गंगा जल मिले इसके लिए भी सिंचाई विभाग की ओर से गंगा में पर्याप्त जल की उपलब्धता पूरे मेले के दौरान बनी रहेगी। डिप्टी सीएम ने कहा कि 2014 में केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार बनने के बाद लगातार गंगा अविरल और निर्मल हुई है। प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने के बाद हर माघ मेला, कुंभ और महाकुंभ मेला दिव्य और भव्य हो रहा है।

किन्नर अखाड़ा का माघ मेला में शिविर के लिए भूमि पूजन आज

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। किन्नर अखाड़ा का माघ मेला में शिविर के लिए भूमि पूजन मंगलवार को दोपहर 12 बजे सेक्टर छह संगम लोवर - ओल्ड जीटी रोड चौराहे पर होगा। भूमि पूजन किन्नर अखाडा प्रयागराज की महामण्डलेश्वर स्वामी कल्याणीनंद गिरि (छोटी मा) महराज बडी संख्या में शिष्य और श्रद्धालुओं के साथ करेगी।किन्नर अखाडा प्रयागराज की महामण्डलेश्वर स्वामी कल्याणीनंद गिरि (छोटी मा) ने बताया कि शिविर में कथा, प्रवचन, पूजन, हवन, भण्डारा और सांस्कृतिक कार्यक्रम होगा। उन्होंने बताया कि किन्नर अखाडा के आचार्य महामण्डलेश्वर प्रो (डा) लक्ष्मीनारायण त्रिपाठी महराज और यामाई श्रीश्री 1008 महामण्डलेश्वर ममतानंद गिरि का आगमन पांच जनवरी को माघ मेला मे लगे शिविर मे होगा जो शिविर में माघी पूर्णिमा तक रहेगी। किन्नर अखाडा प्रयागराज की महामण्डलेश्वर स्वामी कल्याणीनंद गिरि (छोटी मा) ने बताया कि किन्नर अखाडा से सनातन धर्म को मजबूती मिल रही है और सनातन धर्म का प्रचार - प्रसार हो रहा है और बडी संख्या मे लोग सनातन धर्म से जुड रहे है। उन्होंने कहा कि माघ मास के दौरान बडी संख्या मे किन्नर संत, महात्मा, शिष्य और श्रद्धालु माघ मेला में लगे शिविर में माहभर रहकर कल्पवास करेगे। शिविर व्यवस्थापक किन्नर अखाडा के संरक्षक / महंत दुर्गादास महराज है।

जनवरी में होगा वीएमसी का नेशनल एडमिशन टेस्ट

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। विद्यामंदिर क्लासेज (वीएमसी) देश का जाना-माना कोचिंग संस्थान है जो जेईई (मेन व एडवांस), नीट जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में विशिष्टता रखता है. वीएमसी अपने फ्लैगशिप टेस्ट यानी एनएटी के लिए तैयार है जिसके जरिए छात्र एडमिशन और स्कॉलरशिप पा सकेंगे. ये टेस्ट 4, 11, 18, 25 जनवरी को होगा जिसके जरिए देशभर के अच्छे छात्रों को प्रोत्साहित किया जाएगा और उनकी परफॉर्मेंस के लिए रिवॉर्ड भी दिया जाएगा. यह स्कॉलरशिप कम एडमिशन टेस्ट छात्रों को प्रोत्साहित करने और उन्हें शैक्षिक सफलता की ओर प्रेरित करने के लिए आयोजित किया जाएगा।

यह परीक्षा उन छात्रों के लिए है जो कक्षा 6वीं, 7वीं, 8वीं, 9वीं, 10वीं, 11वीं और 12वीं में जा रहे हैं। उन्हें विद्यामंदिर क्लासेज के विभिन्न प्रोग्राम्स में दाखिले और 100इ तक की स्कॉलरशिप पाने का अवसर मिलेगा। इस टेस्ट के माध्यम से छात्र जेईई और नीट जैसी परीक्षाओं की तैयारी में भी

बढ़त हासिल करेंगे। इसके तहत वीएमसी संस्थापकों और विशेषज्ञों द्वारा मेंटॉरशिप / मोटिवेशनल सेशंस, निःशुल्क डाउट रिज़ॉल्यूशन, निकटतम वीएमसी केंद्र पर अकादमिक सहायता, अच्छी तरह से शोधित और वैज्ञानिक आधार पर तैयार किया गया ई-स्टडी मैटेरियल और असीमित मॉक टेस्ट का लाभ भी दिया जाएगा।

वीएमसी पूरे देश में नेशनल एडमिशन टेस्ट का आयोजन अपने प्रतिष्ठित क्लासरूम और ऑनलाइन प्रोग्राम्स के लिए छात्रों का चयन करने हेतु करता है। इन प्रोग्राम्स को जेईई और नीट के साथ-साथ ओलंपियाड्स और बोर्ड्स जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए विशेष रूप से डिजाइन किया गया है।

विद्यामंदिर क्लासेज के सह-संस्थापक श्री बृज मोहन ने कहा 'विभिन्न चरणों में छात्रों की जरूरतों को समझना वीएमसी की शिक्षण पद्धति की प्रेरणा रहा है। यही कारण है कि हमारे छात्र राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हैं। वीएमसी में कक्षाओं का नेतृत्व संस्थापकों और अत्यधिक अनुभवी फैकल्टी सदस्यों द्वारा किया जाता है, जो जेईई और नीट जैसी प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं के लिए छात्रों को तैयार करते हैं।'

विद्यामंदिर क्लासेज का मुख्य उद्देश्य वैज्ञानिक और तकनीकी ज्ञान की एक ठोस नींव तैयार करना और योग्य और प्रेरित इंजीनियरों और डॉक्टरों को तैयार करना है। जेईई और नीट जैसी परीक्षाओं के लिए तैयारी करने वाले छात्रों को, जो देश के शीर्ष इंजीनियरिंग और मेडिकल कॉलेजों में अध्ययन करना चाहते हैं, इस परीक्षा को जरूर देना चाहिए।

प्रधानाध्यापकों एवं ग्राम प्रधानों की एकदिवसीय कार्यशाला संपन्न

शिक्षा के विकास में जन सहयोग की महत्वपूर्ण भूमिका : विधायक गुरु प्रसाद मौर्य

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। विकास खण्ड कौड़िहार क्षेत्र के ग्राम प्रधान, सभासद एवं प्रधानाध्यापकों की उन्मुखीकरण कार्यशाला ब्लॉक संसाधन केंद्र कौड़िहार नवाबगंज में संपन्न हुई। अध्यापकों एवं ग्राम प्रधानों को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि विधायक फाफामऊ गुरु प्रसाद मौर्य ने उपरोक्त बातें कहीं। कार्यक्रम में प्रधानाध्यापकों के साथ ग्रामप्रधानों को मिलाकर 88 लोग मौजूद रहे।

इस कार्यक्रम में विकासखंड के 6 शिक्षकों सहित एक शिक्षामित्र एवं एक अनुदेशक को सम्मानित किया गया। जिसमें नीलू सिंह, कंचन सिंह, दुर्गेश केसरवानी, सुमन, धीरेंद्र श्रीवास्तव, प्रीति सिंह, मोहम्मद नफीस व रघुवंश मणि त्रिपाठी रहे।

ऑपरेशन कायाकल्प में अच्छा कार्य कर रहे ग्राम प्रधानों एवं ग्राम पंचायत अधिकारियों को भी सम्मानित किया गया। जिसमें प्रमुख रूप से जयप्रकाश मौर्य, केशबहादुर मौर्य, शमशेर बहादुर एवं रामनारायण आदि रहे।

कार्यक्रम में योगदान के लिए खंड शिक्षा अधिकारी क्षमाशंकर पांडेय ने कार्यक्रम में प्रतिभाग करने वाले मुख्य अतिथि विधायक फाफामऊ, खंड विकास अधिकारी मनोज कुमार, ग्राम प्रधानों, रंगोली टीम, एआरपी एकेडमिक टीम, बीआरसी टीम व प्राथमिक शिक्षक संघ को भी धन्यवाद ज्ञापित किया।

परमार्थ निकेतन में वेदान्त कोर्स का शुभारम्भ

वेदान्त केवल दर्शन या बौद्धिक विषय नहीं है, अपितु यह जीवन जीने की कला : स्वामी चिदानन्द सरस्वती

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज/ऋषिकेश। हिमालय की गोद में, माँ गंगा के पावन तट पर स्थित परमार्थ निकेतन के दिव्य और शांत वातावरण में वेदान्त कोर्स का शुभारम्भ आध्यात्मिक ऊर्जा के साथ सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर विश्व के अनेक देशों से आये योग साधक, साधिकाएँ और आध्यात्मिक जिज्ञासु वेदान्त के गूढ़ सिद्धान्तों को आत्मसात करने हेतु एकत्रित हुए।

पूज्य स्वामी चिदानन्द सरस्वती ने अपने आशीर्वचनों में कहा कि वेदान्त केवल दर्शन या बौद्धिक विषय नहीं है, अपितु यह जीवन जीने की कला है। वेदान्त हमें यह स्मरण कराता है कि हम केवल शरीर या मन नहीं हैं, बल्कि अनन्त, शाश्वत और दिव्य आत्मा हैं। जब मनुष्य इस सत्य को जान लेता है, तब भय, तनाव और अशान्ति स्वतः समाप्त हो जाते हैं।

परमार्थ निकेतन का यह वेदान्त कोर्स न केवल बौद्धिक ज्ञान प्रदान करता है, बल्कि साधकों को आत्मिक रूप से सशक्त बनाकर उन्हें संतुलित, जागरूक और संवेदनशील जीवन जीने की प्रेरणा देता है। माँ गंगा की निर्मल धारा, हिमालय की शान्त उपस्थिति और गुरुओं का सान्निध्य इस कोर्स को और भी दिव्य बना देता है।

सभी साधकों ने इस पावन अवसर के लिए परमार्थ निकेतन और पूज्य स्वामी के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की तथा संकल्प लिया कि वे वेदान्त के सुन्दर संदेश को अपने जीवन में उतारकर विश्व के कोने-कोने तक पहुँचाएँगे।

भागवत कथा सुनने से जीवन मरन मुक्ति संभव-जन्मेजय

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। नर्वदेश्वर महादेव मंदिर परिसर में श्रीमद्भागवत कथा के पांचवें दिन कथावाचक जन्मेजय कृष्ण ने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा जो प्रेम से सुनते हैं उनको जीवन मरन और आवागमन से मुक्ति मिल जाती है। श्रीकृष्ण का जन्म कारागार में हुआ तो देवताओं ने स्तुति की। वासुदेव ने जैसे ही कृष्ण भगवान को टोकरी में लेटाकर सिर पर रखा, उनकी हथकड़ियां और बेड़ियां अपने आप खुल गई, पहरेदार सो गये, यमुना नदी में आगे बढ़ते ही पानी का जलस्तर बढ़ने लगा, श्रीकृष्ण ने अपना पैर नीचे किया और जलस्तर नीचे चला गया वे आसानी ने नदी पार कर नंद गांव पहुंच गए, कंस ने अपने गुप्तचरों को लगाया और पूतना राक्षसी को सक्रिय किया ताकि श्रीकृष्ण को खोज कर मारा जा सके। कंस की बेचैनी बढ़ गई। आज श्रीकृष्ण को छप्पन भोग लगाया गया। कथा में, सतेन्द्र सिंह, पुण्यशील पाण्डेय, टिंकू राय, , नवीन मिश्रा, रमेश सिंह, कैप्टन श्याम नारायण तिवारीश्रवण कुमार दुबे, संजय सिंह , योगेश तिवारी, सरोज तिवारी, रवि वर्मा आदि मौजूद रहे।

ऐतराज़ में प्रियंका चोपड़ा के काम की मैं बहुत बड़ी फैन हूं : गौरी अग्रवाल

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। ट़ीवी का शो 'जाने अनजाने हम मिले' आने वाले एपिसोड्स में एक बड़ा और चौंकाने वाला मोड़ लेने वाला है। कहानी में ये खुलासा होगा कि राघव (भरत अहलावत) को ब्लैकमेल करने के लिए जिन छेड़छाड़ की गई तस्वीरों का इस्तेमाल किया गया था, उनके पीछे कोई और नहीं बल्कि कीर्ति (गौरी अग्रवाल) ही है। कहानी में कीर्ति की एंट्री एक पूरी तरह पॉजिटिव किरदार के तौर पर हुई थी, लेकिन हालात और जज़्बाती धोखे ने उसके सफर को बिल्कुल अलग दिशा में मोड़ दिया। यह ट्रैक दिखाता है कि कैसे परिस्थितियां और टूटा भरोसा किसी इंसान को बुराई की ओर धकेल सकते हैं। टीवी पर किसी किरदार का इतनी तेसे पॉजिटिव से जुनून की तरफ जाना कम ही देखने को मिलता है, और यही बात कीर्ति के ट्रैक को और ज्यादा दिलचस्प बनाती है।

कीर्ति का किरदार निभा रहीं गौरी अग्रवाल इस जबर्दस्त बदलाव को पर्दे पर उतारने को लेकर खासा उत्साहित हैं। अपने किरदार पर बात करते हुए गौरी कहती हैं, 'मैं ये नहीं कह सकती कि मैं कीर्ति से जुड़ाव महसूस करती हूं, लेकिन मैं यह जरूर समझ सकती हूं कि वो किन हालात से गुजर रही है। कीर्ति से शादी का वादा किया गया था, उसे कई सपने दिखाए गए थे, और उसकी ज़िंदगी के सबसे अहम दिन, यानी शादी के दिन, उसे अकेला छोड़ दिया गया।

माघ मेला में मुक्त विश्वविद्यालय के जागरूकता शिविर का भूमि पूजन आज

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के माघ मेला क्षेत्र में लाल सड़क मार्ग पर स्थित दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर का भूमि पूजन मंगलवार 30 दिसंबर 2025 को अपराह्न 3:30 बजे कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम करेंगे। यह जानकारी देते हुए दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर के नोडल अधिकारी डॉ अनिल कुमार सिंह भदौरिया ने बताया कि शिविर के माध्यम से मेला क्षेत्र में दूरस्थ शिक्षा का प्रचार प्रसार किया जाएगा।

सम्पादकीय

कनाडा में भारतीयों की सुरक्षा का सवाल, भारत सरकार उचित कार्रवाई का दबाव बनाए

कनाडा में दो सप्ताह के भीतर दो भारतीयों की हत्या ने सुरक्षा को लेकर गहरी चिंता पैदा कर दी है। पिछले हफ्ते टोरंटो में एक भारतीय महिला की उसके आवास पर हत्या कर दी गई। दूसरी घटना में टोरंटो विश्वविद्यालय के स्कारबोरो परिसर के पास बीस वर्षीय एक भारतीय शोध छात्र की गोली मारकर हत्या कर दी गई।

इन वारदात के पीछे क्या कारण थे और इसे किसने अंजाम दिया, इसकी जांच पुलिस कर रही है, लेकिन सवाल है कि आखिर कनाडा में भारतीय मूल के लोगों पर हमले क्यों हो रहे हैं? क्या यह नस्लीय नफरत से उपजी कुंठा और आक्रामकता का नतीजा है या फिर किसी सोची-समझी साजिश की कड़ियां, जो लक्षित तरीके से हमलों का जाल बुना जा रहा है!

यही नहीं, कनाडा के एक अस्पताल में हाल में इलाज का इंतजार कर रहे भारतीय मूल के एक व्यक्ति की मौत हो गई। बताया जाता है कि इस व्यक्ति को आठ घंटे से अधिक समय तक इंतजार करने के बाद भी उपचार नहीं मिला और हृदयघात से उसकी जान चली गई। यह घटना न केवल चिकित्सकों की लापरवाही दर्शाती है, बल्कि भारतीय मूल के लोगों के साथ भेदभाव की ओर भी इशारा करती है।

गौरतलब है कि कनाडा में भारतीयों और भारतीय मूल के लोगों की संख्या अच्छी-खासी है। हर साल बड़े पैमाने पर भारतीय युवा वहां उच्च शिक्षा ग्रहण करने जाते हैं। नीति आयोग की हाल की एक रपट के मुताबिक, उच्च शिक्षा हासिल करने के मामले में भारतीय विद्यार्थी के लिए कनाडा पहली पसंद है। इसके बाद अमेरिका, ब्रिटेन, आस्ट्रेलिया और जर्मनी का स्थान आता है।

पिछले वर्ष कनाडा में सवा चार लाख भारतीय विद्यार्थी अध्ययनरत थे। इसके अलावा कनाडा की नागरिकता लेकर वहां बसे भारतीयों की संख्या पंद्रह लाख से अधिक है। ऐसे में सवाल है कि जो भारतीय पढ़ाई या नौकरी के लिए कनाडा जाते हैं, या जो वहां के स्थायी नागरिक बन गए हैं, उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी वहां की सरकार और सुरक्षा एजंसियों की नहीं, तो और किसकी है?

हाल के वर्षों में कनाडा में भारतीयों पर हमले की खबरें आए दिन आती रहती हैं, जिससे वहां की कानून व्यवस्था पर सवाल उठना स्वाभाविक है। यह बात छिपी नहीं है कि कनाडा में भारतीयों और भारतीय मूल के लोगों तथा उनके धार्मिक प्रतिष्ठानों पर लक्षित तरीके से हमले की घटनाओं में चिंताजनक वृद्धि हुई है।

टोरंटो विश्वविद्यालय के शोधार्थी छात्र और उससे पहले एक भारतीय महिला की हत्या को भी इसी से जोड़कर देखा जा रहा है। वहीं, टोरंटो के दक्षिण-पूर्वी एडमोंटन स्थित अस्पताल में भारतीय मूल के व्यक्ति को आठ घंटे तक इलाज मुहैया न कराने की घटना प्रथम दृष्टया नस्लीय भेदभाव का मामला ही प्रतीत होता है।

इस तरह की घटनाओं को लेकर समान रूप से यह बात भी सामने आई है कि वहां की सुरक्षा एजंसियां कार्रवाई में उतनी तत्पर नजर नहीं आती, जितनी उनसे अपेक्षा की जाती है। इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि जांच अधिकारी जानबूझकर लापरवाही बरतने का प्रयास करते हैं।

ऐसे में भारत सरकार को चाहिए कि इस तरह के मामलों को कूटनीतिक स्तर पर प्रभावी तरीके से उठाया जाए और उचित कार्रवाई का दबाव बनाया जाए। वहीं, कनाडा की सरकार को भी यह बात समझनी होगी कि द्विपक्षीय संबंधों में सुधार के प्रयास वहां रहे भारतीयों की सुरक्षा सुनिश्चित किए बिना सिरे नहीं चढ़ पाएंगे।

डिजिटल संसार में सेहत के जोखिम : भारत में तस्वीर थोड़ी जटिल, स्कूलों को भी अपनी भूमिका पर विचार करना होगा

यह मानव स्वभाव है कि हर पीढ़ी अपने बच्चों को खुद से अधिक सुविधाएं देने का प्रयास करती है। मगर ऐसा लगता है कि आज की हमारी पीढ़ी ने अपने बच्चों को पूरी दुनिया एक छोटी सी स्क्रीन में सौंप दी है। बच्चे अब पहाड़, समुद्र, युद्ध, महामारी और उत्सव सब कुछ अंगुलियों के एक स्पर्श से देख सकते हैं, लेकिन सवाल यह है कि क्या वे इस दुनिया को समझ भी पा रहे हैं? या फिर सिर्फ देख रहे हैं, बिना याद रखे, बिना गहराई से महसूस किए?

इसी प्रश्न के बीच दो नई आदतें उभरकर सामने आती हैं, 'बेड-राटिंग' और स्क्रालिंग संस्कृति, जो बच्चों की दृश्य स्मृति और मानसिक सक्रियता को प्रभावित कर रही हैं। 'बेड-राटिंग' का अर्थ है- लंबे समय तक बिस्तर पर ही पड़े रहना और मोबाइल चलाते रहना। पढ़ाई, मोबाइल, खाना और आराम सब कुछ एक ही जगह पर। यह आदत अकसर थकान या उदासी के नाम पर शुरू होती है, लेकिन धीरे-धीरे जीवनशैली बन जाती है।

विशेषज्ञों के अनुसार, जब बिस्तर केवल सोने की जगह न रहकर जागने और स्क्रीन देखने का केंद्र बन जाता है, तो दिमाग को स्पष्ट संकेत नहीं मिलते। इसका सीधा असर नींद की गुणवत्ता और स्मृति निर्माण की प्रक्रिया पर पड़ता है। बच्चों के मामले में यह स्थिति और भी संवेदनशील है। उनका दिमाग अभी विकसित हो रहा होता है।

'विजुअल प्रोसेसिंग' यानी दृश्य प्रसंस्करण वह क्षमता है, जिससे बच्चा आकार, रंग, दूरी, दिशा और गति को समझता है। दृश्य स्मृति वह शक्ति है, जिससे वह देखी हुई जानकारी को याद रखता है, चाहे वह शब्दों का रूप हो, किसी का चेहरा हो या रास्ते की पहचान। इन क्षमताओं का विकास केवल किताबों या स्क्रीन से नहीं होता, बल्कि वास्तविक दुनिया के अनुभवों से होता है, जैसे खुली जगह, खेल, दौड़ना, चेहरे पढ़ना, और वस्तुओं को छूकर समझना आदि।

लगातार बिस्तर पर रहकर एक सीमित दूरी से स्क्रीन देखना दृश्य अनुभव को संकुचित कर देता है। ऐसे में बच्चा तेज, चमकीली और लगातार बदलती तस्वीरों का आदी हो जाता है। तंत्रिका तंत्र विज्ञान से जुड़े शोध बताते हैं कि इस तरह के एकरूप दृश्य अनुभव से मस्तिष्क के ध्यान केंद्रित करने की क्षमता और दृश्य विशेष कौशल कमजोर हो सकता है। इसका असर आगे चलकर पढ़ने-लिखने और समझने की क्षमता पर भी दिखता है।

इसी सीमित दृश्य संसार में प्रवेश करती है 'डूम-स्क्रालिंग' यानी नकारात्मक, डराने वाली और संकट से भरी सूचनाओं को बिना रुके देखते जाना। महामारी, युद्ध, अपराध और आपदाओं की लगातार तस्वीरें बच्चों और किशोरों के मन में यह भावना बैठा देती हैं कि दुनिया असुरक्षित और भयावह है। अंतरराष्ट्रीय अध्ययनों के अनुसार, इस तरह की आदत चिंता, अवसाद और मानसिक थकान बढ़ाती है।

चिंतित दिमाग न तो ध्यान केंद्रित कर पाता है और न ही नई जानकारी को ठीक से याद रख पाता है। इसके विपरीत हाल के वर्षों में 'ब्लूम-स्क्रालिंग' की अवधारणा सामने आई है, यानी सकारात्मक, प्रेरक और ज्ञानवर्धक सामग्री को चुनकर देखना। सही तरीके से अपनाया जाए, तो यह बच्चों में जिज्ञासा, आशावाद और रचनात्मक सोच को बढ़ा सकता है। लेकिन समस्या यह है कि अधिकांश डिजिटल मंच बच्चों को सोच-समझकर चुनने की बजाय लगातार स्क्राल करते रहने के लिए डिजाइन किए गए हैं।

एल्गोरिदम का उद्देश्य मानसिक विकास नहीं, बल्कि स्क्रीन-समय बढ़ाना होता है। 'बेड-राटिंग' और 'स्क्रालिंग' संस्कृति का समग्र प्रभाव बच्चों की ध्यान-क्षमता पर साफ दिखाई देता है। शिक्षक बताते हां कि बच्चे लंबे समय तक किसी पाठ पर ध्यान नहीं लगा पाते। इस पर हुए अध्ययन इस बात का संकेत देते हैं कि अत्यधिक स्क्रीन-उपयोग से क्रियाशील स्मृति और अनुक्रमिक विचारशीलता कमजोर हो सकती है। नींद इस पूरी समस्या का केंद्र है।

वैज्ञानिक रूप से यह स्थापित तथ्य है कि स्मृति विशेषकर दृश्य नींद के दौरान स्मरण शक्ति में स्थायित्व हासिल करते हैं। जब बच्चे देर रात तक बिस्तर पर स्क्रीन देखते रहते हैं, तो नींद की अवधि ही नहीं, उसकी गुणवत्ता भी घटती है। स्क्रीन से निकलने वाली नीली रोशनी मेलाटोनिन हार्मोन को दबाती है, जिससे दिमाग को आराम का संकेत नहीं मिल पाता। नतीजतन अगला दिन थकान, चिड़चिड़ेपन और ध्यान-भंग के साथ शुरू होता है।

एक समय था, जब परिवार के बुजुर्ग बच्चों से सहज रूप से पूछ लेते थे- 'कोई पहाड़ा सुनाओ।' यह केवल गणित का अभ्यास नहीं था, बल्कि बच्चे की मानसिक सक्रियता को परखने का तरीका था। वैज्ञानिक दृष्टि से देखें, तो पहाड़ा याद करना क्रियाशील स्मृति, अनुक्रमित प्रसंस्करण और दृश्य श्रवण समन्वय तीनों को सक्रिय करता है। बच्चे को अंकों की दृश्य छवि बनानी होती है, क्रम याद रखना होता है और बिना रुके सही उत्तर देना होता है।

तंत्रिका तंत्र विज्ञान बताता है कि ऐसी गतिविधियां मस्तिष्क के उन खास हिस्सों को सक्रिय करती हैं, जो ध्यान और स्मृति के लिए जिम्मेदार हैं। आज जब उत्तर एक क्लिक में स्क्रीन पर मिल जाता है, तो दिमाग की वह कसरत नहीं हो पाती है। दुनिया के कई देशों ने इस बदलती स्थिति को गंभीरता से लिया है। फ्रांस, डेनमार्क और नार्वे जैसे देशों में बच्चों के सोशल मीडिया उपयोग पर सख्त दिशा-निर्देश लागू किए गए हैं।

आस्ट्रेलिया में तो सोलह वर्ष से कम उम्र के बच्चों के सोशल मीडिया इस्तेमाल पर रोक लगा दी गई है। यूरोप के कई स्कूलों में 'डिजिटल वेल बीइंग' यानी डिजिटल तकनीक के संतुलित उपयोग को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया गया है, ताकि बच्चे तकनीक का उपयोग करना सीखें, उसके गुलाम न बनें।

भारत में तस्वीर थोड़ी जटिल है। यहां डिजिटल साधनों को शिक्षा और अवसर के रूप में देखा जाता है, जो सही भी है। मगर इस उत्साह में बच्चों के मानसिक और संज्ञानात्मक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों की अनदेखी हो रही है। शहरी घरों में बच्चों का खेल मैदान मोबाइल बन चुका है। छोटे शहरों और कस्बों में भी यही प्रवृत्ति बढ़ रही है। परिणामस्वरूप बच्चों का दृश्य संसार सीमित और एकरूप होता जा रहा है।

यह कहना जरूरी है कि समस्या तकनीक नहीं, उसका असंतुलित उपयोग है। स्क्रीन अपने आप में न तो शत्रु है और न समाधान, यह एक माध्यम है। सवाल यह है कि क्या बच्चों को स्क्रीन के अलावा भी देखने, चलने, खेलने और सोचने के पर्याप्त अवसर मिल रहे हैं? यदि नहीं, तो उनकी दृश्य स्मृति और समझ अधूरी ही रह जाएगी। इस मामले में माता-पिता की भूमिका निर्णायक है। घर में यह स्पष्ट होना चाहिए कि बिस्तर केवल सोने की जगह है, पूरे दिन की गतिविधियों का केंद्र नहीं। स्क्रीन-मुक्त समय और स्थान तय करना, बच्चों के साथ बैठकर सामग्री चुनना तथा उनके डिजिटल अनुभव पर संवाद करना आज की जरूरत है।

स्कूलों को भी अपनी भूमिका पर पुनर्विचार करना होगा। डिजिटल साक्षरता का अर्थ केवल तकनीक का इस्तेमाल नहीं, बल्कि यह समझाना भी है कि इसमें परोसी जा रही सामग्री का बच्चों के दिमाग पर कैसा असर हो रहा है। बच्चों को यह सिखाना जरूरी है कि नकारात्मक सूचनाओं और सामग्री से मानसिक दूरी कैसे बनाई जाए और सकारात्मक जानकारी को कैसे चुना जाए। बच्चों का मानसिक और संज्ञानात्मक स्वास्थ्य केवल परिवार की नहीं, पूरे समाज की जिम्मेदारी है। उम्र-आधारित दिशा-निर्देश, डिजिटल मंच की जवाबदेही और सार्वजनिक जागरूकता, तीनों पर एक साथ काम करने की जरूरत है।

प्रायश्चित वक्त का मोहताज नहीं कल की गलती को आज का सबक बनाता है

प्रायश्चित एक मानवीय भावना है, जो हमें जीवन में सही राह पर जाने की प्रेरणा प्रदान करती है। कई बार हमें यह भी लगता है कि अब वक्त निकल गया, तो अब इसके विषय में क्या ही किया जा सकता है। मगर प्रायश्चित का यह भाव किसी भी वक्त का मोहताज नहीं होता है। यह हमारे कल की गलती को आज का सबक बनाता है, जिससे आजीवन हम सीखते रहते हैं।

जीवन में हम सभी कभी न कभी किसी न किसी प्रकार की गलती कर बैठते हैं। यह मानव होने के नाते स्वाभाविक ही है कि हमसे गलती होगी। हमारी यही गलतियां हमें बहुत कुछ सिखाती है। चाहे आर्थिक मामले हों, सामाजिक मामले या फिर कोई भावनात्मक, प्रायश्चित उस हर गलती के लिए एक जरूरी अध्यापक की तरह है, जो हमें सिखाता है कि एहसास के इस भाव से हम अपने आने वाले वक्त को कैसे सुधारें।

कई बार कुछ लोगों को ऐसा भी लग सकता है कि हमें अपनी भूलों के प्रति इतना ज्यादा गंभीर नहीं होना चाहिए, क्योंकि ये हमें शायद नकारात्मकता की ओर ले जाएं। मगर प्रायश्चित और पश्चाताप दोनों में काफी फर्क है। प्रायश्चित हमें अपनी गलतियों को सुधारने की दिशा में लेकर जाता है, जबकि पश्चाताप केवल एक अहसास है।

प्रायश्चित एक महत्त्वपूर्ण चीज है, जो क्रियात्मक रूप में की जाती है। इसलिए पश्चाताप के बजाय प्रायश्चित की दिशा में कदम बढ़ाना चाहिए, ताकि हम नकारात्मक न बनें और अपनी भूलों को सुधारने के प्रयास में लग जाएं। हम सफल तभी होंगे, जब हमारा मन इस ओर बिल्कुल पवित्र, सहज और सरल होगा। ऐसे में यह भावना हमें किसी भी तरह की नकारात्मकता प्रदान नहीं कर सकती है।

हम सभी को याद होगा कि जब हम बचपन में परीक्षा की अच्छी तैयारी नहीं कर पाते थे और परीक्षा में कम अंक लाने पर हमारा मन अंदर ही अंदर दुखी होता था। साथ ही अपना मूल्यांकन करता रहता था। वह हमारा पश्चाताप होता था, लेकिन हम उस भूल को सुधारकर कड़ी मेहनत के साथ अगली बार परीक्षा में अच्छे अंक ला पाते थे, तो वह भी हमारा प्रायश्चित था।

प्रायश्चित वह भाव है, जो हमें जीवन की सीख देता है और एक उत्कृष्ट जीवन जीने का तरीका सिखाता है, लेकिन इस भाव को इस रूप में भी नहीं लेना चाहिए कि हर छोटी से छोटी गलती को या किसी भूल को हम गम बना लें और जीवन भर उसे सीने से लगाकर घूमें। बल्कि इसे अपने अंदर सकारात्मक बदलाव का संदेश समझकर उसके मूल भाव को दृष्टिकोण में रख कर अपने सामर्थ्य के अनुसार सुधारात्मक प्रयास करना चाहिए। अगर हम गम गले से लगा कर रखेंगे तो पूरी जिंदगी असफलता, बेचारगी और कटुता को लेकर घूमेंगे।

इस तरह से पश्चाताप करना प्रायश्चित का मूल उद्देश्य बिल्कुल नहीं है। इसके मूल में यही बात छिपी है, जिसे हम समझाइश, शिक्षा या अनुभव का नाम दे सकते हैं। इस अनुभव के लिए छोटी उम्र से ही हमारे अभिभावक, शिक्षक और बड़े-बुजुर्ग हमें हिदायतें देते रहते थे।

हिदायतें हमें प्रायश्चित का मूल्य प्रदान करती रही हैं, लेकिन इसका यह मतलब बिल्कुल नहीं निकाला जाना चाहिए कि हर बार हर व्यक्ति को उसकी गलती को महसूस कराते रहना चाहिए, क्योंकि लगातार मिलने वाली हिदायतें, नसीहतें भी कभी-कभार बोझ लगने लगती है और फिर अपना अस्तित्व खोने लगती है।

ऐसे में कई बार ऐसा भी होता है कि व्यक्ति अपना सर्वस्व ही खोने लगे। इसलिए कुछ बड़े और गंभीर विषयों को लेकर ही इस तरह की चीजों को प्रयोग में लाया जाना चाहिए, वरना व्यक्ति निराशावादी और यथास्थितिवादी भी बन सकता है।

दरअसल, अति हर चीज की बुरी होती है। यही विचार उस व्यक्ति पर भी लागू होता है जो पश्चाताप की अग्नि में जल रहा होता है। बिना किसी बड़ी बात के पश्चाताप करना गलत है, क्योंकि यह न केवल हमारे वक्त की बर्बादी है, बल्कि उपयोगिता विहीन विषय है। पश्चाताप का भाव रखना ठीक है, लेकिन उसे नियंत्रित रखना और प्रायश्चित का रूप देना चाहिए।

पश्चाताप के साथ ही साथ हमें प्रायश्चित को महत्त्व देना चाहिए, ताकि हम अपने जीवन में उपयोगी और सुधारात्मक विषयों यथा करिअर, भावनात्मक भूलें, प्रतिष्ठा, जीवन मूल्यों आदि के लिए सार्थक प्रयास कर सकें। पश्चाताप के अति भावुक पक्ष में घुसकर हमें कुछ हासिल नहीं होगा, बल्कि हम खुद को जीवन भर कोसते रहेंगे और अपने समय की बर्बादी कर बैठेंगे।

जरूरत इस बात की है कि हम अपने बड़ों और ऐसे लोगों, जो हमारे शुभचिंतक हैं, उनकी बातों को सकारात्मक रूप में लें। समाज में भी बहुत से लोग हमें कई बातें सिखाते हैं, जिनमें से कुछ अच्छी होती हैं और कुछ व्यर्थ की होती हैं। ऐसे में चुनाव करना सीखना चाहिए।

पश्चाताप एक पवित्र मानवीय भावना है और इसका एक क्रियात्मक पक्ष है। इसको गलती सुधारने और अपना जीवन पक्ष मजबूत बनाने के लिए उपयोगी बनाना चाहिए। अन्य व्यर्थ के मुद्दों को लेकर मन को दुखी नहीं करना चाहिए। समय बहुत ही कीमती है और अपने भावों को नियंत्रित करके रखना, यह बात सीखना भी उतना ही कीमती है।

अगर हम अपने भावों को नियंत्रित कर पाए, तो देख सकते हैं कि एक इंसान होने के नाते हम कितनी तरक्की करते हैं। ये तरक्की ही हमारे सामाजिक, भावनात्मक और राष्ट्रीय पक्ष को मजबूत बनाएगी। इसलिए हम पश्चाताप का भाव रखें, लेकिन नियंत्रित तौर पर और प्रायश्चित पर ध्यान दें, ताकि हम इसके सही अर्थ को समझें और अपने आपको निरंतर निखारें।

बांग्लादेश में हिंदुओं के उत्पीड़न पर आखिर खामोश क्यों हैं दुनिया के लोग?

भारत के पड़ोसी बांग्लादेश में हिंदुओं पर उत्पीड़न एक लंबे अरसे से चली आ रही समस्या है, जबकि उसके उदय में भारत सरकार की परोक्ष भूमिका रही है। कभी पूर्वी पाकिस्तान कहे जाने वाले बंगलादेश में अक्सर इस्लामिक कट्टरता ब्रेक के बाद मुखर हो जाती है, जो राजनीतिक अस्थिरता के दौरान अमूमन तेज हो जाती है। यह भारत सहित अंतर्राष्ट्रीय चिंता का विषय है और दुनियाभर में अल्पसंख्यक समूह के उत्पीड़न पर संयुक्त राष्ट्र संघ की विफलता का द्योतक है। हाल के दिनों में भारत और बंगलादेश के कूटनीतिक सम्बन्धों पर भी इन बातों का साफ असर महसूस किया जा सकता है।

यदि पुरानी बातें छोड़ भी दीं जाएं तो गत वर्ष यानी 2024 में शेख हसीना की सरकार गिरने के बाद से बंगलादेश में हिंदू विरोधी हिंसा में पुनः उछाल आया है, जिसमें मंदिरों पर हमले, घरों में लूटपाट और हत्याएं शामिल हैं। इस पर भारत सरकार और अंतरराष्ट्रीय समुदाय की महज खानापूर्ति वाली प्रतिक्रिया से वहां हिंदुओं पर संकट गहराता जा रहा है। इससे भारत में भी बंगलादेश विरोधी उत्तेजना स्वाभाविक है।

यदि हालिया घटनाओं पर नजर दौड़ाएं तो पता चलता है कि नवंबर 2024 से जनवरी 2025 तक 76 हमले दर्ज हुए, जबकि अगस्त 2024 से अब तक 23 हिंदुओं की हत्या और 152 मंदिरों पर आक्रमण की खबरें हैं। वहीं, 2025 में राजबाड़ी जिले में अमृत मंडल और दीपू चंद्र दास जैसे हिंदू युवकों की पीट-पीटकर हत्या हुई, साथ ही घरों में आगजनी के मामले सामने आए। इसकी एक बड़ी वजह बंगलादेश में हिंदुओं की जनसंख्या में निरंतर कमी होना भी है। आंकड़े बताते हैं कि 1971 में हिंदू बांग्लादेश की आबादी का 22इ थे, जो अब घटकर 8इ से कम रह गए हैं, जो मुख्यतः उत्पीड़न और पलायन के कारण हुआ है।

एक अंतर्राष्ट्रीय रिसर्च के मुताबिक, 16 लाख हिंदू भारत चले गए, क्योंकि बंगलादेश में हिंदुओं की भूमि हड़पना, बलात्कार और मंदिर तोड़फोड़ आम अपराध हैं। इससे जुड़े आंकड़े और रिपोर्ट की मानें तो 2025 के पहले छह महीनों में 258 हिंसा की घटनाएं हुईं, जिनमें 20 बलात्कार और 59 पूजा स्थलों पर हमले शामिल हैं। कुल 4 अगस्त 2024 से जून 2025 तक 2, 244 मामले दर्ज किए जा चुके हैं। जबकि अंतरिम सरकार पर निष्क्रियता का आरोप है, जिससे अपराधी बेखौफ हैं।

दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि बंगलादेश की कार्यवाहक सरकार के मुखिया मोहम्मद युनुस ने बांग्लादेश में हिंदू हत्याओं पर प्रत्यक्ष रूप से कोई स्पष्ट सार्वजनिक बयान या ठोस कार्रवाई नहीं की है, जिससे उनकी सरकार पर निष्क्रियता के आरोप लगे हैं। कई रिपोर्ट्स में हिंसा को उनकी कथित कट्टरपंथी नीतियों से जोड़ा गया है, लेकिन आधिकारिक प्रतिक्रिया में केवल सामान्य शांति अपील तक सीमित रहने का उल्लेख है। इसलिए उनपर आरोप लगते हैं और आलोचना भी होती है कि युनुस सरकार पर जमात-ए-इस्लामी जैसे कट्टरपंथी समूहों को संरक्षण दे रहे हैं, जिसके बाद हिंदू हत्याओं में वृद्धि हुई।

वहीं, भारतीय मीडिया और विपक्षी नेता भी उन्हें हिंसा के लिए जिम्मेदार ठहराते हैं, जबकि युनुस ने भारत के दबाव में जांच के वादे किए बिना कोई स्पष्ट स्टैंड नहीं लिया। जहां तक अंतरराष्ट्रीय दबाव की बात है तो भारत और ब्रिटेन जैसे देशों ने युनुस से अल्पसंख्यकों की सुरक्षा की मांग की, लेकिन उनकी प्रतिक्रिया में कोई ठोस कदम नहीं दिखा। वहीं, बंगलादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने निर्वासन से युनुस पर हिंदू उत्पीड़न को बढ़ावा देने का आरोप लगाया है। जहां तक इस मसले पर अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रिया का सवाल है तो भारत सरकार ने लोकसभा में मामले उठाया, जबकि विश्व हिंदू परिषद ने विरोध प्रदर्शन किए। वहीं, ब्रिटिश सांसदों ने युनुस सरकार पर कार्रवाई की मांग की।

बता दें कि भारत विदेशों में हिंदुओं पर हो रहे उत्पीड़न को मुख्य रूप से कूटनीतिक दबाव, अंतरराष्ट्रीय मंचों पर आवाज उठाने और संबंधित देशों से न्याय की मांग करके रोकने का प्रयास करता है। बांग्लादेश और पाकिस्तान जैसे देशों में हालिया घटनाओं पर विदेश मंत्रालय ने सख्त बयान जारी किए हैं, जहां दोषियों को सजा देने और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की गई है।

जहां तक कूटनीतिक प्रयास की बात है तो भारतीय विदेश मंत्रालय बांग्लादेश में हिंदू युवकों की हत्या और घरों पर हमलों की कड़ी निंदा करता है तथा अंतरिम सरकार से कार्रवाई की अपेक्षा रखता है। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने ढाका में बांग्लादेशी समकक्ष से अल्पसंख्यकों की सुरक्षा पर चर्चा की। वहीं भारत उचित अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों की दुर्दशा उजागर करता है, लेकिन सुरक्षा की मुख्य जिम्मेदारी संबंधित देश की सरकार मानता है। जहां तक गृह मंत्रालय की भूमिका की बात है तो गृह मंत्री अमित शाह ने बांग्लादेश सीमा पर विशेष समिति गठित की है जो हिंदू अल्पसंख्यकों की स्थिति की निगरानी करती है और भारतीय नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करती है। नागरिकता संशोधन कानून के जरिए उत्पीड़ित हिंदू, सिख आदि को भारत में शरण प्रदान की जा रही है।

वहीं, विभिन्न राष्ट्रवादी संगठनों ने भी इस मामले में पहल की है। खासकर आरएसएस ने अपनी शताब्दी बैठक में विदेशों में हिंदुओं की सुरक्षा के लिए संकल्प पारित किया तथा संरक्षण तंत्र की मांग की। जबकि कुछ विश्लेषकों ने 'राइट टू प्रोटेक्ट' सिद्धांत अपनाने का सुझाव दिया है, जिसमें सीमा पर सुरक्षित क्षेत्र बनाने जैसे कदम शामिल हैं।हालांकि इस दिशा में चुनौतियां की काफी हैं, क्योंकि भारत विदेशी सरकारों पर दबाव बनाता है, लेकिन प्रत्यक्ष हस्तक्षेप सीमित रहता है क्योंकि संप्रभुता का सम्मान किया जाता है। वहीं वैश्विक शक्तियां जैसे अमेरिका-ब्रिटेन भी हिंसा की निंदा करती हैं, जो भारत के प्रयासों को मजबूती देती हैं।

पिछले साल आपने देखा होगा कि चिन्मय कृष्ण दास, बांग्लादेश संमिलित सनातन जागरण जोत के प्रवक्ता और पूर्व इस्कॉन नेता, को 25 नवंबर 2024 को ढाका हवाई अड्डे से राजद्रोह के आरोप में गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी का मुख्य कारण चटगांव में 25 अक्टूबर को हुई रैली में बांग्लादेश के राष्ट्रीय ध्वज के ऊपर केसरिया झंडा फहराने का आरोप था, जहां वे हिंदू अल्पसंख्यकों के आठ सूत्री मांगों के लिए प्रदर्शन कर रहे थे। उनकी गिरफ्तारी शेख हसीना सरकार गिरने के बाद अल्पसंख्यक हिंसा के खिलाफ बड़े प्रदर्शनों (चटगांव और रंगपुर में) से जुड़ी थी, जिसे बांग्लादेशी अधिकारी राजद्रोह मानते हैं। बाद में चटगांव में वकील सैफुल इस्लाम की हत्या के मामले में भी उन्हें आरोपी दिखाया गया, जो उनकी गिरफ्तारी के बाद हुई हिंसक झड़पों से उपजा। अप्रैल 2025 में हाईकोर्ट ने राजद्रोह मामले में जमानत दी, लेकिन स्टे लग गया और वे जेल में हैं।

इसका तत्काल प्रभाव यह हुआ कि उनकी गिरफ्तारी के बाद पूरे बांग्लादेश में हिंदू समुदाय ने विरोध प्रदर्शन किए, जिससे हिंसक झड़पें हुईं और एक व्यक्ति की मौत हो गई। स्टूडेंट्स अगेंस्ट डिस्क्रिमिनेशन जैसे समूहों ने इस्कॉन पर प्रतिबंध की मांग की। इस मुद्दे पर भारत और अंतरराष्ट्रीय समुदाय की प्रतिक्रिया भी आई। भारतीय विदेश मंत्रालय ने गिरफ्तारी और जमानत अस्वीकार पर गहरी चिंता जताई तथा बांग्लादेश से अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने को कहा। इससे भारत-बांग्लादेश संबंधों में तनाव बढ़ा, जहां भारत हिंदू अधिकारों पर जोर दे रहा है। इसका व्यापक प्रभाव पड़ा, क्योंकि यह घटना बांग्लादेश में हिंदू उत्पीड़न का प्रतीक बनी, जिससे वैश्विक स्तर पर अल्पसंख्यक अधिकारों पर बहस तेज हुई। चिन्मय दास हिंदू समुदाय के प्रतिरोध के चिह्न बन गए।

यद्यपि भारत-बंगलादेश एक दूसरे के पूरक हैं, फिर भी उसपर बढ़ता पाकिस्तानी प्रभाव भारत के लिए चिंता का सबब है। लिहाजा भारत सरकार से यह अपेक्षा की जाती है कि वह बंगलादेश के साथ कूटनीतिक स्तर पर कड़ाई बरते। अंतर्राष्ट्रीय कारोबारी स्तर पर प्रतिबंध लगाए। उसको शह देने वाले पाकिस्तान की नकेल कसे। यदि अमेरिका-चीन की भूमिका सामने आए तो उनके खिलाफ भी स्पष्ट और सख्त रुख दिखाया जाए कि आसेतु हिमालय में न तो किसी की दादागिरी चलेगी और न ही किसी तरह के षड्यंत्र को चलने दिया जाएगा। भारत सरकार इस मुद्दे पर खड़ी रणनीति अपनाए और एकबारगी सख्त सैन्य कार्रवाई करके अपने मजबूत इरादे का परिचय दे, क्योंकि बिनु भय होंहिं न प्रीति...यह बात जगजाहिर है।

विधानसभा में अटल स्मृति संगोष्ठी का कार्यक्रम संपन्न हुआ

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। शीर्ष नेतृत्व पार्टी के द्वारा निर्धारित परम श्रद्धेय पूर्व अटल बिहारी वाजपेई जन्म शताब्दी समारोह वर्ष-24/25-विधानसभा ज्ञानपुर के अंतर्गत भाजपा कार्याल जोरइ में आज संपन्न हुई वहीं पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कमलेश कुमार क्षेत्रीय उपाध्यक्ष काशी क्षेत्र उपस्थित रहे इस सम्मेलन की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष दीपक मिश्रा अति विशिष्ट अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष अनिरुद्ध त्रिपाठी संचालन जिला उपाध्यक्ष अखंड प्रताप सिंह कार्यक्रम के संयोजक रत्नाकर पाठक उपस्थित उपस्थित रहे।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि कमलेश कुमार क्षेत्रीय उपाध्यक्ष ने अटल बिहारी वाजपेई भारत रत्न के जीवन पर आधारित तमाम विषयों की चर्चा की अटल बिहारी वाजपेई विराट व्यक्तित्व और मर्म को महसूस कर नापतोल कर शब्द रखने वाले वाक पटु हमारे परम स्नेही हमारे गौरव के प्रतीक प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेई को हम सभी भारतवासियों की ओर से उनकी जन्म शताब्दी पर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हैं ऐसे तमाम विषयों पर खुलासा करते हुए मुख्य अतिथि ने प्रकाश डाला संगठन से सत्ता तक यह भाषण केवल शब्दों का कम नहीं बल्कि भारतीय राजनीति कीउस यात्रा का स्मरण है जहां सत्ता का शिकार संगठन की सीढ़िया से चढ़कर प्राप्त किया गया यह कथा है अटल बिहारी वाजपेई की एक ऐसे राजनेता की जिनकी राजनीतिक यात्रा व्यक्ति से पहले विचार के पद से पहले संगठन की सत्ता से पहले संघर्ष की कहानी है और राष्ट्र के प्रति आप समर्पित रहे वहीं पर आज देश आपको हमेशा याद करता रहेगा।

जीला अध्यक्ष दीपक मिश्रा ने अपने विचार को रखते हुए कहा अटल बिहारी वाजपेई भारतीय राजनीति में उस पीढ़ी को प्रतिनिधि थे जिसने सत्ता को लक्ष्य नहीं साधन माना उनकी यात्रा किसी राजवंश की देन नहीं थी नहीं किसी आकस्मिक जन लहर का परिणाम था यह यात्रा संघ की शाखाओं में अनुशासन सीखने से आरंभ होती हैजनसंघ की बैठकों में विचार करने से आगे बढ़ती है और अंततः लोकतांत्रिक सत्ता के सर्वोच्च शिखर तक पहुंचती है-1940-के दशक में जब देश स्वतंत्रता के लिए संघर्ष करता था उसी काल में अटल बिहारी वाजपेई राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े थे संघ उनके लिए केवल संगठन नहीं था बल्कि जीवन दृष्टि था राष्ट्र सर्वोपरि व्यक्ति साधन है-

1957-का लोकसभा चुनाव अटल की राजनीतिक यात्रा का निर्णायक मोड़ था बलरामपुर से निर्वाचित होकर वह संसद पहुंचे उस संसद में जहां पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय जवाहरलाल नेहरू जैसे वैश्विक नेता उपस्थित थे-1967-में जनसंख्या की राजनीतिक स्वीकारता बढी अटल पहली बार सरकार के निकट पहुंचे-1977-में आपातकाल के बाद जनता पार्टी सरकार बनी-1980-में भारतीय जनता पार्टी का गठन हुआ-1984-में मात्र दो सिटे किंतु अटल बिहारी वाजपेई ने उस समय सत्ता की शॉर्टकट राजनीति नहीं चुनी-1996-में अटल पहली बार प्रधानमंत्री बने-13-दिनकी सरकार रही और पराजय नहीं थी वह सिद्धांत की विजय थी1998-में पुनः प्रधानमंत्री बने भारत ने पोखरण में परमाणु परीक्षण कर आत्मनिर्भर सुरक्षा नीति की घोषणा की-1999-में कारगिल युद्ध के समय उनके नेतृत्व स्पष्ट करता है।

जिला पंचायत अध्यक्ष अनिरुद्ध त्रिपाठी अपने संबोधन में कहा ऐसे तमाम विषयों को समाहित करते हुए अटल के स्मृति पर चर्चा की गई और उन्हें याद किया गया और उन्हें सच्ची श्रद्धा सुमन श्रद्धांजलि अर्पित की गई आज देश ही नहीं समाज ही नहीं विश्व पटल पर आपके नाम कीचर्चा की जाती है।

कार्यक्रम में उपस्थित जिला अध्यक्ष दीपक मिश्रा पूर्व सांसद गोरखनाथ पांडेय संतोष पांडेयराकेश दुबे आनंद मिश्र ओमप्रकाश तिवारी नागेंद्र सिंह रत्नाकर पाठक घनश्याम गुप्ता उमाशंकर पाठक चंडबली दुबे अच्युतानंद पाठक छत्रपति सिंह अखिलेंद्र सिंह बघेल चिंटू अखंड प्रताप सिंह मंडल अध्यक्ष अश्वनी अग्रवाल शैलेश पांडेय ओम प्रकाश मौर्य सभी सम्मानित मंडल अध्यक्ष सम्मानितसभी मातृशक्ति युवा नेता मनीष पांडेय शिवम तिवारी अखिलेश तिवारी दीपक सिंह तथा सम्मानित सभी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

शीतलहर व घने कोहरे से बचाव को लेकर जिला प्रशासन ने जारी की एडवाइजरी

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। बढ़ती शीतलहर, घने कोहरे और अत्यधिक ठंड को देखते हुए जिलाधिकारी एवं अध्यक्ष जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण शैलेष कुमार के निर्देशन तथा अपर जिलाधिकारी (वि./रा.) कुंवर वीरेंद्र मौर्य के पर्यवेक्षण में जिला प्रशासन द्वारा जनपदवासियों के लिए सुरक्षा एडवाइजरी जारी की गई है। एडवाइजरी में नागरिकों से मौसम संबंधी जानकारी नियमित रूप से रेडियो, समाचार पत्र, टीवी व मोबाइल के माध्यम से लेते रहने की अपील की गई है। प्रशासन ने अलाव, सिगड़ी, हीटर व अंगीठी का प्रयोग करते समय विशेष सावधानी बरतने, घरों में वेंटिलेशन बनाए रखने, ऊनी कपड़ों के प्रयोग, बच्चों व बुजुर्गों को यथासंभव घर के भीतर रखने तथा पौष्टिक आहार व गर्म पेय पदार्थों के सेवन की सलाह दी है। साथ ही हाइपोथर्मिया व शीतदंश के लक्षण दिखाई देने पर तत्काल नजदीकी अस्पताल से संपर्क करने को कहा गया है। प्रशासन ने अकेले रहने वाले बुजुर्गों की जानकारी रखने, पालतू पशुओं के सुरक्षित ठहराव तथा सोते समय अलाव/अंगीठी बुझाने पर भी विशेष जोर दिया है। जिला प्रशासन ने जनपदवासियों से अपील की है कि एडवाइजरी का पालन कर स्वयं व दूसरों को ठंड से सुरक्षित रखें।

थाना समाधान दिवस पर 25 शिकायतें प्राप्त, 06 का मौके पर निस्तारण

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। शासन की मंशा के अनुरूप फरियादियों को त्वरित एवं न्यायसंगत समाधान उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रत्येक शनिवार को आयोजित होने वाले 'थाना समाधान दिवस' के क्रम में सोमवार को जनपद भदोही के समस्त थानों पर थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया।

जिलाधिकारी भदोही शैलेश कुमार एवं पुलिस अधीक्षक भदोही अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में जनसुनवाई के दौरान फरियादियों की समस्याएं गंभीरता से सुनी गईं। सभी थानों पर पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों की संयुक्त उपस्थिति में शिकायतों का निस्तारण किया गया। जनसुनवाई के दौरान जनपद के समस्त थानों पर कुल 25 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिनमें 21 राजस्व विभाग से संबंधित एवं 04 पुलिस विभाग से संबंधित थे। त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस विभाग से संबंधित सभी 04 शिकायतों तथा राजस्व विभाग की 02 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया।

शेष प्रकरणों के संबंध में पुलिस एवं राजस्व विभाग की संयुक्त टीमों का गठन करते हुए समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण एवं निष्पक्ष निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। भूमि विवाद से जुड़े मामलों में विशेष रूप से यह निर्देश दिए गए कि फरियादियों को अलग-अलग कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें और एक ही मंच से समस्या का समाधान सुनिश्चित किया जाए।

अधिकारियों द्वारा स्पष्ट कयिा गया कि थाना समाधान दिवस का उद्देश्य जनता को त्वरित न्याय दिलाना है और इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बघेल छावनी में चोरों की नाकाम कोशिश, पांच दुकानों के ताले तोड़े

पुलिस जांच में जुटी, सीसीटीवी खंगाले जा रहे

मंत्र भारत संवाददाता

गोपीगंज। नगर के मुख्य मार्ग स्थित बस स्टैंड के पास बघेल छावनी परिसर में रविवार-सोमवार की मध्यरात्रि अज्ञात चोरों ने चोरी का प्रयास किया। चोरों ने पहले छावनी के मुख्य गेट का ताला तोड़कर परिसर में प्रवेश किया और इसके बाद अंदर स्थित पांच दुकानों के ताले तोड़ दिए। हालांकि किसी दुकान से कोई कीमती सामान चोरी होने की पुष्टि नहीं हुई है।

बताया गया कि बघेल छावनी परिसर में दर्जनों दुकानदारों की दुकानें संचालित होती हैं, साथ ही यहां वाहनों की पार्किंग भी होती है। चोरों ने दुकानों में घुसने के लिए लोहे की खिड़कियों व दरवाजों को उखाड़ा और अंदर रखी अलमारियों व दराजों को खंगाला, लेकिन हाथ खाली ही रह गया।

सोमवार सुबह घटना की जानकारी होते ही दुकानदारों में हड़कंप मच गया। दुकानदारों ने तत्काल चौकी पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और सभी दुकानों का बारीकी से निरीक्षण किया। पुलिस ने दुकानदारों से लिखित तहरीर देने को कहा है तथा सुरक्षा की दृष्टि से परिसर में सीसीटीवी कैमरे लगाने की सलाह दी है।

फिलहाल पुलिस आसपास के क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है और अज्ञात चोरों की तलाश में जुटी हुई है। घटना के बाद दुकानदारों में असुरक्षा का माहौल है और उन्होंने रात्रि गश्त बढ़ाए जाने की मांग की है।

मिशन शक्ति अभियान के तहत भदोही पुलिस द्वारा नारी सशक्तिकरण सुरक्षा, सम्मान व स्वावलम्बन हेतु चलाया जा रहा विशेष अभियान

भदोही। कम्युनिटी पुलिसिंग एवं नारी सशक्तिकरण, सुरक्षा, सम्मान व स्वावलम्बन हेतु चलाये जा रहे मिशन शक्ति अभियान फेज-5.0 के अंतर्गत अभिमन्यु मांगलिक पुलिस अधीक्षक जनपद भदोही के निर्देशन में एवं अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल के पर्यवेक्षण में साइबर जागरूकता, पुलिस की कार्यप्रणाली व कानूनी प्रावधानों के संबंध में विस्तृत जानकारी देकर जागरूक किया गया। 'डरे नहीं-सहे नहीं, चुप्पी तोड़े-आवाज उठायें'किसी भी आपात स्थिति में विभिन्न हेल्पलाईन नम्बरों के उपयोग हेतु प्रेरित किया गया। महिला सम्बन्धित शिकायतों के निस्तारण हेतु पुलिस द्वारा उपलब्ध करायी जा रही सुविधाओं यथा-हेल्प डेस्क, महिला साइबर सेल, महिला रिपोर्टिंग पुलिस चौकी, महिला पुलिस बूथ (पिंक बूथ), महिला पुलिस बीट, मिशन शक्ति केंद्र व महिला पीआरवी वाहन सहित व महिला हेल्पलाइन नंबरों के माध्यम से महिलाओं की समस्याओं का त्वरित निस्तारण किया जा रहा है। इसी क्रम में

जनपद के समस्त थाना क्षेत्र अंतर्गत महिला बीट पुलिस अधिकारियों द्वारा गांवों/कस्बों/स्कूलों/कॉलेजों/मंदिरों में भ्रमण कर प्राथमिकता के आधार पर महिला/बालिकाओं को जागरुक करने के साथ ही चौपाल का आयोजन कर महिलाओं एवं बालिकाओं को कम्युनिटी पुलिसिंग एवं महिला सशक्तिकरण के तहत महिला सुरक्षा व बचाव संबंधी जानकारी दी गई और शासन द्वारा जारी हेल्प लाइन नम्बर, जैसे-1090, 112, 1076, 1098, 108 की विस्तृत जानकारी देते हुए संकट के समय इनके प्रयोग हेतु बताया गया। साथ ही साइबर अपराधों के संबंध में अवगत कराते हुए इससे बचने और सतर्क रहने हेतु 1930 हेल्प लाइन नंबर का उपयोग करने के संबंध में जानकारी दी गई। सरकार द्वारा महिलाओं से संबंधित संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के संबंध में जानकारी देकर व पम्पलेट वितरित उन्हें जागरूक किया गया।

भाजपा कार्यालय उत्तर प्रदेश लखनऊ मैं आज वहां के कार्यालय प्रभारी भारत दीक्षित से मुलाकात हुई जहां पर उन्होंने कार्य पद्धति और भाजपा के विषय पर मार्गदर्शन दिया ऐसे महान अनुभवी जहां पर आप बैठे हैं कार्यालय भी एक मंदिर का रूप माना जाता है ऐसे मंदिर रूपी स्थान पर हमारी मुलाकात भारत दीक्षित से हुई मैं आपका आशीर्वाद प्राप्त किया और आपके मार्गदर्शन में पार्टी के दिशा निर्देशन में आगे भी पार्टी के लिए मजबूती प्रदान करता रहूंगा

ऑपरेशन टेबल तक ले जाकर बदला रुख, सरकारी अस्पताल में सुविधा न होने की बात कह मरीज को लौटाया

स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर उठे गंभीर सवाल

मंत्र भारत संवाददाता

ज्ञानपुर ।महाराजा चेत सिंह जिला अस्पताल ज्ञानपुर में मोतियाबिंद ऑपरेशन को लेकर स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही और अव्यवस्था का चौंकाने वाला मामला सामने आया है। ऑपरेशन के लिए पूरी प्रक्रिया पूरी कराने के बाद मरीज को ऐन वक्त पर यह कहकर लौटा दिया गया कि सरकारी अस्पताल में पर्याप्त सुविधा उपलब्ध नहीं है और कहीं अन्यत्र ऑपरेशन करा लिया जाए।

भिडिउरा निवासी प्रमोद दुबे एवं छत्रशाहपुर निवासी केशव नाथ यादव (पूर्व प्रधान) दोनों आंखों में मोतियाबिंद से पीड़ित हैं। मंगलवार 23 दिसंबर को दोनों मरीज जिला अस्पताल पहुंचे, जहां नेत्र सर्जन डॉ. प्रदीप कुमार द्वारा शुक्रवार को ऑपरेशन करने की तिथि निर्धारित की गई। चिकित्सक के निर्देश पर मरीजों ने शुगर, ब्लड प्रेशर सहित सभी आवश्यक जांच अस्पताल में ही कराईं।

निर्धारित तिथि शुक्रवार को सुबह करीब 9 बजे दोनों मरीज अस्पताल पहुंचे। भर्ती पर्चा बनाया गया और उन्हें ऑपरेशन कक्ष तक ले जाया गया। पीड़ित प्रमोद दुबे का आरोप है कि उन्हें ऑपरेशन टेबल पर लिटाकर आंख में दवा भी डाल दी गई, लेकिन इसके बाद डॉक्टर ने अचानक यह कहकर ऑपरेशन करने से मना कर दिया कि सरकारी अस्पताल में इस ऑपरेशन की पर्याप्त सुविधा नहीं है और कहीं और जाकर इलाज कराना बेहतर होगा।

मरीजों का कहना है कि वे न तो मानसिक रूप से घबराए हुए थे और न ही ऑपरेशन से पीछे हटे, बल्कि डॉक्टर की उक्त टिप्पणी के बाद ऑपरेशन कराना संभव ही नहीं रह गया। प्रमोद दुबे ने बताया कि आंख में डाली गई दवा के बाद से जलन बनी हुई है, जबकि दूसरे चिकित्सकों का कहना है कि दवा का असर खत्म होने के बाद ही दोबारा ऑपरेशन संभव होगा।

पहले से तय कार्यक्रम के बावजूद अंतिम समय में ऑपरेशन न किए जाने से मरीज और उनके परिजन आक्रोशित हैं। उनका कहना है कि यदि अस्पताल में सुविधा उपलब्ध नहीं थी तो ऑपरेशन की तिथि तय क्यों की गई, जांच क्यों कराई गई और मरीज को ऑपरेशन टेबल तक क्यों ले जाया गया।

यह मामला स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली, अस्पताल प्रबंधन और चिकित्सकीय जिम्मेदारी पर गंभीर सवाल खड़े करता है। इस संबंध में सीएमओ डॉक्टर संतोष चेक से बात की गई तो उन्होंने बताया कि फेको मशीन की सुविधा उपलब्ध नहीं है। मामला संज्ञान में हैं।प्रमोद दुबे के आरोपो कीजांच कराई जा चुकी है चिकित्सक व सुविधा उपलब्ध है वह ऑपरेशन करा सकते हैं।

व्यापार मंडल का कंबल वितरण आज

मंत्र भारत संवाददाता

गोपीगंज। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल गोपीगंज की ओर से मंगलवार 30 दिसंबर को 15 सौ कंबल वितरित किया जाएगा, नगर अध्यक्ष श्रीकांत जायसवाल ने बताया व्यापारियों के सहयोग से 30 दिसबर मंगलवार को सुबह 10:00 बजे से लगातार आठवीं बार कंबल का वितरण किया जाएगा। जिलाधिकारी शैलेश कुमार के साथ पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक पंद्रह सौ कंबल वितरण करेगे। कबल के लिए पात्र लोगों का चयन कर उन्हें कूपन दे दिया गया है। कूपन धारक को ही कंबल प्रदान किया जायेगा।

इंस्टाग्राम पर आत्महत्या संबंधी टैगलाइन की सूचना पर पुलिस की त्वरित कार्रवाई

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। थाना ऊंज क्षेत्र में एक युवक द्वारा इंस्टाग्राम पर आत्महत्या से संबंधित टैगलाइन के साथ वीडियो/स्टेटस अपलोड किए जाने की सूचना मेटा (इंस्टाग्राम) कंपनी से प्राप्त हुई। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन व अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल के पर्यवेक्षण में थाना ऊंज पुलिस द्वारा तत्काल कार्रवाई की गई।

प्रभारी निरीक्षक ऊंज पुलिस बल के साथ युवक के निवास स्थान पर पहुंचे और युवक व उसके परिजनों से वार्ता की। जांच में पाया गया कि युवक द्वारा भूलवश उक्त टैगलाइन लगाई गई थी, आत्महत्या का कोई प्रयास या इरादा नहीं था। युवक पूरी तरह सुरक्षित एवं स्वस्थ है। थाना ऊंज पुलिस द्वारा युवक की काउंसलिंग की गई तथा परिजनों को सतर्क रहने की सलाह दी गई। साथ ही सोशल मीडिया पर इस प्रकार की संवेदनशील टैगलाइन/कैप्शन के दुष्परिणामों के बारे में अवगत कराया गया। किसी भी मानसिक तनाव या समस्या की स्थिति में डायल 112, नजदीकी थाना अथवा परिजनों से संपर्क करने की सलाह दी

औराई ब्लॉक में प्रधानाध्यापकों व ग्राम प्रधानों का उन्मुखीकरण कार्यक्रम सम्पन्न

उत्कृष्ट कार्य करने वाले ग्राम प्रधान सम्मानित

मंत्र भारत संवाददाता

गोपीगंज।औराई ब्लॉक सभागार में प्रधानाध्यापकों एवं ग्राम प्रधानों का ब्लॉक स्तरीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम खंड शिक्षा अधिकारी रमाकांत सिंह सिंहरौल की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक औराई दीनानाथ भास्कर तथा विशिष्ट अतिथि खंड विकास अधिकारी दिलीप पासी रहे।

कार्यक्रम के दौरान विद्यालयों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले नारायनपुर, शिवरामपुर, रैपुरी, पूरेशम्भू, शायर, वारीगांव, कटेबना सहित कुल 10 ग्राम प्रधानों को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इसके साथ ही जनपद स्तरीय क्रीड़ा प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले ब्लॉक व्यायाम शिक्षक सभाजीत सिंह को भी सम्मानित किया गया।

मुख्य अतिथि विधायक दीनानाथ भास्कर ने बालिका शिक्षा पर विशेष जोर देते हुए कहा कि शिक्षा ही समाज के विकास की सबसे मजबूत नींव है और बालिकाओं की शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित प्रधानाध्यापकों, ग्राम प्रधानों एवं अधिकारियों को बाल विवाह रोकने की शपथ दिलाई गई।

नवजात का शव मिलने से गांव में मचा हड़कंप

मंत्र भारत संवाददाता

गोपीगंज। कोतवाली के औराई ब्लाक के माधोरामपुर ककराही के हरिजन बस्ती के समीप झाड़ियों में लगभग सात माह का नवजात शिशु का शव मिलने से गांव में सोमवार की सुबह हड़कंप मच गया मामले की जानकारी होती ही धीरे-धीरे गांव वालों की भीड़ नवजात किसी को देखने के लिए पहुंचने लगी। बताया जाता है कि सोमवार की सुबह गांव के बच्चे पतंग उड़ाने के लिए जब खेतों की तरफ गए तो झाड़ियां के पास नवजात बच्चे के शव को देखकर लोगों को बताना शुरू किया मौके पर गांव की महिलाएं पहुंच गई गांव के ही लोगों द्वारा इसकी जानकारी पुलिस को दी गई जानकारी होते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और नवजात शिशु के शव को कब्जे में ले लिया ग्रामीणों ने आशंका व्यक्त की आसपास तमाम नर्सिंग होम और अनाधिकृत अस्पतालों की भरमार हो गई है ऐसे में किसी ने लोक लाज के भय से नवजात बच्चे के शव को झाड़ियां में रात में फेंका होगा पुलिस ने कहा कि नवजात के शिशु का पोस्टमार्टम करा कर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

अब जिले की कमान संभालेंगे रमेश यादव, कोइरौना में हर्ष

पोस्टल सर्विस परीक्षा में ऑल इंडिया 9वीं रैंक, डाक अधीक्षक पद पर चयन

मंत्र भारत संवाददाता

ज्ञानपुर। भारत सरकार के अधीन डाक विभाग द्वारा वर्ष 2022 में आयोजित अखिल भारतीय पोस्टल सर्विस परीक्षा में ऑल इंडिया 9वीं रैंक प्राप्त कर रमेश यादव ने विभाग का नाम रोशन किया है। उनकी इस उल्लेखनीय सफलता के बाद उनका चयन डाक अधीक्षक पद पर हुआ है। शीघ्र ही उनके द्वारा जनपद भदोही की कमान संभालने की उम्मीद जताई जा रही है।

मूल रूप से उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जनपद के निवासी रमेश यादव ने प्रारंभिक शिक्षा गाजीपुर गवर्नमेंट सिटी इंटरमीडिएट कॉलेज से प्राप्त की। इसके बाद उन्होंने पीकॉलेज से परास्नातक (मास्टर्स) की डिग्री हासिल की। शुरू से ही मेधावी रहे रमेश यादव वर्ष 2012 बैच के डाक विभाग अधिकारी हैं और उन्होंने विभिन्न जिलों में अपनी सेवाएं दी हैं। डाक अधीक्षक पद पर चयन से पूर्व वे सहायक डाक अधीक्षक (मुख्यालय), राजकोट (गुजरात) के पद पर कार्यरत थे। इससे पहले वे सहायक डाक अधीक्षक मुख्यालय वाराणसी सहित वाराणसी एवं भदोही में भी सेवाएं दे चुके हैं। उनके कार्यभार संभालने से जिले में डाक विभाग की प्रशासनिक व्यवस्था को नई गति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

अपनी सफलता पर रमेश यादव ने अपनी पत्नी के सहयोग को विशेष रूप से सराहा तथा माता-पिता और भाई के आशीर्वाद को अपनी उपलब्धि का प्रमुख आधार बताया। उनकी यह सफलता युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत मानी जा रही है।

डाक अधीक्षक पद पर चयन की खुशी में कोइरोना बाजार स्थित डाक विभाग कार्यालय में कर्मचारियों द्वारा बैठक आयोजित कर मिठाइयां बांटी गईं। इस अवसर पर उप डाकपाल विनीत सिंह, अमित कुंडल, अविनाश सिंह, रवि प्रकाश, अरविंद कुमार, मोहित, रोहित सिंह सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

पंचायत चुनाव 2026 से पहले यूपी में खूनी संघर्ष!

चुनावी रंजिश में 2 भाइयों को गोली मारी, एक की मौत दूसरा घायल; पिता बोले- वोट नहीं दिया तो मार डाला

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के मथुरा जिले में जैत थानाक्षेत्र के एक गांव में प्रधान पक्ष के लोगों ने कथित तौर पर पिछले चुनाव में प्रतिपक्षी का साथ देने पर एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी और उसके भाई को गंभीर रूप से घायल कर दिया। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान नगला नेता गांव के राधा किशन (20) के रूप में हुई जबकि उसका भाई अनिल घायल हो गया। पुलिस ने रविवार रात हुई इस घटना में प्रधान समेत चार लोगों को नामजद करते हुए कुछ अज्ञात के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की है। उसने कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरु कर दी है। गांव में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

पुलिस अधीक्षक (एसपी-सिटी) राजीव कुमार सिंह के मुताबिक नगला नेता गांव में प्रधान योगेश सिंह एवं उदयवीर सिंह आमने-सामने रहते हैं। उदयवीर सिंह ने पिछले चुनाव में प्रधान के प्रतिपक्षी उम्मीदवार का समर्थन किया था, तभी से उन दोनों के परिवारों के बीच तनातनी चली आ रही है। पुलिस के अनुसार शुक्रवार शाम प्रधान पक्ष के लोगों ने उदयवीर के बेटे राधाकिशन को राल चौराहे पर घेरकर पीटा था। वह किसी तरह जान बचाकर भाग आया था। इस मामले में पीड़ित पक्ष ने रविवार को थाने में प्रधान पक्ष के विरुद्ध तहरीर दी थी। इसके बाद दोनों पक्षों में तनाव और ज्यादा बढ़ गया। राधाकिशन के पिता उदयवीर ने आरोप लगाया है कि पुलिस में शिकायत करने के बाद रविवार शाम करीब साढ़े छह बजे प्रधान पक्ष के लोगों ने उनके घर पर हमला बोल दिया।

उन्होंने मारपीट करने के बाद ताबड़तोड़ फायरिंग भी की, जिसमें एक गोली राधाकिशन के सिर में लगी, जबकि उसके भाई अनिल के हाथ में गोली लगी। दोनों भाइयों के लहूलुहान होकर जमीन पर गिरने के बाद हमलावर भाग निकले। इस घटना से गांव में अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस भी एसपी सिटी के नेतृत्व में मौके पर पहुंच गई और दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया। उपचार के दौरान राधाकिशन ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने प्रधान पक्ष के चार लोगों को हिरासत में

लिया। उदयवीर सिंह ने ग्राम प्रधान योगेश, उसके भाई नरेश एवं भतीजों-- अमित, दिनेश तथा कुछ अन्य लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

पुलिस अधीक्षक का कहना है कि चुनावी रंजिश में गोलीबारी में एक व्यक्ति की मौत हुई है। कुछ लोगों को हिरासत में लिया गया है। उनसे घटना के संबंध में पूछताछ जारी है। गांव में ऐहतियातन पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। उधर, वादी पक्ष का कहना है कि अगर पुलिस ने राधाकिशन को पीटे जाने के बाद दी गई शिकायत पर तुरंत कार्रवाई की होती तो संभवतः उसकी जान नहीं जाती। उनका आरोप है कि पुलिस ने इससे पूर्व भी रक्षाबंधन के दिन की गई मारपीट की शिकायत पर कोई संज्ञान नहीं लिया था। इससे भी प्रधान को शह मिल रही थी।

एफएसडीए का बड़ा एक्शन, कोडीनयुक्त कफ सिरप की पैरेलल सप्लाई चेन ध्वस्त

सीएम योगी के निर्देश पर हुई कार्रवाई

लखनऊ **(एजेंसी)**। योगी सरकार ने पिछले पौने नौ वर्षों में अवैध नशे के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की है। सूत्रों की मानें तो अगले माह एसआईटी जांच रिपोर्ट मुख्यमंत्री को सौंप सकती है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) को कोडिनयुक्त कफ सिरप एवं एनडीपीएस श्रेणी की औषधियों के अवैध भंडारण, क्रय-विक्रय, वितरण तथा अवैध डायवर्जन पर प्रभावी नियंत्रण के लिए अभियान चलाने के निर्देश दिए।

विभाग ने कोडिनयुक्त कफ सिरप के अवैध डायवर्जन को लेकर देश का सबसे बड़ा क्रैक डाउन शुरू करने से पहले अंदरुनी गहन जांच शुरू की। इस दौरान झारखंड, हरियाणा, हिमाचल, उत्तराखंड जैसे राज्यों में विवेचना की गई और यूपी के सुपर स्टॉकिस्ट और होलसेलर के साथ उनके कारोबारी रिश्तों के सबूत जुटाए। इसके बाद प्रदेश में क्रैक डाउन शुरू हुआ, जिसने सिरप के अवैध डायवर्जन की परतें उधेड़ दीं। एसएसडीए की रिपोर्ट के आधार पर पुलिस और एसटीएफ ने नशे के सौदागरों को दबोचने के लिए एक्शन शुरू किया। मुख्यमंत्री के निर्देश पर सिरप का नशे के रूप में इस्तेमाल करने वालों के खिलाफ एनडीपीएस और बीएनएस के तहत मुकदमे दर्ज किए गए।

इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने मामले में एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा चलाने को सही ठहराते हुए 22 मामलों में आरोपियों की रिट याचिकाओं को खारिज कर दिया। कोर्ट ने 22 मामलों में आरोपियों द्वारा अरेस्ट स्टे की रिट याचिकाओं को भी खारिज कर दिया। एफएसडीए ने पिछले तीन माह में कोडिनयुक्त कफ सिरप और एनडीपीएस श्रेणी की औषधियों के अवैध भंडारण, क्रय-विक्रय, वितरण तथा अवैध डायवर्जन पर

कुल 52 जनपदों में 332 से अधिक थोक औषधि विक्रय प्रतिष्ठानों की जांच की। जांच के दौरान प्राप्त अभिलेखीय एवं भौतिक साक्ष्यों के आधार पर 36 जनपदों की कुल 161 फर्मों/संचालकों के विरुद्ध बीएनएस तथा एनडीपीएस एक्ट की सुसंगत धाराओं के तहत रिपोर्ट दर्ज कराई गई।

वहीं, जिलाधिकारियों को गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई के लिए पत्र लिखा ताकि अवैध नशे के अर्जित संपत्ति को जब्त किया जा सके। सीएम के निर्देश पर एफएसडीए ने कोडिनयुक्त कफ सिरप की नशे के रूप में तस्करी करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की, जो पूरे देश में सबसे बड़ा क्रैक डाउन है। एफएसडीए ने रिपोर्ट सीएम और पुलिस को सौंपी। इसके आधार पर पुलिस और एसटीएफ ने 79 अभियोग दर्ज किये। इसमें अब तक 85 अभियुक्तों की गिरफ्तारी की जा चुकी है। वर्तमान में एक्शन चल रहा है। वहीं मामले में गठित एसआईटी भी जांच कर रही है।

महिला अपराध पर भाजपा का 'जीरो टॉलरेंस' का दावा पूरी तरह शून्य : अखिलेश यादव

लखनऊ **(एजेंसी)**। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार ने उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था को बर्बाद कर दिया है और महिला अपराध पर उसका 'जीरो टॉलरेंस' का दावा पूरी तरह शून्य साबित हुआ है। उन्होंने कहा कि देश में सबसे अधिक महिला अपराध की घटनाएं उत्तर प्रदेश में हो रही हैं और प्रदेश के हर हिस्से पूरब, पश्चिम, उत्तर और दक्षिण में बहन-बेटियों और माताओं के साथ अत्याचार की घटनाएं रोज सामने आ रही हैं।

अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में पुलिस बेलगाम है और भ्रष्टाचार चरम पर है। अपराधी और अराजक तत्व खुलेआम वारदातें कर रहे हैं, जबकि पुलिस-प्रशासन भाजपा नेताओं के दबाव में काम कर रहा है। इसका नतीजा यह है कि पीड़ितों को न्याय नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री का गृह जनपद गोरखपुर हो या प्रदेश के अन्य जिले कहीं भी अपराध रुकने का नाम नहीं ले रहे हैं। उन्होंने रामपुर में कार में छात्रा से छेड़छाड़ और दुष्कर्म के प्रयास तथा बस्ती में छेड़खानी की घटनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि ये तो महज उदाहरण हैं। पूरे प्रदेश में महिलाओं के साथ छेड़छाड़ और दुष्कर्म की घटनाएं बढ़ रही हैं और पुलिस इन पर नियंत्रण करने में विफल है। महिला अपराध के मामलों में उत्तर प्रदेश नंबर वन बन चुका है।

अखिलेश यादव ने कहा कि सपा की सरकार में महिलाओं की सुरक्षा के लिए 1090 सेवा शुरू

की गई थी, जहां एक फोन कॉल पर पुलिस तत्काल मदद पहुंचाती थी। भाजपा सरकार ने इस सेवा को भी बदहाल कर दिया, जिससे महिलाओं और बेटियों की सुरक्षा कमजोर हुई है। अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा शासन में हर तरह का अपराध और अवैध कारोबार बढ़ता जा रहा है। नशे का कारोबार ऊपर से नीचे तक फल-फूल रहा है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि अपराध के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' का जुमला कहीं नशे में पड़ा होगा, तभी अपराधी और माफिया बेखौफ होकर अपना नशीला और जहरीला कारोबार चला रहे हैं। इन अवैध कारोबारियों को सत्ता का संरक्षण प्राप्त है, जबकि पुलिस-प्रशासन मूक दर्शक बना हुआ है। भाजपा सरकार उत्तर प्रदेश को बर्बादी की ओर ले जा रही है। इस सरकार में न महिलाएं सुरक्षित हैं, न युवा और न ही व्यापारी।

रामपुर में भूसे से लदा ट्रक पलटा, उत्तर प्रदेश सरकार लिखी बोलेरो चालक की दबकर मौत

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के रामपुर जिले में रविवार को एक दर्दनाक हादसा हुआ। भूसे से भरा ट्रक पलटकर सामने जा रही बोलेरो पर गिर गया, जिससे बोलेरो चालक की मौके पर मौत हो गई। घटना थाना क्षेत्र गंज के पास हुई।

पुलिस अधीक्षक विद्यासागर मिश्री ने बताया कि पहाड़ी गेट के पास भूसे से लदा ट्रक अचानक पलट गया और सामने जा रही बोलेरो को दबा दिया। बोलेरो पर उत्तर प्रदेश सरकार लिखा हुआ था। हादसे के बाद इंस्पेक्टर कोतवाली, गंज, सिविल लाइंस और सीओ सिटी व सीओ स्वर मौके पर पहुंचे।

बोलेरो के चालक की पहचान पोस्टमार्टम के बाद की जाएगी। मोबाइल नंबर के आधार पर परिजनों से संपर्क किया जा रहा है। ट्रक को कब्जे में ले लिया गया और क्रेन व जेसीबी की मदद से बोलेरो के ऊपर से उठाया गया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

हादसे का सीसीटीवी वीडियो भी सामने आया है। वीडियो में देखा जा सकता है कि ट्रक पीछे से आई और आगे निकलते समय बोलेरो से टकरा गई। जब ट्रक बोलेरो के बराबर में था, तभी मुड़ते समय पलट गया और बोलेरो पूरी तरह दब गई।

यह हादसा एक बार फिर ट्रकों और बड़े वाहनों में ओवरलोडिंग को लेकर बहस को हवा दे रहा है। सरकार समय-समय पर ओवरलोडिंग के खिलाफ कार्रवाई का दावा करती है, लेकिन जमीन पर इसका असर अक्सर नजर नहीं आता।

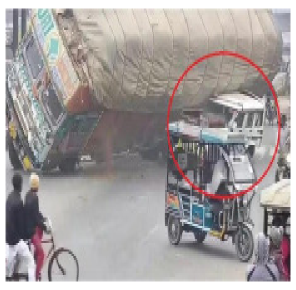

प्रदेश अध्यक्ष के कार्यक्रम में भाजपा नेता की जेब से हो गई चोरी

भावुक होकर बोले- 50 हजार की पूरी गड्डी गिर गई

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के गाजियाबाद में नव-नियुक्त भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के स्वागत कार्यक्रम के दौरान एक स्थानीय भाजपा नेता की जेब से 50 हजार रुपये नकद गायब हो गए। यह घटना कार्यक्रम स्थल पर मौजूद भारी भीड़ के बीच हुई, जिससे कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

बताया जा रहा है कि कार्यक्रम में भाजपा किसान मोर्चा के महानगर अध्यक्ष पंकज भारद्वाज भी मौजूद थे। जब नेता को पैसे गिरने या जेब कटने का शक हुआ तो आसपास काफी देर तक खोजबीन की गई, लेकिन रकम नहीं मिली। इसके बाद स्थिति गंभीर हो गई। जब पैसे नहीं मिले तो पंकज भारद्वाज मंच पर पहुंचे और माइक के जरिए कार्यकर्ताओं से अपील की। उन्होंने कहा कि, पर्स गिर गया है...पूरी गड्डी गिर गई है, 50 हजार रुपये की। कृपया जिस कार्यकर्ता को मिल गया हो...वह बड़ा दिल दिखाते हुए, कृपया हमारे मंडल के महामंत्री को पकड़ा दें...।

इस दौरान किसी ने मंच से की गई अपील का वीडियो बना लिया, जो बाद में सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वीडियो पर लोग तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। कुछ लोग सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठा रहे हैं, जबकि कुछ इसे भीड़ की लापरवाही या जेबकतरी की घटना बता रहे हैं। वहीं, इतनी बड़ी रकम गायब होने के बावजूद अब तक पुलिस में कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है। प्रदेश अध्यक्ष के बड़े कार्यक्रम में इस तरह की घटना होने से सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं। यह मामला गाजियाबाद समेत पूरे प्रदेश में चर्चा का विषय बना हुआ है।

सेना के लिए 79, 000 करोड़ के हथियार राजनाथ सिंह बोले- अब बढ़ेगी परिचालन क्षमता

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) द्वारा सशस्त्र बलों के विभिन्न प्रस्तावों को आवश्यकता स्वीकृति (एओएन) दिए जाने के बाद, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस बात पर जोर दिया कि मंत्रालय भारत की रक्षा तैयारियों को मजबूत करने के लिए अथक प्रयास कर रहा है और लिए गए निर्णय सशस्त्र बलों की परिचालन क्षमताओं को बढ़ाने में सहायक होंगे। यह तब हुआ जब रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) ने तीनों सेनाओं के लगभग 79, 000 करोड़ रुपये के विभिन्न प्रस्तावों को आवश्यकता स्वीकृति (एओएन) दी।

एक पोस्ट में राजनाथ सिंह ने लिखा कि आज हुई रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) की बैठक में तीनों सेनाओं के लगभग 79, 000 करोड़ रुपये के विभिन्न प्रस्तावों को आवश्यकता स्वीकृति (एओएन) दी गई। पोस्ट में आगे कहा गया, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में रक्षा मंत्रालय भारत की रक्षा तैयारियों को मजबूत करने के लिए अथक प्रयास कर रहा है। आज लिए गए निर्णय सशस्त्र बलों की परिचालन क्षमताओं को बढ़ाने में सहायक होंगे।'

रक्षा मंत्रालय के अनुसार, 29 दिसंबर, 2025 को हुई बैठक में, तोपखाने रेजिमेंटों के लिए लोइटर मुनिशन सिस्टम, लो लेवल लाइट वेट रडार, पिनाका मल्टीपल लॉन्च रॉकेट सिस्टम (एमआरएलएस) के लिए लंबी दूरी के गाइडेड रॉकेट गोला-बारूद और भारतीय सेना के लिए इंटीग्रेटेड ड्रोन डिटेक्शन एंड इंटरडिक्शन सिस्टम एमके-2 की खरीद के लिए एओएन को मंजूरी दी गई।

लोइटर मुनिशन का उपयोग सामरिक लक्ष्यों पर सटीक हमले के लिए किया जाएगा, जबकि लो लेवल लाइट वेट रडार छोटे आकार के, कम ऊंचाई पर उड़ने वाले मानवरहित हवाई प्रणालियों (यूरोपीय प्रणालियों) का पता लगाने और उन पर नज़र रखने में सक्षम होंगे। लंबी दूरी के गाइडेड रॉकेट पिनाका एमआरएलएस की रेंज और सटीकता को बढ़ाएंगे, जिससे उच्च-मूल्य वाले लक्ष्यों को प्रभावी ढंग से निशाना बनाया जा सकेगा। मंत्रालय ने बताया कि बढ़ी हुई रेंज वाला इंटीग्रेटेड ड्रोन डिटेक्शन एंड इंटरडिक्शन सिस्टम एमके-2 सामरिक युद्ध क्षेत्र और भीतरी इलाकों में भारतीय सेना की महत्वपूर्ण संपत्तियों की रक्षा करेगा। भारतीय नौसेना को बोलार्ड पुल (बीपी) टग्स, हाई फ्रीक्वेंसी सॉफ्टवेयर डिफाइंड रेडियो (एचएफ एसडीआर) मैनपैक की खरीद और हाई एल्टीट्यूड लॉन्ग रेंज (एचएएलई) रिमोटली पायलेटेड एयरक्राफ्ट सिस्टम (आरपीएएस) के पट्टे के लिए एओएन प्रदान किया गया था।

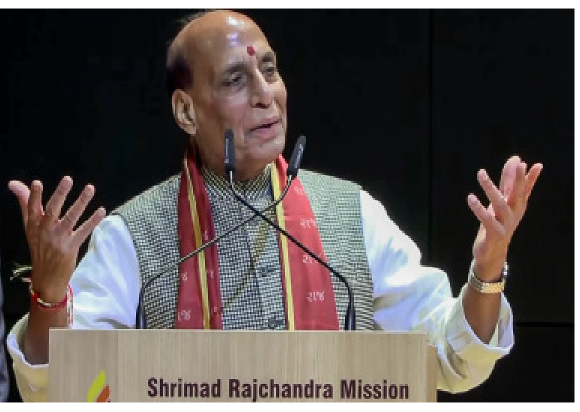

मुख्यमंत्री सुक्खु का केंद्र पर हमला

एमजीएनआरईजीए रद्द करना ग्रामीण विरोधी लाखों परिवारों की आजीविका पर संकट

शिमला **(एजेंसी)**। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खु ने सोमवार को अपने मंत्रिमंडल के सदस्यों के साथ शिमला के रिज स्थित महात्मा गांधी प्रतिमा के पास केंद्र सरकार के एमजीएनआरईजीए योजना को बंद करने के फैसले के विरोध में प्रदर्शन किया। एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने इस कदम को घोर ग्रामीण विरोधी और लाखों ग्रामीण परिवारों की आजीविका सुरक्षा के लिए हानिकारक बताया।

सुक्खु ने कहा कि एमजीएनआरईजीए योजना, जिसे पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और वरिष्ठ कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार द्वारा परिकल्पित और कार्यान्वित किया गया था, ग्रामीण रोजगार और समावेशी विकास का आधारशिला रही है। उन्होंने बताया कि पहले की व्यवस्था के तहत, एमजीएनआरईजीए के अंतर्गत कार्यों की योजना और क्रियान्वयन ग्राम पंचायतों और ग्राम सभाओं

के प्रस्तावों के आधार पर किया जाता था, जो स्थानीय प्राथमिकताओं को दर्शाता था और जमीनी स्तर पर भागीदारी सुनिश्चित करता था।

हालांकि, नई व्यवस्था में पंचायतों को दरकिनार कर दिया गया है, क्योंकि योजना प्राधिकरण को केंद्रीकृत कर दिया गया है और अब केंद्र सरकार द्वारा सीधे निधि आवंटित की जाएगी, तथा परियोजनाओं को चयनित क्षेत्रों के लिए अधिसूचित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी इस जनविरोधी निर्णय को उजागर करने के लिए राज्य भर में जिला और ब्लॉक स्तर पर विरोध प्रदर्शन आयोजित करके अपना विरोध तेज करेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हिमाचल प्रदेश सबसे अधिक प्रभावित राज्यों में से एक होगा। उन्होंने कहा, 'पहले केंद्र सरकार एमजीएनआरईजीए के तहत पूरी मजदूरी का भुगतान करती थी, जबकि राज्य सरकार श्रमिकों को प्रतिदिन 80 रुपये का अतिरिक्त प्रोत्साहन देती थी। संशोधित व्यवस्था के तहत, केंद्र सरकार केवल 90 प्रतिशत मजदूरी का भुगतान करेगी, शेष राशि राज्य सरकार को वहन करनी होगी।'

मुख्यमंत्री सुखु ने जोर देकर कहा कि एमजीएनआरईजीए को पंचायतों की मांगों और स्थानीय विकास आवश्यकताओं से प्रेरित होकर अपने मूल स्वरूप में जारी रखना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि एमजीएनआरईजीए के तहत जिला परिषदों में तैनात अधिकारियों और कर्मचारियों के वेतन का भुगतान भी बंद कर दिया गया है, जिससे योजना के प्रभावी कार्यान्वयन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।

अरावली विवाद : सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का किया स्वागत, दोहराई संरक्षण की प्रतिबद्धता

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने सोमवार को सर्वोच्च न्यायालय के उस फैसले का स्वागत किया जिसमें उसने 20 नवंबर के अपने उस फैसले को स्थगित कर दिया था जिसमें उसने केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय द्वारा अरावली पहाड़ियों और अरावली पर्वतमाला की परिभाषा को स्वीकार किया था। उन्होंने पर्वतमाला के संरक्षण और पुनर्स्थापन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। एक पोस्ट में भूपेंद्र यादव ने कहा कि मैं अरावली पर्वतमाला से संबंधित अपने आदेश पर रोक लगाने और मुद्दों का अध्ययन करने के लिए एक नई समिति के गठन के सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों का स्वागत करता हूं। हम अरावली पर्वतमाला के संरक्षण और पुनर्स्थापन में पर्यावरण, पर्यावरण और सामुदायिक सेवा एवं परिवहन आयोग (एमओईएफसीसी) से मांगी गई हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

भूपेंद्र यादव ने आगे कहा कि वर्तमान स्थिति के अनुसार, नए खनन पट्टों या पुराने खनन पट्टों के नवीनीकरण के संबंध में खनन पर पूर्ण प्रतिबंध बरकरार है। कांग्रेस नेता और राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री ने भी सर्वोच्च न्यायालय के फैसले का स्वागत किया। इस घटनाक्रम पर बोलते हुए गहलोत ने कहा कि हमें बहुत खुशी है कि सर्वोच्च न्यायालय ने आज रोक लगा दी है। हम इसका स्वागत करते हैं और आशा करते हैं कि सरकार भी जनता की इच्छा को समझेगी। चारों राज्यों की जनता, और वास्तव में पूरे देश की जनता, इस आंदोलन में शामिल हुई है, सड़कों पर उतरी है, मीडिया को बयान दिए हैं और विभिन्न रूपों में विरोध प्रदर्शन किया है। यह समझ से परे है कि मंत्री जी इसे क्यों नहीं समझ पा रहे हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने अरावली पहाड़ियों और अरावली पर्वतमाला की केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय की परिभाषा को स्वीकार करने के अपने पूर्व निर्णय (20 नवंबर को जारी) को स्थगित कर दिया है। नवंबर मं सर्वोच्च न्यायालय द्वारा उक्त परिभाषा को स्वीकार किए जाने से अरावली क्षेत्र का अधिकांश भाग विनियमित खनन गतिविधियों के लिए उपयोग किए जाने की संभावना के दायरे में आ गया था।

मानवता पर गहरा आघात, सिंधिया ने की देहरादून में त्रिपुरा के छात्रों पर हुए हमले की निंदा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। केंद्रीय संचार एवं उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्री (डीओएनईआर) ज्योतिरादित्य सिंधिया ने सोमवार को देहरादून में त्रिपुरा के छात्रों एंजेल चकमा और माइकल पर हुए क्रूर हमले पर गहरा दुख व्यक्त किया और इस घटना को 'मानवता और संवेदनशीलता पर एक गंभीर आघात बताया। एक्स पर साझा किए गए एक पोस्ट में सिंधिया ने कहा देहरादून में त्रिपुरा के एंजेल चकमा और माइकल के साथ हुई अमानवीय घटना ने मुझे गहराई से व्यथित और स्तब्ध किया है।यह केवल एक आपराधिक घटना नहीं, बल्कि मानवता और संवेदनशीलता पर गहरा आघात है। मैं पीड़ितों के परिवार के असहनीय दुख को समझता हूँ और इस कठिन घड़ी में उनके साथ खड़ा हूँ।इस गंभीर प्रकरण को लेकर मैंने उत्तराखंड के माननीय मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी जी से विस्तार से संवाद किया और दृढ़ता के साथ आग्रह किया है कि इस मामले की निष्पक्ष, त्वरित और कठोरतम जांच सुनिश्चित की जाए तथा दोषियों को कानून के दायरे में लाकर उन्हें कड़ी से कड़ी सज़ा दिलाई जाए, ताकि पीड़ितों को न्याय मिल सके और समाज में यह स्पष्ट संदेश जाए कि ऐसे अपराधों के लिए कोई स्थान नहीं है। साथ ही, त्रिपुरा के माननीय मुख्यमंत्री मानिक साहा जी से इस विषय पर संवाद करते हुए स्पष्ट किया कि इस कठिन समय में केंद्र सरकार प्रदेश के साथ पूरी मजबूती से खड़ी है। मानव गरिमा के विरुद्ध ऐसे अपराध हमारे समाज और संविधान दोनों के मूल्यों पर सीधा प्रहार हैं, जिन्हें किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं किया जा सकता है। इससे पहले, 9 दिसंबर को देहरादून में एमबीए छात्र अंजेल चकमा पर बदमाशों के एक समूह ने चाकू और अन्य धारदार वस्तुओं से हमला किया था, जिसके बाद अस्पताल में इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। इस घटना के संबंध में पांच लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

अरावली विवाद : जयराम रमेश का दावा सुप्रीम कोर्ट ने पर्यावरण मंत्री की खोली पोल

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने सोमवार को कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने अरावली पहाड़ियों की पुनर्परिभाषा को लेकर चल रहे विवाद को स्पष्ट कर दिया है और केंद्रीय पर्यावरण मंत्री के कार्यों का पर्दाफाश कर दिया है। रमेश ने कहा कि पिछले कुछ दिनों से पर्यावरण मंत्री अरावली की पुनर्परिभाषा के मुद्दे पर मुझ पर और राजस्थान के तीन बार मुख्यमंत्री रह चुके अशोक गहलोत पर राजनीति करने का आरोप लगा रहे थे। आज सुप्रीम कोर्ट में यह मामला साफ हो गया है। सुप्रीम कोर्ट ने भारत सरकार द्वारा आगे बढ़ाई जा रही अरावली की पुनर्परिभाषा पर रोक लगा दी है।

रमेश ने आरोप लगाया कि सरकार अरावली के संवेदनशील पारिस्थितिकी तंत्र को नष्ट करने पर तुली हुई है, जो दिल्ली, हरियाणा, गुजरात और विशेष रूप से राजस्थान के लिए बेहद महत्वपूर्ण है - राजस्थान के उन 19 जिलों के लिए जहां से पर्यावरण मंत्री आते हैं। रमेश ने आगे कहा कि वह सरिस्का अभ्यारण्य में बाघों के महत्वपूर्ण आवास की सीमाओं को फिर से निर्धारित करने में व्यस्त हैं और अरावली पर वह अशोक गहलोत और मुझ पर राजनीति करने का आरोप लगा रहे थे, और आज सुप्रीम कोर्ट में उनका पर्दाफाश हो गया है।

इस बीच, अशोक गहलोत ने सोमवार को सर्वोच्च न्यायालय के उस फैसले का स्वागत किया जिसमें उसने 20 नवंबर के उस फैसले को स्थगित कर दिया था जिसमें उसने केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय द्वारा अरावली पहाड़ियों और अरावली पर्वतमाला की परिभाषा को स्वीकार किया था। उन्होंने कहा, 'हमें बहुत खुशी है कि सर्वोच्च न्यायालय ने आज स्थगन आदेश जारी किया है। हम इसका स्वागत करते हैं और आशा करते हैं कि सरकार भी जनता की इच्छा को समझेगी। चारों राज्यों की जनता, और वास्तव में पूरे देश की जनता, इस आंदोलन में शामिल हुई है, सड़कों पर उतरी है, मीडिया को बयान दिए हैं और विभिन्न रूपों में विरोध प्रदर्शन किया है। यह समझ से परे है कि मंत्री जी इसे क्यों नहीं समझ पा रहे हैं।'

इन दोनों में से किसी को मिल सकती है राजस्थान रॉयल्स की कप्तानी : उथप्पा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। पूर्व भारतीय क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा का मानना है कि इंडियन प्रीमियर लीग के आने वाले सीजन में राजस्थान रॉयल्स (आरआर) की सफलता के लिए लीडरशिप एक अहम फैक्टर होगा। आईपीएल 2026 के मिनी-ऑक्शन के बाद फ्रेंचाइजी ने रविंद्र जडेजा, सैम करन और लेग-स्पिनर रवि बिश्नोई जैसे अहम ट्रेड और खिलाड़ियों को शामिल करके एक मजबूत टीम बनाई है। हालांकि कप्तानी अभी भी एक अनसुलझा सवाल है, क्योंकि टीम ने अपने संजू सैमसन को चेन्नई सुपर किंग्स को ट्रेड कर दिया है।

जियोस्टार से बात करते हुए पूर्व भारतीय बल्लेबाज ने राजस्थान रॉयल्स के बॉलिंग अटैक की तारीफ की और अलग-अलग ऑप्शन के लिए लगभग 10 तेज गेंदबाजों के होने के फायदे बताए। उथप्पा ने कहा, 'राजस्थान रॉयल्स के पास यह फायदा है कि उनके पास 10 तेज गेंदबाज हैं, जो बहुत सारे ऑप्शन देते हैं। अगर वे जयपुर के एसएमएस स्टेडियम में सही जगह पर गेंदबाजी करते हैं, तो वे बहुत सफल हो सकते हैं। बिश्नोई और जडेजा जैसे स्पिनरों के साथ शिमरोन हेटमायर और डोनोवन फरेरा का साथ और ध्रुव जुरेल और रियान पराग के साथ बैटिंग ऑर्डर में गहराई, अब उनके पास एक अच्छी ऑलराउंड टीम है।'

टीम की कप्तानी पर उन्होंने आगे कहा, 'एक ही सवाल लीडरशिप का है। मुझे लगता है कि कप्तानी शायद रियान पराग और रविंद्र जडेजा के बीच होगी जबकि जायसवाल को थोड़ा और इंतजार करना पड़ सकता है।'

दिग्गज स्पिनर कुंबले ने भी टीम के बैलेंस की बात दोहराई जिसमें टैलेंटेड युवा, साबित हो चुके खिलाड़ी और वर्सेटाइल ऑलराउंडर शामिल हैं। उन्होंने जोफ्रा आर्चर जैसे अहम तेज गेंदबाजों की फिटनेस की चिंताओं पर जोर दिया, लेकिन अपनी सबसे मजबूत बात लीडरशिप पर कही।

कुंबले ने कहा, 'जब आप इस लाइनअप को देखते हैं, तो कप्तानी सबसे अहम फैक्टर होगी। अगर आप संजू सैमसन जैसी पर्सनैलिटी को राजस्थान रॉयल्स में दोहराना चाहते हैं, तो ध्रुव जुरेल शायद सबसे करीबी हैं। इसके अलावा टीम मजबूत है, जिसमें टैलेंटेड युवा, साबित हो चुके खिलाड़ी और ऑलराउंडर हैं। आईपीएल की शुरुआत में जोफ्रा आर्चर जैसे अहम खिलाड़ियों की फिटनेस भी बहुत जरूरी है। आखिरकार मैनेजमेंट को यह पहचानना और बताना होगा कि कप्तान कौन होगा।'

गौतम गंभीर को टेस्ट कोच पद से हटाया जाएगा? राजीव शुक्ला ने अफवाहों पर तोड़ी चुप्पी

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने उन खबरों का खंडन किया है जिनमें कहा गया था कि बोर्ड टेस्ट फॉर्मेट में गौतम गंभीर की जगह किसी नए हेड कोच को नियुक्त करने पर विचार कर रहा है। इससे पहले मीडिया रिपोर्ट्स में बताया गया था कि पूर्व भारतीय क्रिकेटर वीवीएस लक्ष्मण से गंभीर की जगह भारत का अगला टेस्ट कोच बनने के लिए संपर्क किया गया था।

ये मीडिया रिपोर्ट्स तब आईं जब भारत को गौतम गंभीर की कप्तानी में घर पर दक्षिण अफ्रीका से 0-2 से टेस्ट सीरीज में हार का सामना करना पड़ा, यह लगातार दूसरे साल दूसरी हार थी पिछले साल इसी कोच के तहत न्यूजीलैंड से 0-3 से शर्मनाक हार मिली थी। न्यूजीलैंड से मिली हार के कारण एक समय अच्छी स्थिति में रही भारतीय टीम आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025 के फाइनल में जगह बनाने से चूक गई और प्रोटियाज के खिलाफ इस हार से उन्हें प्रतिष्ठित एक-ऑफ टेस्ट चैंपियनशिप मुकाबले में जगह गंवाने का भी खतरा हो सकता है, यह इस बात पर निर्भर करेगा कि आगे के नतीजे कैसे रहते हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स पर प्रतिक्रिया देते हुए बीसीसीआई उपाध्यक्ष शुक्ला ने साफ किया है कि गंभीर को भारतीय टेस्ट टीम के हेड कोच के पद से नहीं हटाया जाएगा। शुक्ला ने कहा, 'मैं हेड कोच गौतम गंभीर के बारे में मीडिया में चल रही अटकलों के बारे में बहुत साफ करना चाहता हूं। बीसीसीआई सचिव (देवजीत सैकिया) ने भी यह बहुत साफ कर दिया है कि गंभीर को हटाने या भारत के लिए कोई नया हेड कोच लाने का कोई प्लान नहीं है।'

इससे पहले बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने कहा कि बोर्ड ने खेल के सबसे लंबे फॉर्मेट में लीडरशिप ग्रुप में बदलाव के लिए कोई कदम नहीं उठाया है। सैकिया ने कहा, 'यह पूरी तरह से गलत खबर चल रही है। यह पूरी तरह से अटकलों वाली खबर है। कुछ बहुत प्रतिष्ठित समाचार एजेंसियां भी इस खबर को दिखा रही हैं। इसमें कोई सच्चाई नहीं है। बीसीसीआई सीधे तौर पर इसका खंडन करता है। लोग जो चाहें सोच सकते हैं, लेकिन बीसीसीआई ने कोई कदम नहीं उठाया है। यह किसी की कल्पना की उपज है; इसमें कोई सच्चाई नहीं है, और मैं इसके अलावा कुछ नहीं कह सकता कि यह तथ्यात्मक रूप से गलत और निराधार खबर है।'

घरेलू विमानन उद्योग को चालू वित्त वर्ष में 18, 000 करोड़ रुपए तक का घाटा होने का अनुमान : इक्रा

मुंबई **(एजेंसी)**। घरेलू विमानन उद्योग को यात्रियों की संख्या में संभावित कमी और अन्य कारकों के कारण चालू वित्त वर्ष 2025-26 में करीब 17, 000-18, 000 करोड़ रुपए का शुद्ध घाटा होने का अनुमान है। रेटिंग एजेंसी इक्रा ने सोमवार को यह बात कही। इससे पहले, अनुमान लगाया गया था कि उद्योग को 2025-26 के दौरान 9, 500-10, 500 करोड़ रुपए का घाटा होगा। इक्रा ने इस वर्ष जून में एयर इंडिया के बोइंग 787-8 विमान दुर्घटना और इस महीने की शुरुआत में इंडिगो द्वारा हजारों उड़ानों के रद्द होने सहित कई कारकों के कारण वित्त वर्ष 2025-26 में घरेलू हवाई यात्री यातायात वृद्धि के अपने पूर्वानुमान को घटाकर शून्य से तीन प्रतिशत कर दिया है। जबकि पहले उसने चार से छह प्रतिशत का अनुमान लगाया था। इक्रा ने कहा कि यह संशोधन वित्त वर्ष 2025-26 की अप्रैल-नवंबर अवधि में उम्मीद से धीमी यातायात वृद्धि के कारण है जो सीमा पार तनाव बढ़ने से प्रभावित हुई थी। इससे कारण वर्ष के दौरान उड़ानें बाधित और रद्द हुईं।

साथ ही जून में हुई (एयर इंडिया) विमान दुर्घटना त्रासदी ने यात्री कुछ समय के लिए ही सही लेकिन यात्रा करने में संकोच करते नजर आए। इंडिगो की उड़ानों के रद्द होने से हालांकि उद्योग के कुल वार्षिक प्रस्थान का केवल 0.4 प्रतिशत ही प्रभावित हुआ लेकिन इक्रा ने कहा कि इंडिगो के परिचालन व्यवधान से यात्रा संबंधी धारणाओं में नरमी आने का अनुमान है। इक्रा ने कहा कि उसने चालू वित्त वर्ष के लिए भारतीय विमानन कंपनियों के अंतरराष्ट्रीय हवाई यात्री यातायात वृद्धि पूर्वानुमान को भी अपने पहले के 13-15 प्रतिशत के अनुमान से संशोधित करके 7-9 प्रतिशत कर दिया है। रेटिंग एजेंसी के अनुसार, अप्रैल-नवंबर 2025 के दौरान घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या करीब 10.96 करोड़ रही जो पिछले वर्ष की तुलना में 2.2 प्रतिशत अधिक है।

आयात निर्भरता घटाने की तैयारी में भारत चीन पर बढ़ती निर्भरता बनी चिंता

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारत सरकार आयात पर निर्भरता कम करने के लिए बड़ा कदम उठाने की तैयारी में है। खासतौर पर चीन जैसे एकल स्रोत पर बढ़ती निर्भरता को लेकर सरकार गंभीर नजर आ रही है। इसी को ध्यान में रखते हुए आगामी बजट में कुछ चुनिंदा वस्तुओं पर कस्टम ड्यूटी बढ़ाने और घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए विशेष प्रोत्साहन देने की योजना बनाई जा रही है।

सरकारी सूत्रों के मुताबिक, ऐसे कई उत्पाद हैं जिनका देश में उत्पादन होने के बावजूद आयात लगातार ऊंचा बना हुआ है। सरकार का मकसद मर्चेंडाइज ट्रेड गैप को कम करना और सप्लाई चेन को जोखिम से बाहर निकालना है। यह प्रस्ताव आगामी बजट में पेश किया जा सकता है। अप्रैल से नवंबर 2025 के दौरान भारत का कुल आयात 515.2 अरब डॉलर तक पहुंच गया। इसमें सबसे बड़ा हिस्सा चीन से आने वाले सामानों का रहा, जो 84.2 अरब डॉलर रहा। इसके बाद रूस से 40.8 अरब डॉलर, अमेरिका से 35.4 अरब डॉलर और सऊदी अरब से 20.4 अरब डॉलर का आयात हुआ।

आंकड़ों के मुताबिक भारत के प्रमुख आयात में कच्चा पेट्रोलियम सबसे ऊपर रहा, जिसका आयात 121 अरब डॉलर रहा। इसके अलावा इलेक्ट्रॉनिक्स का आयात 74.4 अरब डॉलर, सोने का 45.2 अरब डॉलर, मशीनरी का 39.8 अरब डॉलर और ट्रांसपोर्ट इक्विपमेंट का आयात 22.4 अरब डॉलर दर्ज किया गया।

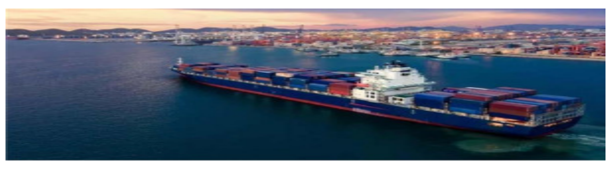

वाहन उद्योग साल 2025 को रिकॉर्ड बिक्री के साथ करेगा विदा, 2.8 करोड़ वाहन बिक्री का अनुमान

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। साल की शुरुआत में सुस्त मांग के बाद ऑटो सेक्टर ने जबरदस्त वापसी की है। 31 दिसंबर तक कुल वाहन बिक्री 2.8 करोड़ के पार पहुंचने की उम्मीद है, जो महामारी के बाद का अब तक का सबसे मजबूत प्रदर्शन माना जा रहा है।

वाहन पोर्टल के आंकड़ों के मुताबिक, रविवार तक कुल बिक्री 2.79 करोड़ रही, जबकि रोजाना औसतन 77, 000 से अधिक वाहन बिक रहे हैं। इस रफ्तार से साल का आंकड़ा 2.82 करोड़ के करीब पहुंच सकता है। उल्लेखनीय है कि महामारी से पहले 2018 में 2.54 करोड़ वाहनों की बिक्री हुई थी, जिसे 2024 में पहली बार पार किया गया।

उद्योग विशेषज्ञों के अनुसार, इस उछाल के पीछे जीएसटी 2.0 सुधार, आयकर स्लैब में बदलाव और नीतिगत ब्याज दरों में चार कटौतियां अहम कारण रहीं। इन फैसलों से उपभोक्ताओं की क्रय शक्ति बढ़ी और बाजार में मांग को मजबूती मिली।

फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशंस के उपाध्यक्ष साई गिरिधर ने कहा कि सितंबर में जीएसटी सुधार लागू होने तक उद्योग की वृद्धि दर एक अंक में सीमित थी। उन्होंने बताया कि कर सुधार और ब्याज दरों में कटौती के बाद कम लागत पर फंडिंग उपलब्ध हुई, जबकि आयकर राहत से मध्यवर्ग को सीधा फायदा मिला, जिससे खरीदारी बढ़ी।

इक्रा के वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्रीकुमार कृष्णमूर्ति ने कहा कि त्योहारों के मौसम ने खपत को मजबूती दी, जबकि अच्छे मॉनसून, ग्रामीण सकारात्मकता, जीएसटी सुधार और ब्याज दर कटौती ने इसे सहारा दिया। उन्होंने आगाह किया कि आने वाले साल में वैश्विक मांग में नरमी, सप्लाई चेन बाधाएं और अमेरिकी टैरिफ जैसे जोखिमों पर नजर रखना जरूरी होगा।

औद्योगिक उत्पादन में वृद्धि नवंबर में दो साल के उच्च स्तर 6.7 प्रतिशत पर

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। खनन और विनिर्माण क्षेत्रों के मजबूत प्रदर्शन से नवंबर महीने में देश के औद्योगिक उत्पादन में वृद्धि दर दो साल के उच्च स्तर 6.7 प्रतिशत पर पहुंच गयी। यह जानकारी सोमवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों में दी गई। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के आंकड़ों के मुताबिक, औद्योगिक उत्पादन को मापने वाला औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) नवंबर, 2024 में पांच प्रतिशत बढ़ा था। इससे पहले औद्योगिक उत्पादन का उच्च स्तर नवंबर, 2023 में 11.9 प्रतिशत दर्ज किया गया था। इसके साथ एनएसओ ने अक्टूबर 2025 के लिए औद्योगिक उत्पादन वृद्धि के आंकड़े को भी संशोधित किया है। अक्टूबर के लिए आईआईपी वृद्धि को बढ़ाकर 0.5 प्रतिशत कर दिया गया है जबकि पिछले महीने जारी अस्थायी अनुमान 0.4 प्रतिशत का था।

आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, नवंबर 2025 में विनिर्माण क्षेत्र का उत्पादन आठ प्रतिशत बढ़ा, जो एक साल पहले इसी महीने में 5.5 प्रतिशत की वृद्धि पर था। खनन क्षेत्र का उत्पादन भी नवंबर में 5.4 प्रतिशत बढ़ा जबकि नवंबर 2024 में यह वृद्धि 1.9 प्रतिशत रही थी। हालांकि, बिजली उत्पादन का प्रदर्शन पिछले महीने कमजोर रहा। नवंबर में बिजली उत्पादन में 1.5 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई, जबकि पिछले वर्ष की समान अवधि में इसमें 4.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। नवंबर महीने के आईआईपी आंकड़ों में सुधार से संकेत मिलता है कि औद्योगिक गतिविधियों में खासकर विनिर्माण और खनन जैसे प्रमुख क्षेत्रों में रफ्तार की वापसी हो रही है।

महिला हॉकी इंडिया लीग का शानदार आगाज एसजी पाइपर्स ने रांची रॉयल्स को 2-0 से हराया

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। महिला हॉकी इंडिया लीग 2025-26 सीजन के पहले मुकाबले में एसजी पाइपर्स ने दमदार प्रदर्शन करते हुए रांची रॉयल्स को 2-0 से शिकस्त दी। यह मुकाबला रविवार को रांची के मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा एस्ट्रो टर्फ स्टेडियम में खेला गया। एसजी पाइपर्स की जीत में कप्तान नवनीत कौर और टेरेसा वियाना के गोल निर्णायक साबित हुए।

मैच की शुरुआत दोनों टीमों के बीच काफ़ी तेज़ और संतुलित रही। पहले क्वार्टर में दोनों ओर से जबरदस्त मूवमेंट देखने को मिला, लेकिन मजबूत डिफेंस के चलते कोई भी टीम पेनल्टी कॉर्नर हासिल नहीं कर सकी। रांची रॉयल्स की ओर से हैना कॉटर बाएं फ्लैंक से लगातार दबाव बना रही थीं, जबकि एसजी पाइपर्स के लिए नवनीत कौर और दीपिका ने सर्कल में सबसे ज्यादा एंट्री ली।

दूसरे क्वार्टर में रांची रॉयल्स को पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन मारिया ऑर्टिज़ का ड्रैग फ्लिक गोलकीपर ने रोक दिया। इसके बाद एसजी पाइपर्स को लगातार पेनल्टी कॉर्नर मिले, मगर लोला रिएरा के प्रयास नाकाम रहे। आखिरकार 27वें मिनट में कप्तान नवनीत कौर ने जोरदार शॉट के साथ पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलते हुए लीग के पहले मैच का पहला गोल दागा।

तीसरे क्वार्टर में रांची रॉयल्स ने तीन पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए, लेकिन वे बराबरी का गोल नहीं कर सके। दूसरे हाफ की शुरुआत में नवनीत कौर और सुनेलिता टोप्पो ने शानदार तालमेल दिखाया, हालांकि गोलकीपर बिचू देवी खारीबाम ने अहम बचाव किया।

रांची की ओर से लुसिना वॉन डेर हेडे का पेनल्टी कॉर्नर शॉट भी गोल में तब्दील नहीं हो सका, जिसे एसजी पाइपर्स की डिफेंडर लोला रिएरा ने लाइन पर रोक लिया।

अंतिम क्वार्टर के पहले ही मिनट में टेरेसा वियाना (46') ने बाएं फ्लैंक से शानदार ड्रिबल करते हुए गोलकीपर को छकाया और गेंद को जाल में डालकर एसजी पाइपर्स की बढ़त दोगुनी कर दी। इसके बाद पाइपर्स ने सधे हुए खेल का प्रदर्शन किया और मुकाबला 2-0 से अपने नाम किया।

इस जीत के साथ एसजी पाइपर्स ने महिला हॉकी इंडिया लीग 2025-26 में शानदार और आत्मविश्वास से भरी शुरुआत की है, जबकि रांची रॉयल्स को अपने अगले मुकाबलों में वापसी की उम्मीद होगी।

विजय हजारे ट्रॉफी : शार्दुल ठाकुर की शानदार गेंदबाजी, मुंबई ने छत्तीसगढ़ को रौंदा

जयपुर **(एजेंसी)**। कप्तान शार्दुल ठाकुर की शानदार गेंदबाजी से मुंबई ने विजय हजारे वनडे ट्रॉफी के ग्रुप सी मैच में सोमवार को यहां छत्तीसगढ़ को 9 विकेट से हराकर अपनी जीत की हैट्रिक पूरी की। टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला करने के बाद शार्दुल ने सुबह में तेज गेंदबाजों की मददगार परिस्थितियों का पूरा फायदा उठाते हुए पांच ओवर के अंदर छत्तीसगढ़ का स्कोर चार विकेट पर 10 रन कर दिया।

कप्तान अमनदीप खरे (63) और अजय मंडल (46) के बीच पांचवें विकेट के लिए 105 रन की साझेदारी के बावजूद छत्तीसगढ़ की टीम शुरुआती झटकों से कभी नहीं उबरी। टीम 38.1 ओवर में 142 रन पर आउट हो गई। शार्दुल ने खेल के शुरुआती आधे घंटे में छत्तीसगढ़ के खिलाफ कहर बरपाया तो वहीं वामहस्त स्पिनर शम्स मुलानी ने आखिरी छह में से पांच विकेट झटक कर छत्तीसगढ़ की पारी को सस्ते में समेटने में योगदान दिया।

मुलानी ने 31 रन देकर 5 विकेट लिए जिससे छत्तीसगढ़ ने आखिरी छह विकेट 27 रन के अंदर गंवा दिए। अंगकृष रघुवंशी (66 गेंदों पर 68 नाबाद) और अनुभवी सिद्धेश लाड (42 गेंदों पर 48 नाबाद) ने दूसरे विकेट के लिए 102 रन की अटूट साझेदारी कर महज 24 ओवरों में ही मुंबई को 9 विकेट से एकतरफा जीत दिला दी। मुंबई को एकमात्र झटका ईशान मूलचंदानी के आउट होने से लगा जो 19 रन बनाकर हर्ष यादव की गेंद पर आउट हुए। मुंबई तीन मैचों में इतनी ही जीत से 12 अंक के साथ ग्रुप सी की तालिका में शीर्ष पर है।

'बिग बॉस 19' फेम तान्या मित्तल का बड़ा खुलासा : मैं एक कंडोम फैक्ट्री की मालकिन हूं, ऐसे होती है क्वालिटी चेकिंग

'बिग बॉस 19' शो का समापन हो गया है, लेकिन इसके कंटेस्टेंट अभी चर्चाओं में बनें हुए। इस बीच, सबसे चर्चित कंटेस्टेंट्स में से एक तान्या मित्तल हैं। अब उनको विनर की ट्रॉफी नहीं मिली, लेकिन अपने आत्मविश्वास और आलोचनाओं के बावजूद भी बिना कैमरे के सामने मुस्कुराने के अंदाज से उन्होंने सबका दिल जीता है। तान्या मित्तल के दौलत के बारे झूठे दावे किए और उनके इस खुलासे पर हंसे कि उनके चारों ओर कई बॉडीगार्ड रहते हैं, उनके पास महंगी गाड़ियां हैं और वे आलीशान घर में रहती हैं। हाल ही में उन्होंने कंडोम फैक्ट्री की मालकिन होने का चौंकाने वाला खुलासा किया है।

इससे पहले तान्या मित्तल यह कह चुकी थीं कि उनका खुद का एक कपड़ों का ब्रांड है। लेकिन इसके साथ-साथ उनका एक कंडोम निर्माण यूनिट भी है, जो उनकी आय का एक अहम स्रोत माना जाता है। न्यूज पिंच को दिए गए इंटरव्यू में तान्या मित्तल ने अपनी कंडोम फैक्ट्री का भ्रमण कराया, जहां उन्होंने बताया कि कंडोम की पैकेजिंग, गुणवत्ता जांच (टेस्टिंग) और अन्य प्रक्रियाएं किस तरह की जाती हैं।

तान्या मित्तल ने आगे बताया कि उनकी फैक्ट्री में बड़ी संख्या में कर्मचारी काम करते हैं और इससे रोजगार के कई अवसर पैदा हुए हैं। इसके बाद उन्होंने यह भी कहा कि उनकी फैक्ट्री का चुनाव थोड़ा अलग है और कई लोग इस बारे में बात करने से कतराते हैं। तान्या ने अपने फैंस को प्रोडक्शन एरिया को भी दिखाया और फैक्ट्री में इस्तेमाल की जाने वाली तकनीक भी दिखाई। तान्या ने कंडोम उत्पादन के लिए बड़े पैमाने पर इस्तेमाल होने वाली मशीनरी दिखाई और बताया कि इन्हें दुनिया के कई हिस्सों से इक्ट्ठा किया जाता है फिर आयात किया जाता है। इसके साथ ही उन्होंने लैब का भी दौरा कराया, जहां प्रोडक्ट्स की जांच की जाती है, बताया कि जांच कैसे होती है।

तान्या ने बताया कि सलमान ने लोगों से उनके लिए डटकर लड़ाई लड़ी और पूरा साथ दिया, जबकि उन्हें उनकी सच्चाई का पता भी नहीं था। उन्होंने बिना किसी संदेह के उन पर विश्वास किया। इसी कारण एक 'फर्जी' लड़की का समर्थन करने को लेकर उन्हें निशाना बनाया गया और ट्रोल किया गया। उन्होंने कहा कि उन्हें लगातार अपमान सहना पड़ा। घर के भीतर छह दिनों तक उनके साथ प्रताड़ना होती रही और वीकेंड पर आने वाला हर एक व्यक्ति उन्हें और ज्यादा परेशान करता था। वह बार-बार उन्हें तंग करता और मानसिक रूप से परेशान करता रहता था।

बिग बॉस के बाद तान्या मित्तल का ग्वालियर में भव्य स्वागत किया गया है। सोशल मीडिया पर परिवार के साथ उनके मिलने के भावुक वीडियों काफी छाए हुए है। हालिए में तान्या के घर का एक वीडियो मिला, जिसके बाहर कई कारें खड़ी थीं। वीडियो में उनके एंट्री गेट की झलक भी दिखाई दी, जो कि गेंदे के फूलों से सजा हुआ था, एक बड़ा लॉन था और रईसी साफ दिखाई दे रही थी।

'तू मेरी मैं तेरा' की धीमी शुरुआत! मल्टी-स्टारर क्लैश में कार्तिक-अनन्या की फिल्म बॉक्स ऑफिस पर पिछड़ी

कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे की रोमांटिक कॉमेडी, तू मेरी मैं तेरा को रविवार को बॉक्स ऑफिस कलेक्शन में थोड़ी गिरावट देखने को मिली। समीर विद्वान द्वारा निर्देशित इस फिल्म का मकसद फेस्टिव छुट्टियों वाले वीकेंड का फायदा उठाना था, लेकिन एक साथ कई फिल्मों के रिलीज़ होने के कारण इसे चुनौतियों का सामना करना पड़ा, जिससे शुरुआती दिनों में इसकी ग्रोथ सीमित रही। फिल्म के लीड एक्टर्स की स्टार पावर और रिलीज़ के समय को देखते हुए इसके परफॉर्मेंस पर करीब से नज़र रखी जा रही थी, क्योंकि यह ऐसा समय था जब आमतौर पर बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई होती है।

अपने पहले रविवार (चौथे दिन) को, फिल्म ने तीन बड़ी रिलीज़ में सबसे कम कमाई दर्ज की, जो धुरंधर और अवतारः फायर एंड ऐश से पीछे रही। शुरुआती अनुमानों के अनुसार, तू मेरी मैं तेरा ने रविवार को 5.37 करोड़ रुपये कमाए, जो शनिवार के 5.5 करोड़ रुपये से 2.36 प्रतिशत की मामूली गिरावट दिखाता है। खास बात यह है कि रविवार की कमाई शुक्रवार के 5.25 करोड़ रुपये से ज़्यादा रही। यह स्थिरता दर्शकों की स्थिर दिलचस्पी को दिखाती है, भले ही बाहरी कारणों से कुल ग्रोथ धीमी रही हो।

सैकनिल्क के अनुसार, धुरंधर ने अनुमानित 22 करोड़ रुपये के साथ चार्ट में टॉप किया, जबकि अवतारः फायर एंड ऐश ने लगभग 10.75 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। तू मेरी मैं तेरा में कार्तिक आर्यन रेहान 'रे' मेहरा और अनन्या पांडे रूमी वर्धन सिंह के रोल में हैं।

फिल्म दो ऐसे लोगों की कहानी है जिन्हें एक-दूसरे से प्यार हो जाता है, लेकिन परिवार के दबाव के कारण उन्हें अलग होना पड़ता है। वे भारी मन से अलग हो जाते हैं, इस उम्मीद के साथ कि किस्मत उन्हें किसी दिन फिर से मिलाएगी।

तू मेरी मैं तेरा से पहले, कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे ने 2019 की फिल्म पति पत्नी और वो में साथ काम किया था। फिल्मफेयर के साथ एक बातचीत में, कार्तिक से पूछा गया कि क्या उन्होंने अपने पिछले प्रोजेक्ट के बाद से अनन्या में कोई बदलाव देखा है। इस पर जवाब देते हुए एक्टर ने कहा, 'मैं तब भी कहता था कि वह बहुत अच्छी थी, जब हम पति पत्नी और वो कर रहे थे, हमने उस फिल्म को करने में बहुत मज़ा किया था।'

असम से घुसपैठियों पर अमित शाह का बड़ा बयान कांग्रेस ने सालों तक आंखें मूंदी, अब हो रही कार्रवाई

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने असम के नागांव जिले में बटाद्रवा सांस्कृतिक परियोजना का उद्घाटन करते हुए भारत रत्न गोपीनाथ बोरदोलोई की विरासत को याद किया और कहा कि उनके प्रयासों के बिना असम और पूरा पूर्वोत्तर भारत का हिस्सा नहीं रह पाता। महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव की जन्मभूमि, पुनर्निर्मित बटाद्रवा थान में बोलते हुए शाह ने कहा कि आज मैं भारत रत्न गोपीनाथ जी को याद करना चाहता हूं। अगर वे न होते, तो असम और पूरा पूर्वोत्तर आज भारत का हिस्सा न होता। गोपीनाथ जी ही थे जिन्होंने जवाहरलाल नेहरू को असम को भारत में रखने के लिए बाध्य किया।

बातद्रवा थान के आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए, शाह ने इसे असमिया समाज में एकता और सद्भाव का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि यह केवल एक पूजा स्थल नहीं है, बल्कि असमिया सद्भाव का जीवंत प्रतीक है। सभी समुदाय यहां 'नव-वैष्णव धर्म' को आगे बढ़ाने के लिए आते हैं। उन्होंने श्रीमंत शंकरदेव द्वारा प्रचारित समावेशी वैष्णव परंपरा का जिक्र किया। असम सरकार द्वारा शुरू की गई बटाद्रवा सांस्कृतिक परियोजना का उद्देश्य इस पवित्र स्थल को विश्व स्तरीय आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन स्थल में परिवर्तित करना है। अतिक्रमण मुक्त कराई गई 162 बीघा भूमि पर फैली इस परियोजना को लगभग 217 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से विकसित किया गया है।

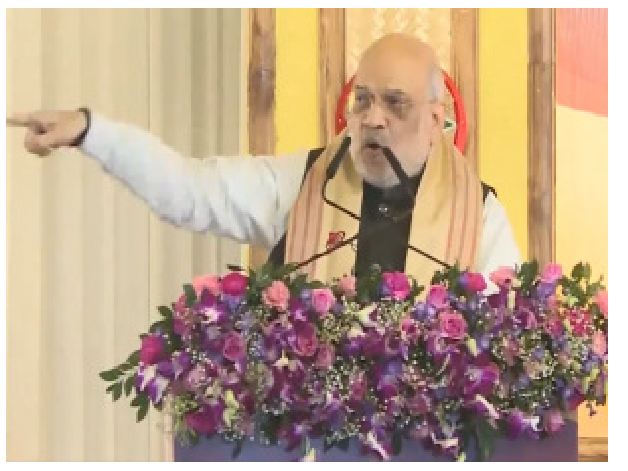

इसके साथ ही अमित शाह जोर देते हुए कहा कि भाजपा पूरे देश से सभी घुसपैठियों को हटाने का संकल्प लेती है...क्या शंकरदेव की इस जगह पर बांग्लादेशी घुसपैठियों का होना उचित था? मैं हिमंता बिस्वा शर्मा को घुसपैठियों को यहाँ से हटाने और नामघर स्थल को पुनः स्थापित करने के लिए बधाई देता हूँ। एक लाख बीघा से अधिक भूमि घुसपैठियों से मुक्त कराई गई है। कांग्रेस ने इतने वर्षों तक शासन किया, लेकिन उसने असम आंदोलन के लिए प्राणों की आहुति देने वालों के लिए कुछ नहीं किया।

असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा कि यह पहल असम की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित और प्रदर्शित करने में सहायक होगी, साथ ही राज्य के पूजनीय वैष्णव संत, समाज सुधारक और सांस्कृतिक प्रतीक श्रीमंत शंकरदेव के आदर्शों को बढ़ावा देगी। यह परियोजना पारंपरिक असमिया सौंदर्यशास्त्र को आधुनिक बुनियादी ढांचे के साथ मिलाकर एक व्यापक आध्यात्मिक और सांस्कृतिक परिसर का निर्माण करती है। इस परियोजना की प्रमुख विशेषताओं में विश्व का सबसे ऊंचा गुरु आसन, सत्तरिया संस्कृति से प्रेरित अतिथि गृह, पारंपरिक झांझ के आकार में निर्मित कला केंद्र, खोल (ढोल) के मॉडल पर आधारित अनुसंधान केंद्र, नाव के आकार का कौशल विकास केंद्र और पारंपरिक असमिया जापी की तर्ज पर निर्मित रंगमंच शामिल हैं।

वंचित बहुजन से 'हाथ' कितना होगा मजबूत? 25 साल बाद बीएमसी चुनाव में कांग्रेस-वीबीए एक साथ

मुम्बई **(एजेंसी)**। बीएमसी चुनाव में कांग्रेस और वंचित बहुजन आघाड़ी (वीबीए) का एक साथ आना महाराष्ट्र की राजनीति में एक अहम घटनाक्रम माना जा रहा है। लंबे समय से अलग-अलग राह पर चल रही ये दोनों पार्टियां अब मुंबई महानगरपालिका के चुनाव में साझा रणनीति के तहत आगे बढ़ती नजर आ रही हैं। इस गठबंधन का उद्देश्य अल्पसंख्यक, दलित और वंचित वर्गों के साथ-साथ नाराज शहरी मतदाताओं को एकजुट करना बताया जा रहा है। गठबंधन के तहत 28 मनपाओं में उम्मीदवारों के चयन और चुनावी रणनीति को लेकर स्थानीय स्तर पर निर्णय लिया जाएगा। इसका मतलब है कि हर वार्ड में जमीनी समीकरण, स्थानीय नेतृत्व और जीत की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए सीट बंटवारे पर फैसला होगा। बीएमसी चुनाव में यह नया समीकरण सत्ताधारी और अन्य विपक्षी दलों के लिए चुनौती बन सकता है और मुंबई की राजनीति में नए समीकरण गढ़ सकता है।

मुंबई में 227 सीटों में से वंचित बहुजन आघाडी 62 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। दोनों दलों ने कहा कि राज्य की अन्य 25 महानगरपालिकाओं में गठबंधन पर स्थानीय स्तर पर निर्णय लिया जाएगा। इसके लिए दोनों दलों ने स्थानीय नेतृत्व को अधिकार दिए हैं।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने कहा कि कांग्रेस के स्थापना दिवस पर गठबंधन होना विशेष महत्व रखता है। कांग्रेस प्रदेश मुख्यालय तिलक भवन में हर्षवर्धन सपकाल और वंचित बहुजन आघाडी के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. धैर्यवर्धन पुंडकर ने गठबंधन की घोषणा की। इस दौरान सपकाल ने कहा कि बीएमसी चुनाव में बीजेपी को रोकने के लिए यह नैसर्गिक गठबंधन किया गया है। बीजेपी सरकार ने प्रशासक के जरिए बीएमसी में भ्रष्टाचार के कीर्तिमान बनाए है। कांग्रेस और वीबीए मिलकर बीजेपी के भ्रटाचार को रोकेगी।

हर्षवर्धन सपकाल ने कहा कि कांग्रेस और वंचित बहुजन आघाड़ी का गठबंधन एक स्वाभाविक गठबंधन है। दोनों दलों के विचार समान है। दोनों दल संवैधानिक मूल्यों से समझौता नहीं करते। वर्ष 1998 और 1999 के चुनावों में दोनों के बीच गठबंधन हुआ था। अब 25 वर्षों बाद दोनों दल फिर एक साथ आए हैं। इस प्रक्रिया में थोड़ा समय लगा, लेकिन एक नए अध्याय की शुरुआत हो गई है।

वीबीए के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ धैर्यवर्धन पुडकर ने कहा कि देश को बांटने वाली बीजेपी को रोकने के लिए दोनों दल एक साथ आए है। गठबंधन के लिए कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष ने पहला कदम उठाया और शुरुआत से ही सकारात्मक भूमिका निभाई। मुंबई महानगरपालिका चुनाव में वचित बहुजन आघाडी 62 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। वीबीए के प्रदेश उपाध्यक्ष सिद्धार्थ मौकले ने कहा कि गठबंधन में सीटों के बंटवारे पर चर्चा कभी पूरी तरह संतोषजनक नहीं होती, लेकिन कहीं न कहीं रुकना पड़ता है। गठबंधन के लिए दोनों पक्षों के बीच सकारात्मक चर्चा हुई। मुंबई महानगरपालिका के लिए गठबंधन की घोषणा की गई है। तिलक भवन में आयोजित सयुक्त प्रेस वार्ता में कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल के साथ सचिन सावंत आदि उपस्थित थे।

बीएमसी चुनाव 2026 : बीजेपी ने जारी की 66 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट

मुम्बई **(एजेंसी)**। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) चुनाव के लिए अपने 66 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की। ये चुनाव अगले साल जनवरी में होने वाले हैं। महायुति के नेतृत्व वाली भाजपा राज्य में हाल ही में हुए नगर परिषद और नगर पंचायत चुनावों में मिली सफलता से उत्साहित है और नगर निगम चुनावों में भी उसी प्रदर्शन को दोहराने की उम्मीद कर रही है। भाजपा, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना के साथ गठबंधन में बीएमसी चुनाव लड़ रही है। हालांकि दोनों पार्टियों ने अभी तक सीटों के बंटवारे की घोषणा नहीं की है। भाजपा बीएमसी की 227 सीटों में से 140 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। वहीं, शिंदे की सेना 87 सीटों पर चुनाव लड़ेगी।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस लगातार शिवसेना का समर्थन करते रहे हैं और उन्होंने भाजपा नेताओं को शिंदे की पार्टी पर हमला न करने का निर्देश भी दिया था। उन्होंने पिछले सप्ताह कहा था, 'भाजपा और शिवसेना एकजुट हैं। सब कुछ सुचारू रूप से चल रहा है। हमें औपचारिक

रूप से गठबंधन की घोषणा करने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए यह भी कहा कि महायुति आगामी मुंबई नगर निगम चुनाव जीतेगी। उन्होंने कहा था, मुंबई नगर निगम में महायुति सरकार बनाने और 'अंधकार छंटेगा, सूर्य उदय होगा और कमल खिलेगा' के नारे को साकार करने का संकल्प है। यह चुनाव नगर निकाय में पारदर्शी और ईमानदार शासन स्थापित करने के उद्देश्य से लड़ा जा रहा है।

मुंबई सहित महाराष्ट्र के 29 नगर निगमों के लिए चुनाव 15 जनवरी को होंगे और परिणाम अगले दिन घोषित किए जाएंगे।

प्रदेश की कानून-व्यवस्था का मॉडल दूसरे राज्यों के लिये उदाहरण : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने प्रदेश के कानून-व्यवस्था के मॉडल को दूसरे राज्यों के लिए एक उदाहरण के तौर पर पेश किये जाने का दावा करते हुए रविवार को कहा कि सुरक्षा की भावना ने निवेश और मूलभूत ढांचे के विकास को बढ़ावा दिया है।

मुख्यमंत्री ने यहां पुलिस मुख्यालय में दो दिवसीय पुलिस मंथन सम्मेलन के समापन दिवस पर अपने संबोधन में कहा, "हमने उत्तर प्रदेश में दिखाया है कि क्या हासिल किया जा सकता है। आज दूसरे राज्यों के लोग इसे एक मॉडल के तौर पर पेश करने की कोशिश कर रहे हैं। वहां का मीडिया कहता है कि उनके राज्य में उत्तर प्रदेश मॉडल आ गया है।" आदित्यनाथ ने इस बदलाव का श्रेय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन से प्रेरित 'स्मार्ट पुलिसिंग' को दिया और कहा कि सम्मेलन के दौरान तैयार की गयी रूपरेखा एक महत्वपूर्ण नीति दस्तावेज होगी। उन्होंने एक्सप्रेसवे, हवाई कनेक्टिविटी और रेल नेटवर्क का हवाला देते हुए कहा कि अगर सुरक्षा नहीं होती तो मूलभूत ढांचा इतनी तेजी से विकसित नहीं होता। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में उत्तर प्रदेश के बारे में लोगों की सोच बदली है। उन्होंने कहा, "आज लोग मानते हैं कि उत्तर प्रदेश में बदलाव आया है। निवेश इसलिए हो रहा है क्योंकि सुरक्षा है और कानून का राज है।" आदित्यनाथ ने संवाद-आधारित, जन-केंद्रित पुलिसिंग पर भी जोर दिया और कहा, "खुफिया जानकारी हमारा सबसे बड़ा हथियार है।" उन्होंने कहा कि कानून का राज उत्तर प्रदेश की सबसे बड़ी ताकत है, जिसने सार्वजनिक असुरक्षा को दूर किया है, विश्वास बनाया है और लोकतंत्र को मजबूत किया है।

बीएमसी चुनावों के लिए मुंबई कांग्रेस की पहली सूची, 87 उम्मीदवारों का ऐलान

मुम्बई **(एजेंसी)**। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (आईएनसी) ने सोमवार को आगामी बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) चुनावों के लिए 87 उम्मीदवारों की अपनी पहली सूची जारी की। बीएमसी सहित महाराष्ट्र के सभी नगर निगमों के चुनावों के लिए मतदान 15 जनवरी को होगा। परिणाम 16 जनवरी को घोषित किए जाएंगे। इसमें माहिम विधानसभा सीट के तहत आने वाली वार्ड नंबर 192 भी शामिल है। सूत्रों की मानें तो इस सीट से राज ठाकरे ने अपना उम्मीदवार उतारने का फैसला किया है।

कांग्रेस और प्रकाश अंबेडकर की वंचित बहुजन अघाड़ी ने गठबंधन को अंतिम रूप दे दिया है और रविवार को सीटों के बंटवारे पर सहमति बन गई है। दोनों दलों के शीर्ष नेताओं के बीच कई दौर की चर्चाओं और बैठकों के बाद यह घटनाक्रम सामने आया है। बीएमसी की 227 सीटों में से कांग्रेस 165 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेगी। वहीं, वीबीए 62 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। कांग्रेस महा विकास अघाड़ी का हिस्सा है, जिसमें उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना-यूबीटी और शरद पवार के राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी गुट भी शामिल हैं।

बीएमसी चुनावों के लिए, शिवसेना-यूबीटी ने राज ठाकरे के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के साथ गठबंधन किया है, जिसकी कांग्रेस ने बार-बार आलोचना की है। कांग्रेस की पुरानी पार्टी का कहना है कि वह सभी 'विभाजनकारी' और 'सांप्रदायिक' ताकतों के खिलाफ है, इसीलिए वह शिवसेना-यूबीटी के एमएनएस के साथ गठबंधन का विरोध कर रही है। इससे पहले पार्टी ने कहा था कि वह बीएमसी चुनाव अकेले लड़ेगी, लेकिन बाद में खबरें आईं कि कांग्रेस प्रकाश अंबेडकर की पार्टी के साथ गठबंधन पर विचार कर रही है।

पुतिन को लेकर ट्रंप ने सबके सामने ऐसा क्या कह दिया, जेलेंस्की नहीं रोक पाए हंसी, वीडियो वायरल

वाशिंगटन **(एजेंसी)**। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि यूक्रेन में युद्ध समाप्त करने का समझौता पहले से कहीं अधिक करीब है, लेकिन उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि पूर्वी डोनबास क्षेत्र के भविष्य को लेकर अभी भी कुछ जटिल सवाल अनसुलझे हैं। उन्होंने यह बात फ्लोरिडा में रविवार को वलोडिमिर ज़ेलेंस्की के साथ हुई दो घंटे की बैठक के बाद कही। ट्रंप ने कहा कि युद्ध समाप्त करने के लिए समझौते का मसौदा लगभग 95इ पूरा हो चुका है। उन्होंने कहा कि मुझे सच में लगता है कि हम दोनों पक्षों के साथ पहले से कहीं अधिक करीब हैं, और साथ ही यह भी कहा कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भी इसे होते देखना चाहते हैं।

मीटिंग के बाद दोनों नेताओं ने एक साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान ही ट्रंप ने एक ऐसी बात कह दी, जिसे सुन जेलेंस्की अपनी हंसी नहीं रोक पाए। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि रूस भी चाहता है कि यूक्रेन सफल हो। उन्होंने रूसी राष्ट्रपति पुतिन को दयालु भी कहा। ट्रंप ने कहा कि रूस चाहता है कि यूक्रेन सफल हो। यह थोड़ा अजीब लगता है, लेकिन राष्ट्रपति पुतिन यूक्रेन की सफलता के प्रति बहुत उदार थे। एनर्जी सप्लाई की बात हो या फिर इलेक्ट्रिसिटी की, वह चाहते हैं कि सस्ती कीमतों पर लोगों को यह उपलब्ध हो। ट्रंप की इन बातों पर जेलेंस्की कुछ बोल तो नहीं पाए, लेकिन उनकी हंसी जरूर छूट गई। इस पर उन्होंने ऐसा रिएक्शन दिया, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने लगा।

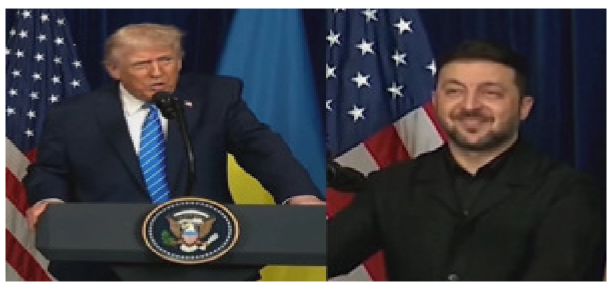

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि उन्हें लगता है कि पुतिन अब भी शांति चाहते हैं। हालांकि जेलेंस्की के वार्ता के लिए अमेरिका रवाना होने के बीच भी रूस ने यूक्रेन पर फिर हमले किए। ट्रंप और जेलेंस्की ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि कई जटिल मुद्दे अब भी बाकी हैं जिनमें यह प्रश्न भी शामिल है कि रूस के कब्जे वाले यूक्रेनी क्षेत्रों का क्या होगा और यूक्रेन के लिए ऐसे सुरक्षा आश्वासन कैसे सुनिश्चित किए जाएं कि भविष्य में उस पर फिर हमला न हो। इस बातचीत के बाद दोनों नेताओं ने यूरोप के कई नेताओं से भी फोन पर बात की जिनमें यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन के साथ-साथ फिनलैंड, फ्रांस, जर्मनी, ब्रिटेन और पोलैंड के नेता शामिल थे।

ट्रंप ने कहा कि बैठक वाशिंगटन में या कहीं और भी हो सकती है। जेलेंस्की ने ट्रंप के प्रयासों के लिए उन्हें धन्यवाद देते हुए कहा कि यूक्रेन शांति के लिए तैयार है। ट्रंप ने कहा कि वह जेलेंस्की से मुलाकात के बाद पुतिन से एक बार फिर फोन पर बात करेंगे। इससे पहले रविवार को पुतिन के विदेश मामलों के सलाहकार यूरी उशाकोव ने कहा कि ट्रंप और पुतिन के बीच फोन वार्ता की पहल अमेरिका की ओर से हुई थी और बातचीत मैत्रीपूर्ण, सद्भावनापूर्ण और काम-काज संबंधी रही। उशाकोव के मुताबिक, ट्रंप और पुतिन ने जेलेंस्की से ट्रंप की मुलाकात के बाद शीघ्र फिर बात करने पर सहमति जताई। ट्रंप ने कहा कि रूस और यूक्रेन धीरे-धीरे समझौते के करीब पहुंच रहे हैं।

बांग्लादेश में जिंदा जलाए जा रहे हिंदू परिवार, कमरे में कपड़े ठूंसकर लगाई आग! यूनुस सरकार खामोश

ढाका **(एजेंसी)**। बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। ताजा मामला पीरोजपुर जिले के डुमरिया गांव का है, जहां कट्टरपंथियों ने कई हिंदू परिवारों के घरों में आग लगा दी। यह घटना 27 दिसंबर को हुई बताई जा रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार, हमलावरों ने पलाश कांति साहा को घर के अंदर बंद कर जिंदा जलाने की कोशिश की। कट्टरपंथियों ने एक कमरे में कपड़े ठूंसकर आग लगा दी, जिससे आग तेजी से पूरे घर में फैल गई। इस हमले में पलाश कांति साहा, शिव साहा, दीपक साहा, श्यामलेंदु साहा और अशोक साहा के मकान बुरी तरह जलकर राख हो गए।

रिपोर्ट के मुताबिक, इस आगजनी में घरों का सारा सामान नष्ट हो गया, जिसमें फर्नीचर, नकदी, जमीन के दस्तावेज, शैक्षणिक प्रमाणपत्र और अन्य जरूरी कागजात शामिल हैं। पीड़ित परिवारों के सामने अब सिर छुपाने और रोजमर्रा की जिंदगी दोबारा शुरू करने का गंभीर संकट खड़ा

हो गया है। इससे एक दिन पहले पश्चिम डुमरियातला गांव में भी दो हिंदू परिवारों के पांच घरों को आग के हवाले कर दिया गया था, जिससे इलाके में भय और आक्रोश का माहौल है। घटना के बाद बांग्लादेश की प्रसिद्ध लेखिका तस्लीमा नसरीन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर तीखी प्रतिक्रिया दी।

उन्होंने लिखा कि पीरोजपुर के डुमरितोला गांव में साहा परिवार के पांच कमरों को हिंदू-विरोधी जिहादियों ने जला दिया। उन्होंने कहा कि हमलावरों ने तड़के सुबह आग लगाई, जब सभी लोग सो रहे थे। तस्लीमा नसरीन ने सवाल उठाया, 'क्या देश के बाकी हिंदू घरों को भी इसी तरह जला दिया जाएगा? वे हिंदुओं को जिंदा जलाना चाहते हैं, इसलिए सोते वक्त आग लगाते हैं। क्या यूनुस सिर्फ बांसुरी बजा रहा है?' गौरतलब है कि इससे पहले चट्टोग्राम के पास भी एक हिंदू परिवार के घर में आग लगाई गई थी। उस घटना में परिवार के सदस्य बाहर से दरवाजे बंद होने के कारण फंस गए थे, लेकिन किसी तरह टीन की चादरें और बांस काटकर जान बचाने में सफल रहे।

हालांकि उनका सारा सामान जलकर राख हो गया और पालतू जानवरों की मौत हो गई। बांग्लादेश में हालिया दिनों में हालात और बिगड़े हैं। 12 दिसंबर को छात्र नेता उस्मान हादी की गोली मारकर हत्या के बाद देशभर में हिंसा फैल गई। इस दौरान मीडिया संस्थानों पर हमले हुए और मयमनसिंह में ईशनिंदा के आरोप में हिंदू मजदूर दीपू चंद्र दास की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई, बाद में शव को जला दिया गया। इन घटनाओं के बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यूनुस सरकार की कड़ी आलोचना हो रही है और बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल उठ रहे हैं।

कंबोडिया-थाईलैंड विवाद में चीन की एंट्री युन्नान में दोनो देशों की करवाई बैठक

बीजिंग **(एजेंसी)**। कंबोडिया और थाईलैंड के बीच हिंसक सीमा विवाद में एक मजबूत मध्यस्थ की भूमिका निभाने की कोशिश कर रहे चीन के विदेश मंत्री ने सोमवार को दोनों दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के विदेश मंत्रियों के साथ बैठक की। विवादित सीमा के उत्तर में स्थित चीन के युन्नान प्रांत में यह त्रिपक्षीय बैठक आयोजित की गई। यह बैठक थाईलैंड और कंबोडिया की बीच हफ्तों से जारी लड़ाई को समाप्त करने के लिए एक नए युद्धविराम समझौते पर हस्ताक्षर करने के दो दिन बाद हुई। दोनों देशों के बीच सीमा विवाद को लेकर हुई लड़ाई में 100 से अधिक लोग मारे गए और सीमा के दोनों ओर से लाखों लोगों को विस्थापित होना पड़ा। युन्नान प्रांत में बैठक के बाद थाईलैंड के विदेश मंत्री सिहासक फुआंगकेटकेओ ने पत्रकारों से कहा, "हम सभी मुद्दों को हल नहीं कर सके हैं लेकिन मुझे लगता है कि हम सही दिशा में प्रगति कर रहे हैं और हमें इस गति को बनाए रखना होगा।" उन्होंने कहा कि हमारी प्राथमिकताएं स्थायी युद्धविराम सुनिश्चित करना और विश्वास बहाली है। चीन के वैश्विक स्तर पर एक आर्थिक और राजनीतिक शक्ति के रूप में उभरने के साथ, पिछले एक दशक से अधिक समय से राजनयिक मामलों में तीसरे पक्ष के रूप में अपनी भूमिका को मजबूत करने के लिए उसने विभिन्न तरीकों से काम किया है।

सोमवार को हुई बैठक के दौरान, चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने क्षेत्रीय शांति, स्थिरता और विकास को बढ़ावा देने के लिए संयुक्त प्रयासों का आह्वान किया - जो इस तरह की स्थितियों में चीन की विशिष्ट भाषा है। कंबोडिया के विदेश मंत्री प्राक सोखोन ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि नवीनतम युद्धविराम कायम रहेगा और दोनों देशों को मतभेदों को सुलझाने के लिए पहले से सहमत तरीकों को फिर से अपनाने के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करेगा।

बांग्लादेश की राजनीति में बड़ा उलटफेर

चुनावी जंग में उतरा खालिदा जिया का बेटा तारिक रहमान ने दाखिल किया नामांकन

ढाका **(एजेंसी)**। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के कार्यकारी अध्यक्ष तारिक रहमान ने आगामी राष्ट्रीय संसदीय चुनावों के लिए सोमवार को अपना नामांकन पत्र दाखिल कर दिया। वह ढाका-17 संसदीय क्षेत्र से 12 फरवरी को होने वाले चुनाव में किस्मत आजमाएंगे। सोमवार नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि थी। डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार, तारिक रहमान का नामांकन सोमवार दोपहर करीब 12 बजे ढाका डिवीजनल कमिश्नर कार्यालय, सेगुनबागीचा में जमा किया गया। उनकी ओर से बीएनपी चेयरपर्सन के सलाहकार अब्दुस सलाम और बांग्लादेश डॉक्टर्स एसोसिएशन के मुख्य सलाहकार प्रोफेसर डॉ. फरहाद हलीम डोनार ने यह प्रक्रिया पूरी की। नामांकन के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए अब्दुस सलाम ने कहा कि 17 वर्षों के निर्वासन के बाद तारिक रहमान की वापसी पर ढाका के लोगों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। उन्होंने विश्वास जताया कि ढाका-17 के मतदाता फरवरी 12 के चुनाव में स्वतःस्फूर्त रूप से उनके पक्ष में मतदान करेंगे। इससे एक दिन पहले बांग्लादेश चुनाव आयोग ने तारिक रहमान का नाम मतदाता सूची में शामिल करने को मंजूरी दी थी। चुनाव से कुछ सप्ताह पहले मतदाता सूची में शामिल होना उनके लिए एक अहम राजनीतिक उपलब्धि मानी जा रही है।

बंद करो पूरा व्यापार, भारत के तगड़े ऐलान से घुटनों पर आया बांग्लादेश

ढाका **(एजेंसी)**। बांग्लादेश एक के बाद एक अपनी सारे हदें पार करता चला जा रहा है। दरअसल शायद बहुत ही कम लोग यह जानते हैं कि बांग्लादेश की पूरी जूट इंडस्ट्री असल में भारत के कंधों पर चलती है। जूट की खेती के लिए बांग्लादेश पूरी तरह भारत पर निर्भर है। हाई क्वालिटी, हाई यल्डिंग और डिसीज रेजिस्टेंट जूट के बीज भारत एक्सपोर्ट करता है। भारत ही इन्हीं बीजों से पैदा हुई बांग्लादेशी जूट बड़ी मात्रा में वापस खरीदता है। जिस हाथ से बीज खरीदा उसी हाथ को काटने की कोशिश की गई। यहां सबसे बड़ा विरोधाभास है। भारत दुनिया का सबसे बड़ा जूट उत्पादक देश है। सालाना उत्पादन 2 मिलियन टन है। भारतीय मिल्स, भारतीय फैक्ट्रियां, बांग्लादेशी जूट पर बड़े स्तर पर निर्भर हो चुकी हैं। और इसी निर्भरता का फायदा उठाते हुए सितंबर 2025 में बांग्लादेश ने भारत के लिए रॉ जूट का एक्सपोर्ट बंद कर दिया।

बताया गया कि ये भारत के उस फैसले का बदला है जिसमें भारत ने बांग्लादेश से फिनिश्ड जूट गुड्स का इंपोर्ट बंद किया। अब असल वजह यह है कि बांग्लादेशी मैन्युफैक्चरर्स भारत में जूट प्रोडक्ट की डंपिंग कर रहे थे बेहद सस्ते दामों पर। नतीजा भारतीय जूट प्रोडक्ट का मार्केट खत्म हो रहा था। भारतीय मिल्स घाटे में जा रही थी। लाखों वर्कर्स की नौकरी खतरे में थी। इसी मजबूरी में भारत को फिनिश जूट गुड्स पर रोक लगानी पड़ी। यानी जब कोई व्यापार के नाम पर वार करे तो जवाब भी व्यापार से दिया जाता है।

बांग्लादेश से रॉ जूट सप्लाई बंद होते ही भारतीय मिल्स को महंगी भारतीय जूट पर स्विच करना पड़ा। प्रोडक्शन कॉस्ट कई गुना बढ़ गई। कई फैक्ट्रियों में उत्पादन घट गया। नतीजा लाखों जूट वर्कर्स की नौकरियां खतरे में आ गई। हालांकि यह भी सच है कि यह सप्लाई शॉर्ट टर्म में रुकी है।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 | Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 | Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. UPHIN/2012/52437 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा श्री बालाजी प्रिंटर्स टिकरी, कमला नगर, प्रयागराज से मुद्रित एवं 80-ए मेहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 से प्रकाशित एवं सम्पादित।

● सम्पादक विनीता शर्मा ● मोबाइल : 9415975437, 7007837917, 9415223357 ● E-Mail : editormantrabharat@gmail.com ● वैधानिक सूचना:- मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र प्रयागराज न्यायालय होगा।